ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भगवान जल्द ही मुझे सीएम बनने का देंगे मौका : कुमारस्वामी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 29 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।✻। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-210

राष्ट्रद्रोह की पराकाष्ठा

कांग्रेसियों ने दी परवेज मुशर्रफ को श्रद्धांजलि..!

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने किया कार्यक्रम का उद्घाटन

करगिल विजय दिवस के दूसरे दिन केरल में की गई करतूत

बैंक ऑफ इंडिया ने किया था श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन

तिरुअनंतपुरम, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारत सरकार की वित्तीय संस्था बैंक ऑफ इंडिया ने करगिल विजय दिवस के अगले ही दिन केरल के अलप्पुझा में करगिल युद्ध के खलनायक पाकिस्तान के तत्कालीन तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ को श्रद्धांजलि देने का कार्यक्रम आयोजित किया। बैंक ऑफ इंडिया के कांग्रेस परस्त अधिकारियों-कर्मचारियों ने कांग्रेस के संरक्षण में यह कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद केसी वेणुगोपाल समेत कई स्थानीय कांग्रेस नेता मौजूद थे। वेणुगोपाल ने ही इस कार्यक्रम का

उद्घाटन किया।

भारत को बाहरी दुश्मनों से जितना खतरा है, उससे कहीं ज्यादा देश के अंतर के दुश्मनों से खतरा है। देश के दुश्मनों को अपना हीरो मानने वाले लोग भारत के लिए अत्यधिक खतरनाक हैं। पूरे देश ने सेना के शौर्य और पाकिस्तान पर भारत की जीत को याद करते हुए अभी 26 जुलाई 2024 को ही करगिल विजय दिवस मनाया है। जिस समय देश करगिल विजय दिवस मनाने की तैयारियों में जुटा था, ठीक उसी समय करगिल युद्ध की सबसे बड़ी वजह पाकिस्तान के तत्कालीन आर्मी चीफ और बाद में पाकिस्तान के तानाशाह बने भारत के सबसे बड़े दुश्मन परवेज मुशर्रफ को सम्मानित किए जाने की योजना बनाई जा रही थी। जी हां, भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक बैंकों में से एक बैंक ऑफ इंडिया कर्मचारी यूनियन की केरल इकाई ने 27 जुलाई 2024 को जनरल परवेज मुशर्रफ को श्रद्धांजलि देने का कार्यक्रम आयोजित किया।

बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियन (केरल) ने अपने 23वें स्टेट कॉन्फ्रेंस में पूर्व पाकिस्तानी राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ को सम्मानित करने का फैसला किया था। बैंक यूनियन की राज्य समिति द्वारा जारी पोस्टर में भी 27 जुलाई 2024 को अलप्पुझा में आयोजित राज्य सम्मेलन के दौरान मुशर्रफ को श्रद्धांजलि देने की तैयारी की योजना के बारे में बताया गया। बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियन (केरल) अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) से जुड़ा है। ये पोस्टर 26 जुलाई 2024 को सामने आए, ठीक उसी दिन, जब करगिल के सबसे बड़े खलनायक की कारस्तानी पर भारतीय सेना की जीत को याद दिया जा रहा था। यह मुशर्रफ की ही खोपड़ी की उपज थी कि उसने मुजाहिदीनों के वेश में पाकिस्तानी सेना को भारत से जंग के लिए भेजा था।

▶10 पर

भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में बोले प्रधानमंत्री

हार से मन छोटा करने की जरूरत नहीं, अपना काम करते चलें

दो दिवसीय बैठक में 13 मुख्यमंत्री और 15 उप मुख्यमंत्री शामिल

पीएम मोदी ने राज्यों से भविष्य की योजनाओं का लेखाजोखा लिया

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं ने शासन के मुद्दों पर लगातार दूसरे दिन रविवार को भी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों के साथ मैराथन बैठक की। लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन यूपी से लेकर महाराष्ट्र, हरियाणा, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में बेहद खराब रहा। चुनाव नतीजों के बाद पीएम मोदी की अध्यक्षता में दो दिनों की भाजपा के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक आज भी जारी रही। पहले दिन यह बैठक साढ़े तीन घंटे तक चली थी।

इस बैठक में 13 भाजपा शासित राज्यों के सीएम और एनडीए शासित तीन राज्यों के सभी उपमुख्यमंत्री भी शामिल हुए। इसमें सभी मुख्यमंत्रियों ने अपने राज्यों को लेकर प्रेजेंटेशन दिया तो दूसरी ओर पीएम मोदी ने भी अपने सभी मुख्यमंत्रियों को खास सुझाव दिए हैं। उत्तर प्रदेश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस दौरान सबसे ज्यादा चर्चा में रहे क्योंकि पिछले कुछ दिनों से यूपी में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने उनके खिलाफ आक्रामक रुख अपना रखा है। उन्होंने संगठन और सरकार के बीच विवाद को लेकर बयान दिया, जो कि पार्टी के लिए भी मुसीबत बना था। ऐसे में आज पीएम मोदी के साथ मुख्यमंत्रियों की बैठक में इस बात पर जोर दिया, और यह सुझाव दिया कि सरकार और संगठन के बीच बेहतर कॉर्डिनेशन बनाया जाए, और केंद्र सरकार की योजनाओं को राज्यों में सहजता के साथ लागू किया जाए।

इस बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव भाजपा को हुए नुकसान को लेकर कहा कि मन छोटा करने की जरूरत नहीं है।

▶10 पर

राष्ट्रपति ने राज्यपालों में किए महत्वपूर्ण फेरबदल

तेलंगाना समेत नौ राज्यों के राज्यपाल बदले

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आदेश से नौ राज्यों के राज्यपाल बदल दिए गए हैं। नौ राज्यों में तेलंगाना, झारखंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, छत्तीसगढ़, मेघालय, असम और महाराष्ट्र शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जिन नौ राज्यों के राज्यपालों की नियुक्ति की है, उनमें छह राज्यपाल नए नियुक्त हुए हैं, जबकि 3 अन्य राज्यपालों का फेरबदल किया गया है। महाराष्ट्र के पूर्व स्पीकर हरिभाऊ किसनराव बागड़े, पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार, वरिष्ठ भाजपा नेता ओपी माथुर और मैसूर के पूर्व सांसद सीएच विजयशंकर उन छह नए राज्यपालों में शामिल हैं जिन्हें नियुक्त किया गया है।

केरल और यूपी के राज्यपालों का भी पूरा होने वाला कार्यकाल

मोदी के 10 साल में 60 राज्यपालों के बीच होता रहा फेरबदल

जिष्णु देव वर्मा

राष्ट्रपति भवन ने आधिकारिक तौर पर बताया कि तेलंगाना के राज्यपाल रहे सीपी राधाकृष्णन के स्थान पर जिष्णु देव वर्मा को तेलंगाना का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। सीपी राधाकृष्णन को महाराष्ट्र का राज्यपाल बना कर भेजा गया है। राजस्थान के राज्यपाल रहे कलराज मिश्र के स्थान पर हरिभाऊ किसनराव बागड़े को राजस्थान का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। ओम प्रकाश माथुर को सिक्किम, संतोष कुमार गंगवार को झारखंड, रमेन डेका को छत्तीसगढ़, सीएच विजयशंकर को मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को असम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है उनके पास मणिपुर के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। असम के राज्यपाल रहे गुलाब चंद कटारिया को पंजाब का राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ का प्रशासक बनाया गया है। इसके अलावा के कैलाशनाथन को पुडुचेरी का उपराज्यपाल बनाया गया है। पुडुचेरी के उपराज्यपाल बनाए गए कैलाशनाथन गुजरात कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी हैं। कैलाशनाथन पीएम मोदी के मुख्यमंत्रित्व काल में उनके मुख्य प्रधान सचिव थे। इसी साल 30 जून को उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया है। 2013 में सेवानिवृत्ति के बावजूद उन्हें 11 सेवा विस्तार दिए गए।

राज्यपालों की नई नियुक्तियों को लेकर इस बात की भी चर्चा शुरू हो गई है कि निकट भविष्य में कुछ राज्यपाल और हटेंगे जिनका कार्यकाल अब पूरा होने वाला है।

▶10 पर

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

बंगाल में हालात अराजक आपातकाल जैसी स्थिति

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में शामिल हुईं। इस बैठक के बीच से ही निकलीं और आरोप लगाया कि उन्हें बोलने ही नहीं दिया गया। अब इस मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी पर जोरदार हमला बोला है। अधीर ने कहा है कि ममता बनर्जी झूठ बोल रही हैं। उन्होंने ममता बनर्जी के दावे को स्क्रिप्टेड करार दिया। इस बीच, उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र भी लिखा है।

▶10 पर

जैसा राजदीप ने कहा, वैसा ममता ने किया!

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। क्या ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी की रणनीति अब राजदीप सरदेसाई तैयार कर रहे हैं? ये सवाल इसीलिए उठ रहा है क्योंकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कुछ ऐसा किया है, जिसकी भविष्यवाणी राजदीप सरदेसाई ने पहले ही कर दी थी। मामला शनिवार (27 जुलाई, 2024) को हुई नीति आयोग की बैठक से जुड़ा है, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। विपक्ष के कई मुख्यमंत्रियों ने इस बैठक का बहिष्कार किया, ▶10 पर

महिला खिलाड़ी मनु भाकर ने ओलंपिक में रचा इतिहास

शूटिंग में भारत को दिलाया पहला पदक

10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में जीता कांस्य पदक

पेरिस, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मनु भाकर ने रविवार 28 जुलाई को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। हरियाणा की 22 साल की इस निशानेबाज ने चेटरौक्स शूटिंग सेंटर में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद इन खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनीं। टोक्यो में दिल टूटने के तीन साल बाद भारत की इस सबसे प्रसिद्ध और प्रतिभाशाली निशानेबाजों में से एक ने अपने सपनों को पूरा किया और देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने जबरदस्त वापसी की और कांस्य पदक अपने नाम किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण और रजत पदक दक्षिण कोरिया की दो खिलाड़ियों ने जीता। ओह ये जिन 243.2 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक और किम येजी ने 241.3 के स्कोर के साथ रजत पदक अपने नाम किया।

मनु भाकर क्वालिफिकेशन राउंड में भी तीसरे स्थान पर रही थीं। इसके साथ ही उन्होंने शूटिंग में भारत के पदक के 12 साल के सूखे को भी खत्म किया।

▶10 पर

निचली अदालतों की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

जमानत याचिकाओं में देरी से चंद्रचूड़ नाराज

बेंगलुरु, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने एक बार फिर से निचली अदालत के न्यायाधीशों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि अपराध के महत्व-पूर्ण मुद्दों पर याचिकाकर्ता को जमानत न दिया जाना बेहद संदेहास्पद लगता है। मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी मामले की बारीकियों को देखने के लिए मजबूत सामान्य ज्ञान की भावना की आवश्यकता है।

डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, जिन लोगों को निचली अदालतों से जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें असल में जमानत नहीं दी जाती। इस वजह से याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। इसके अलावा जिन लोगों को उच्च न्यायालय से जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें वहां जमानत नहीं मिलती और इस वजह से उन्हें सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करनी पड़ती है। इस देरी से उन लोगों को परेशानी होती है, जिन्हें मनमाने तरीके से गिरफ्तार किया गया है।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 70,360/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 83,880/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 21^0

मन की बात

पीएम मोदी ने मैथमेटिक्स ओलंपियाड के विजेताओं को दी बधाई

अपनी संस्कृति पर गर्व स्वाभिमान राष्ट्र की पहचान: मोदी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो संबोधन मन की बात के 112वें एपिसोड अंतरराष्ट्रीय मैथमेटिक्स ओलंपियाड के विजेताओं से बातचीत की और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। इस समय फ्रांस की राजधानी पेरिस में ओलंपिक गेम्स चल रहा है। ओलंपिक में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों को भी प्रधानमंत्री ने शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा, कुछ दिन पहले गणित की दुनिया में भी एक ओलंपिक- अंतरराष्ट्रीय मैथमेटिक्स ओलंपियाड हुआ है। इस ओलंपियाड में भारत के छात्रों ने बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया है। इसमें हमारी टीम ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चार गोल्ड मेडल्स और एक सिल्वर मेडल जीता है। मन की बात में प्रधानमंत्री ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रधानमंत्री ने कहा, अंतरराष्ट्रीय मैथमेटिक्स ओलंपियाड में 100 से ज्यादा देशों के युवा हिस्सा लेते हैं और ओवरआल टैली में भारत की टीम टॉप फाइव में

प्रधानमंत्री ने बताया असम के चराईदेव मोइदम का महात्म्य

15 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान की भी याद दिलाई

आने में सफल रही है। देश का नाम रौशन करने वाले इन छात्रों में पुणे के आदित्य वेंकट गणेश, पुणे के सिद्धार्थ चोपरा, दिल्ली के अर्जुन गुप्ता, ग्रेटर नोएडा के कनव तलवार, मुंबई के रुशील माथुर और गुवाहाटी के आनंदो भादुरी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया में ओलंपिक छाया हुआ है। ओलंपिक्स हमारे खिलाड़ियों को विश्व पटल पर तिरंगा लहराने का मौका देता है। देश के लिए कुछ कर गुजरने का मौका देता है। आप भी अपने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाइए। मन की बात के 112वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में विश्व धरोहर स्थल में शामिल किए गए असम के चराईदेउ मोइदम की चर्चा की। उन्होंने कहा, चराईदेउ मोइदम एक विश्व धरोहर स्थल है। यह अब अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेगा। साथियो, आपके मन में ये सवाल जरूर आ रहा होगा कि चराईदेउ मैदाम आखिर है क्या, और ये इतना खास क्यों है। चराईदेउ का मतलब है पहाड़ी पर चमकता एक शहर। ये अहोम राजवंश की पहली राजधानी थी। अहोम राजवंश के लोग अपने पूर्वजों के शव और उनकी कीमती चीजों को पारंपरिक रूप से मैदाम में रखते थे।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

एक अद्भुत संगीतमय भाव दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन

परमात्मा ने हमें ज्ञान और समझ पूरी दी पर अभी तक सच्चा ज्ञान नहीं मिला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित पूज्य मलयप्रभ सागर जी ने एक अद्भुत भाव दीक्षा कार्यक्रम म्हारे तो लेवानी छे दीक्षा प्रस्तुत किया। तीन घंटे तक गुरुवर ने अनवरत भाव दीक्षा में श्रद्धालुओं को गोते लगवाए। कार्यक्रम के दौरान गुरुवर ने गीत विरतीधर नो वेश प्यारो लागे छे, संसारी नो संग खारो लागे छे' गाते हुए कहा कि हममें और चारित्र में कोई भेद नहीं होना चाहिए।

दूध और पानी की तरह हमें चारित्र और आत्मा में एक हो जाना है। हमें मन में यह ध्यान करना है कि हम दीक्षा लेकर परमात्मा के हाथों से रजोहरण प्राप्त करके प्रसन्नता पूर्वक नृत्य कर रहे हैं। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा दीपक एकासना का आयोजन भी किया गया। दादावाडी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी तपस्यार्थियों की सुख साता पूछी। एकासना हेतु दीपक प्रगटाने का लाभ एक वर्ष तक रात्रि भोजन का त्याग करके ललित डाकलिया, ब्यावर निवासी ने लिया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में ज्ञान वाटिका के बच्चों ने सुन्दर नृत्य नाटिकाएं और दीक्षा लेने के लिए प्रेरित करते हुए नाटकीय संवाद प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में मुनिवर मुकुलप्रभ सागर जी, साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपनी निश्रा प्रदान की। भाव दीक्षा कार्यक्रम के दौरान गुरुवर ने कहा कि इस संसार में आत्मा ने भटकते भटकते कितने ही रूप धारण किए, अनन्तों बार 84 लाख योनियों में चारों गतियों में भटकते रहे, लेकिन भावपूर्ण दीक्षा का हमारे अंतर में दीप नहीं जल पाया। द्रव्य दीक्षा तो बहुत ली है लेकिन भाव दीक्षा अभी तक नहीं ली। परमात्मा की वाणी मिली उनके वेश को अनेकों बार धारण किया, लेकिन संसार में आसक्ति बनी रही। मेरु पर्वत जितने हमने रजोहरण प्राप्त कर लिए लेकिन अभी तक हमारे अंतर में भाव दीक्षा का दीप नहीं जला। हम अभी तक सुख की तलाश में पदार्थों में भटकते रहे लेकिन घड़ी भर भी पूर्णता की अनुभूति नहीं हुई। जितना संसार का सुख मिल रहा है उतना ही सुख में आसक्ति बढ़ रही है। परमात्मा ने हमें ज्ञान और समझ पूरी दी है लेकिन अभी तक सच्चा ज्ञान प्राप्त नहीं हो रहा है। हमें बाहर से लगता है कि संयम में बहुत कष्ट है लेकिन इन कष्टों में भी साधु सारे मस्त हैं। इन सुखों की अनुभूति शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते। इन सुखों में भी अनंत आत्माएं लीन है। हो सकता है साधु जीवन में थोड़े कष्ट हों, लेकिन यह थोड़े कष्ट तो संसार में भी है। महाभारत में भी कहा गया है कि अगर संसार को वश में करना है तो पहले खुद को वश में करो, अगर खुद को वश में करना है तो पहले अपनी इंद्रियों को वश में करो। महावीर ने भी कहा है कि संसार को जानना है तो पहले खुद को जानो, एक स्वयं को जान लिया तो संसार को जान जाएंगे। अब हमें कर्ता नहीं बनना है लेकिन अब हमें ज्ञाता और दृष्टा बनना है। कार्यक्रम का संचालन अरविन्द कोठारी ने किया।

माता-पिता की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि माता पिता संसार की सबसे सुंदर रचना हैं। जीवन में सफलता की पहली सीढ़ी हमारे माता-पिता ही होते हैं। वे वो दिव्य शक्तियां हैं जो हमारे जीवन को दिशा और गति प्रदान करते हैं। माता-पिता का प्यार अनमोल होता है। जो सदैव निस्वार्थ भाव से हमारा पालन-पोषण करते हैं। वे हमारे सपनों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। प्रत्येक माता-पिता की तमन्ना होती है कि मेरी संतान योग्य बने, चरित्रवान, विवेकवान बने आज्ञाकारी हो। माता-पिता हमारे जीवन में शिक्षक, गुरु होते हैं। वे हमें अनुशासन और संस्कार सिखाते हैं। वे हमें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और हर कदम पर हमारा समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा जैसे माता-पिता हमारे लिए सदैव तत्पर रहते हैं, वैसे ही हमें भी उनके प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पालन करना चाहिए। हमें सदैव अपने

माता-पिता का सम्मान करना चाहिए, उनकी सेवा करनी चाहिए। उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए। उनके द्वारा दिए गए संस्कारों और मूल्यों को जीवन में उतारना चाहिए। माता पिता को भगवान के समान बताया गया है क्योंकि इनके कारण ही हमें इस दुनिया में आने का सौभाग्य प्राप्त होता है। हमें सदा अपने माता पिता का आदर करना चाहिए और उनकी सच्चे मन से सेवा करनी चाहिए। माता पिता को भाव वंदन करने मात्र से नव गृह ठीक हो जाते है। माता पिता को प्रतिदिन प्रणाम करना चाहिए। माता-पिता संसार में प्रत्यक्ष देवता हैं। माता-पिता की सेवा करने से बड़ा कोई पुण्य का कार्य नहीं है। माता-पिता की सेवा और उनकी आज्ञा पालन व सम्मान से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। रुपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। नवकार महामंत्र जाप एवं आयंबिल की लड़ी गतिमान है। नौ दिवसीय एकासन आराधना संपन्न हुई। ममता बागरेचा में अपने विचार रखे। तेरापंत संघ के सेवाभावी महावीर धोका का अभिनंदन संघ की ओर से किया गया। राजाजीनगर संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने धर्मसभा में उपस्थित सभी का आभार ज्ञापित किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

आरआरके टीम ने जीती प्रतियोगिता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। देव-ासी (राईका) समाज बेंगलूरु की ओर से स्व. शैतान राम देवासी की पुण्य स्मृति में एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन देवनहल्ली हॉस्पिटल रोड स्थित खेल मैदान में किया गया। समाज की कुल 12 टीमों ने भाग लिया। जिसमें आरआरके टीम विजेता रही। वही आरसीआर टीम उपविजेता रही। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच देवाराम देवासी गागुड़ा उपस्थित थे। उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। विजेता टीम को कप प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के आयोजकों ने 61 हजार रुपए गौशाला को भेंट की। वही उप विजेता टीम के कप्तान ने 11 हजार रुपए गौशाला में भेंट की। इस मौके पर आयोजक कलसा नाडसर, अर्जुन देवासी, सज्जन देवासी, भेराराम देवासी, सहदेव देवासी और पारस देवासी समेत बड़ी संख्या में देवासी (राईका) समाज के पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रेक्षाध्यान कार्यशाला में कैंसर के प्रति किया गया जागरुक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल टी.दासरहल्ली द्वारा स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज के अन्तर्गत कैंसर जागरूकता अभियान के 5वें चरण के अन्तर्गत आध्यात्मिक स्वास्थ्य के तहत प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन कालमा गवर्नमेंट स्कूल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। तत्पश्चात् मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। प्रेक्षा फाउंडेशन से प्रेक्षा ध्यान प्रशिक्षक छतर सिंह मालू ने मंगलभावना करवायी। नीता सेठिया द्वारा त्रिपदी वंदना, योगासन के प्रयोग, प्राणायाम करवाया गया।

समृद्ध राष्ट्र योजना की राष्ट्रीय प्रभारी, राष्ट्रीय पूर्व महामंत्री एवं प्रेक्षा प्रशिक्षक वीणा बैद ने उपस्थित बच्चों व बहनों को प्रेक्षाध्यान के बारे मे जानकारी दी तथा प्रेक्षाध्यान के प्रयोगों के निरन्तर अभ्यास से किस तरह हम कैंसर से बच सकते है के बारे में बताया। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा हमें भी उन सूत्रों के माध्यम से हमारी वर्तमान जीवन की समस्याओं का समाधान प्रेक्षा ध्यान से मिल सकता है, जहां कैंसर जैसी महामारी भी हमे छू नहीं सकती।

उन्होंने बच्चों को स्पेशल टिप्स भी दिये। शाला की हनुमंतप्पा ने बच्चों को प्रेरणा देते हुए कहा कि इसका रोज अभ्यास करना चाहिए व प्रेक्षा फाउंडेशन और मंडल के इस कार्य की सराहना की। 10 मिनट का जिज्ञासा समाधान का सत्र भी इस कार्यक्रम में रखा गया। जिसमें सभी समाधान पाकर आनंद पुलकित हुए। इस कार्यक्रम में परामर्शक संरक्षिका रोशन बाई बोहरा, पुष्पा बाई बोहरा के साथ पदाधिकारिगण, सदस्यगण की उपस्थिति रही।

मंत्री नम्रता पितलिया, संगठन मंत्री सरोज मारू का कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम महिला मंडल से 15 बहनों, 15 शिक्षिकाओं के साथ स्कूल के 500 बच्चों को योगा एवं ध्यान का प्रयोग करवाया गया। कुल 550 बहनों व विद्यार्थियों ने इसका लाभ व आनंद लिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन संयोजिका पूर्णिमा कठोतिया व आभार ज्ञापन शाला की शिक्षिका रेशमा ने व्यक्त किया।

श्री अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ की नई कार्यकारिणी गठित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ के अंतरराष्ट्रीय चेयरमैन सुनील सिंघी के नेतृत्व में बेंगलूरु शाखा की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह इआईएमआर बिजनेस स्कूल बसवनगुड़ी में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष के रूप में मनोज बाफना, उपाध्यक्ष पदम् मुथा, महावीर हुंडिया, चंद्रकांत तातेड़, मंत्री गौतम चोपड़ा, सहमंत्री नरेंद्र सदाणी, महेंद्र श्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष दिलीप वेदमूथा, सहकोषाध्यक्ष महावीर छाजेड़ और सुरेश लखानी, संगठन मंत्री गौतम पोरवाल और महेंद्र सोलंकी को नियुक्त किया गया। प्रचार- प्रसार मंत्री के रूप में कुलदीप पोरवाल और आशीष बाफना को नियुक्त किया गया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों में अशोक भंडारी, इंद्रचंद नाहर और पृथ्वीराज मेहता शामिल हैं।

कार्यकारिणी में चम्पालाल दांतेवाडीया, लेखराज दोशी, सुरेश फोलामुथा, मुकेश पालरेचा, प्रमोद श्रीश्रीमाल, दिलखुश बाफना, राजेश पालगोता, प्रवीण वेदमूथा, विजयराज गांधी, मदन खींवसरा, विकाश पटवारी, अशोक छाजेड़, महावीर मुंडोत, प्रवीण नागोरी, अरविंद चोपड़ा, कमलेश राठौड़, दिनेश पालगोता चौहान, मनोज अंबा चौहान, मुकेश मालाणी, प्रवीण लुंकड़, गौरव संचेती, दीपक छाजेड़, फूटरमल दांतेवाडिया और प्रदीप सोहन शामिल हैं। सलाहकार में अशोक गजानंद, मिठालाल पा-वेचा, भेरुलाल दांतेवाडीया, प्रवीण पोरवाल, प्रकाश भंडारी और कैलाश संखलेचा शामिल हैं।

रक्तदान शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशनुसार तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के अंतर्गत सत्र के पहले रक्तदान शिविर का आयोजन सीरवी समाज के वडेर आईमाता मन्दिर परिसर नंदिनी लेआउट में किया गया। रक्तदान शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से की गई। शिविर में रक्तदान हेतु पधारे स्थानीय लोगों ने कहा कि मानव सेवा के क्षेत्र में रक्तदान शिविरों का आयोजन करना बहुत ही उपयोगी है और इस क्रम की खूब-खूब सराहना करते हुए तेयुप परिवार की सराहना की। सीरवी समाज ने तेयुप पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए आगे भी ऐसे कैंप लगाने की बात कही। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने सीरवी समाज के पदाधिकारियों का सम्मान किया। शिविर प्रायोजक का परिषद परिवार ने धन्यवाद व्यक्त किया। ब्लड बैंक के सहयोग से कुल 56 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। ब्लड बैंक ने परिषद परिवार को सम्मानित करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया। शिविर को सुव्यवस्थित आयोजित करने में एमबीडीडी प्रभारी सुनील मेहता, जयंतीलाल गाँधी, विनोद कोठारी, रवि चौधरी, सचिन हिंगड़, प्रमोद मेहता, आशीष मांडोत एवं संयोजक योगेश मेहता, जितु मेहता का अथक श्रम नियोजित हुआ।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित हिट युवा फिट युवा कार्यक्रम का आयोजन तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ साध्वी उदितयशाजी के मंगलपाठ से हुआ। रजत बैद ने बहुत ही तन्मयता से कायोत्सर्ग करवाया और उनके क्या क्या लाभ के बारे में बताया। आलोक कुंडलियाँ ने सूर्य नमस्कार करवाया। उपाध्यक्ष मनीष भंसाली ने विभिन्न एक्सरसाइज करवायी। संयोजक प्रदीप चोपड़ा ने एबीटीवाइपी निर्देशित 4 एक्सरसाइज करवाई। अध्यक्ष विमल धारीवाल, उपाध्यक्ष प्रथम प्रसन्न धोका, उपाध्यक्ष द्वितीय मनीष भंसाली, मंत्री राकेश चोरड़िया, सहमंत्री प्रतीक जोगड़, संयोजक प्रदीप चोपड़ा, सह संयोजक प्रकाश सालेचा, विवेक मरोठी, सुधीर पोकरना, आलोक कुंडलियाँ, धीरज सेठिया, रमेश सालेचा, अनुराग डोसी और संदीप सुखानी आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया।*

दलित व्यक्ति पर हमला करने का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कनकपुरा कस्बे में दलित युवक पर कथित तौर पर हमला कर उसका हाथ काटने वाले दो बदमाशों को रविवार को कर्नाटक पुलिस ने गिरफ्तार करने से पहले पैर में गोली मार दी। आरोपियों की पहचान हर्ष उर्फ कैमा और करुणेश उर्फ कन्ना के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, प्रमुख जाति वोक्कालिगा समुदाय के सात हथियारबंद लोगों के एक गिरोह ने कनकपुरा तालुक के मालागालू गांव के निवासी दलित युवक अनीश कुमार के परिवार पर हमला किया और उसका बायां हाथ काटकर गायब हो गए। घटना 21 जुलाई को दर्ज की गई। दलित संगठनों ने इस कृत्य की निंदा की और सरकार से कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस के अनुसार, समूह ने अनीश कुमार पर उस समय हमला किया जब वह अपने चाचा के साथ मुख्य सड़क पर चल रहा था।

पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर समस्याओं से कराया अवगत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने पुलिस विभाग के अधिकारियों से मासिक जन सम्पर्क सभा में मुलाकात की और उन्हें एसपी रोड की समस्याओं से अवगत कराया। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता ललित डाकलिया ने बताया कि एस पी रोड में पुलिस चौकी स्थापित करने, जिसकी मांग काफी लम्बे समय से चल रही है, एस पी रोड में पार्किंग की समस्या सुलझाने

और बेहतर कानून व्यवस्था स्थापित करने समेत अन्य मांग की गई। डाकलिया ने आगे बताया कि अधिकारियों ने शीघ्र ही समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। विभागीय अधिकारियों से मुलाकात में अध्यक्ष रमेश धोका, उपाध्यक्ष विशाल वरन्दानी, उदेश पुरोहित, महामंत्री अरुण लुणावत के साथ दिनेश चारण, अमृत कुमार, रविन्द्र कुमार, कांतिलाल पुरोहित, विनोद कुमार, रिषी राज सिंह, जोधसिंह, प्रभु कुमार, राजाराम, दिलीप माली, नरेंद्र कुमार आदि सदस्य उपस्थित थे।

भगवान जल्द ही मुझे सीएम बनने का देंगे मौका : कुमारस्वामी

राज्य सरकार का व्यवहार ठीक नहीं

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि भगवान उन्हें जल्द ही राज्य का मुख्यमंत्री बनने का अवसर देंगे। यहां नंजनगोडु मंदिर में दर्शन और विशेष पूजा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने यह बात कही। केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने कहा है कि कुमारस्वामी के पास मुख्यमंत्री के रूप में रामनगर का नाम बदलने का कोई मौका नहीं होगा। कुमारस्वामी ने कहा वे जितने अधिक शब्दों का प्रयोग करते हैं, उतनी ही जल्दी वे प्रभाव में आते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य का मुख्यमंत्री बनने का अवसर जल्द ही आएगा, उन्हें लोगों और भगवान के आशीर्वाद की जरूरत है। डी.के.शिवकुमार और अन्य लोगों का आशीर्वाद नहीं चाहिए। बाद में मैसूरु प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने राज्य सरकार के व्यवहार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया और इस आरोप को खारिज कर दिया कि केंद्र सरकार ने बजट में राज्य के विकास के लिए विशेष धन नहीं दिया है। रोजगार के अवसरों और कौशल विकास शिक्षा के लिए धन दिया गया है। यह किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है। कर्नाटक को भी फायदा होगा। कौशल विकास के लिए 2015 में 1.50 लाख करोड़ दिये गये। चालू वर्ष में 7.50 लाख करोड़ रुपये दिये गये हैं। पिछले 8 वर्षों में यह अपेक्षा के अनुरूप सफल हो पाया है। करीब 11,000 निजी कंपनियों ने इसका लाभ उठाया है। उन कंपनियों के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। मौजूदा बजट में रोजगार सृजन के लिए 2 लाख करोड़ रुपये दिये गये हैं।

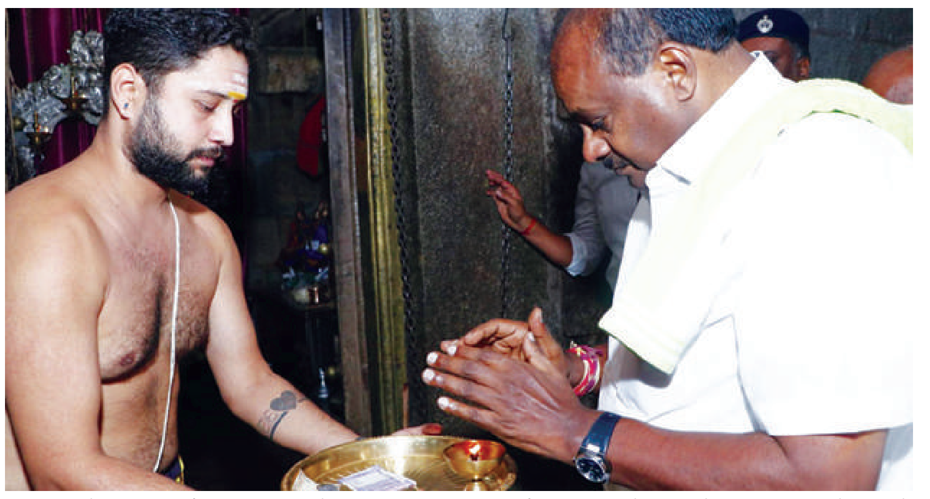

उन्होंने कहा कि कृषि और उसकी गतिविधियों के लिए केंद्र सरकार ने उच्च शिक्षा सहित विभिन्न परियोजनाओं को प्राथमिकता दी है, जिससे कर्नाटक सहित सभी राज्यों को लाभ होगा। केंद्र को राज्य के लिए जो काम करना चाहिए उस पर कर्नाटक सरकार ठीक से सहयोग नहीं कर रही है। दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दिल्ली आकर अपने-अपने विभाग के अधिकारियों और मंत्रियों के साथ बैठकें कीं, चर्चा की और दबाव डाला। लेकिन कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक भवन में सांसदों की एक बैठक बुलाई और उनसे उन परियोजनाओं की एक पुस्तिका देने का अनुरोध किया जो कई वर्षों से बंद पड़ी हैं और इसे संसद में प्रस्तावित किया गया है। संसद में इसका प्रस्ताव रखने से कोई फायदा नहीं होगा। मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री के रूप में मेरा भी कुछ अनुभव है। राज्य सरकार का व्यवहार ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की आलोचना करने से कुछ नहीं होगा। कांग्रेस कह रही है कि भद्रा अपर बैंक के लिए 5,300 करोड़ और बेंगलूरु के बाहरी इलाके में पेरिफेरल रिंग रोड के लिए 3,000 करोड़ बकाया है। मैंने स्वयं 2008 में पेरिफेरल रिंग रोड का प्रस्ताव रखा था। 3 हजार करोड़ कुल लागत थी। अब यह कई गुना बढ़ गया है।

कुमारस्वामी ने सवाल उठाया कि राज्य सरकार ने अब तक इसे प्राथमिकता क्यों नहीं माना। सीएजी रिपोर्ट में इस बात का जिक्र है कि राज्य सरकार ने झील जीर्णोद्धार के लिए पूर्व में दी गयी राशि का दुरुपयोग किया है। योजना का सही उपयोग नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि आल-ोचना करने से काम नहीं चलेगा। इस वर्ष के बजट में कर वितरण के रूप में 45,485 करोड़ रुपये और अनुदान के रूप में 15,000 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे, जिसमें 60,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य को केंद्र से सहायता मिल रही है। इसके अलावा सार्टसिटी को 6,400 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। 904 परियोजनाओं के लिए 14,480 करोड़ रुपये मिले हैं। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार किसी परियोजना का विस्तृत खाका लेकर आती है तो मैं उनका समर्थन करूंगा। लेकिन उससे पहले उन्हें सड़क पर आलोचना करना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कुमारस्वामी राज्य में आते हैं तो उन्हें अपना रवैया बदलना चाहिए कि उन्हें मंत्रियों से नहीं मिलना चाहिए और अधिकारियों के साथ बैठक नहीं करनी चाहिए। केंद्र सरकार के प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के खिलाफ समाज कल्याण विभाग के कल्लेश ने शिकायत दर्ज करायी है। इसी व्यक्ति को सरकार ने एक माह पहले ही निलंबित कर दिया था।

कुमारस्वामी का एक सूत्रीय एजेंडा हमारा विनाश

इससे पहले केंद्रीय इस्पात और उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी द्वारा रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण जिला करने का विरोध करने और यह चेतावनी देने के लिए कि उनकी सरकार के सत्ता में आने पर यह निर्णय उलट दिया जाएगा, पर तीखा हमला करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को कहा था कि जेडी(एस) नेता का एक सूत्रीय एजेंडा हमारा विनाश है। मेरे शब्दों को याद रखें, वह (कुमारस्वामी) सफल नहीं होंगे। ऐसा करना उनके भाग्य में नहीं है। कांग्रेस पार्टी 2028 में फिर से सत्ता में लौटेगी। वह कांग्रेस सरकार के फैसले को पलटने के लिए सरकार नहीं बना पाएंगे। शिवकुमार, जो बेंगलूरु विकास मंत्री भी हैं, ने कुमारस्वामी की चेतावनी का उल्लेख किया कि जो लोग रामनगर का नाम बदलना चाहते हैं, उन्हें नष्ट कर दिया जाएगा, और कहा कि वह हर दिन हमें नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम उनकी सभी चाल, कदम, सोच और काम करने की शैली जानते हैं। हम रामनगर का नाम नहीं बदल रहे हैं, बल्कि केवल जिले का नाम बदल रहे हैं। यह हमारा जिला है। वह अवैध रूप से यहां आए और उन्होंने जिले की पहचान बदल दी, क्योंकि वह इसे राजनीतिक रूप से कर सकते हैं। लेकिन रामनगर, चन्नपटना, कनकपुरा और मगदी तालुकों के लोग हमारे लोग हैं। हम सभी बेंगलूरुवासी हैं।

शिवकुमार ने मंत्रियों से आसपास के प्रभावित इलाकों का दौरा करने का किया अनुरोध

पीड़ितों की हर संभव करें मदद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने अपने कैबिनेट सहयोगियों से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने, लोगों की कठिनाइयों को सुनने और आवश्यक सहायता प्रदान करने की अपील की है। इस साल राज्य में भारी बारिश हो रही है और राज्य की नदियां बाढ़ से उफान पर हैं। अधिकांश जलाशय भरे हुए हैं और पानी का बहिर्वाह बढ़ गया है जिससे खतरनाक स्थिति पैदा हो गई है। नदी के कारण लोगों, मवेशियों, संपत्ति और फसलों को नुकसान होने की खबरें हैं।

ऐसे कठिन समय में लोगों के साथ खड़ा रहना हमारी सरकार का कर्तव्य है। इसलिए, अनुरोध है कि मंत्री अपने निर्वाचन क्षेत्रों और अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के विधायकों से मिलें, पीड़ितों की रिपोर्ट प्राप्त करें और उनसे उनकी सहायता के लिए तत्पर होने का अनुरोध करें। वरुण की कृपा से अच्छी वर्षा हो रही है। जो घटनाएं घटी हैं उससे लोग चिंतित हैं और हमने जनता के प्रतिनिधि के तौर पर कहा है कि हमें उनके साथ खड़ा होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि राज्य का आधा हिस्सा सचमुच पिछले दस दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से प्रभावित है। बेलगावी, बागलकोट, विजयपुर, रायचूर, यादगिरी, बेल्लारी, कोप्पल, मांड्या, मैसूरु, हासन जिलों में जलाशयों के माध्यम से नदियों में भारी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे नदी किनारे के क्षेत्रों में बाढ़ आ गई है। कई शहरों और गांवों में बाढ़ आ गई है और लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

हासन जिले के सकलेशपुर तालुक में यदाकुमेरी के पास रेलवे ट्रैक पर एक पहाड़ी गिर गई और बेंगलूरु और मेंगलूरु के बीच सभी यात्री और मालगाड़ी सेवाएं शुक्रवार शाम से रद्द कर दी गईं। मिट्टी साफ करने और ट्रैक मरम्मत कार्य किए गए हैं। रेलवे विभाग ने ट्रेन में फंसे यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर उन्हें बस से भेजा है।

बेलगावी जिले में 7 नदियां उफान पर हैं और करीब 182 गांवों में बाढ़ आ गई है। हजारों हेक्टेयर भूमि में फसल की क्षति हुई है। कृष्णा, दूधगंगा, वेदगंगा, घाटप्रभा, मालाप्रभा, तुंगभद्रा नदियों में बाढ़ के कारण 50 से अधिक पुल टूट गए हैं। कावेरी बेसिन में भी बारिश जारी रही और केआरएस जलाशय से 1.30 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण मांड्या जिले के श्रीरंगपटना तालुक में निमिशाम्बा मंदिर पूरी तरह से जलमग्न हो गया। स्नानघट्टा मंदिर के सामने नवग्रह, अरालिकेट, शिव मंदिर जलमग्न हैं। श्रद्धालुओं को नदी में प्रवेश न करने की चेतावनी दी गई है। श्रीरंगपट्टनम का गोसाई घाट जलमग्न हो गया है, पिंडप्रधान, होम-हवन, पूजाकैनकार्य पर रोक लगा दी गई है। फिल्मांकन पर भी रोक लगा दी गई है। पहाड़ी देश चिकमगलूरु में भी भारी बारिश हो रही है और जिले के कदुर तालुक की ऐतिहासिक मदागड़ा झील में बाढ़ आ गई है।

पिछले दो सप्ताह से पश्चिमी घाट में हो रही भारी बारिश के कारण यह झील ओवरफ्लो हो गई है और आसपास के गांवों के किसानों और लोगों ने जश्न मनाया है। शिवमोग्गा में भी बारिश जारी है। लिंगानामक्की जलाशय, जो बिजली की आपूर्ति करता है, 1804 फीट तक पहुंच गया है। पिछले दो वर्षों में बारिश की कमी के कारण जलाशयों में अपेक्षित स्तर तक पानी नहीं भर पाया। इस बार इसकी फसल अच्छी है और यह 1800 फीट से भी ऊपर पहुंच गया है। जलाशय भर जाने पर पानी छोड़ने की तैयारी की जाती है।

सीएच विजयशंकर मेघालय के राज्यपाल नियुक्त किए गए

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु से दो बार सांसद रह चुके और पूर्व मंत्री सी.एच. विजयशंकर को मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा नियुक्त छह राज्यपालों में से एक हैं, जिन्होंने शनिवार को देर रात तीन अन्य राज्यपालों के पदों में भी फेरबदल किया।

विजयशंकर का राजनीतिक करियर तीन दशकों से अधिक लंबा है। वह अपने राजनीतिक जीवन के अधिकांश समय भाजपा के साथ रहे और 2017 से 2019 तक दो साल तक कांग्रेस के साथ रहे, उसके बाद वह भाजपा में वापस आ गए। वह 1998 में भाजपा के टिकट पर मैसूरु से सांसद चुने गए और फिर 2004 में उन्होंने तत्कालीन शाही परिवार के श्रीकांतदत्त नरसिम्ह-राजा वाडियार को हराया। 2014 में, उन्हें हासन से पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के खिलाफ मैदान में उतारा गया और वे चुनाव हार गए। 2019 के संसदीय चुनावों में, उन्हें मैसूरु से प्रताप सिम्हा के खिलाफ कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा गया। वह फिर हार गये, जिसके बाद वह भाजपा में वापस आ गये। राष्ट्रीय स्तर पर अपने कार्यकाल के अलावा विजयशंकर ने राज्य की राजनीति में भी काफी समय बिताया और 1994 में हुनसूर से विधायक चुने गए। वे 2010 से 2016 तक एमएलसी भी रहे। वे वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री भी रहे। 2023 के विधानसभा चुनावों में, उन्हें मैसूरु जिले के पेरियापटना निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा गया, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। राष्ट्रपति भवन की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उनकी नियुक्ति उस तारीख से प्रभावी होगी, जिस दिन वे कार्यभार संभालेंगे।

बैंक में पैसा ट्रांसफर मामला

इसकी जिम्मेदारी वित्त खाता रखने वाले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को उठानी चाहिए : निर्मला सीतारमण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अगर राष्ट्रीय यूनियन बैंक में पैसा ट्रांसफर किया जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी वित्त खाता रखने वाले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को उठानी चाहिए। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में पैसों का अवैध ट्रांसफर हुआ है।

सिद्धरामैया के इस बयान पर कि निर्मला सीतारमण को इसकी जिम्मेदारी उठानी चाहिए, पर निर्मला सीतारमण ने तंज कसा और चुटकी लेते हुए कहा कि अच्छा होता अगर वह अकेले ही स्मार्ट होते। अगर मैं कहती हूं कि मुझे जिम्मेदारी लेनी होगी तो सिद्धरामैया को भी ऐसा ही कहने दीजिए। मुझे उस पर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन अगर वह सोचते हैं कि वह चतुर है, तो मैं दस गुना अधिक चतुराई दिखाऊंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक मामले की सुनवाई चल रही है मैं इस बारे में बात नहीं करूंगी। यदि महर्षि वाल्मीकि निगम में कोई घोटाला नहीं हुआ तो उनके कैबिनेट मंत्री ने इस्तीफा क्यों दिया? एक अन्य विधायक ईडी मुकदमे का सामना क्यों कर रहे हैं? सिद्धरामैया को नहीं पता सच? मुझे आश्चर्य नहीं है कि सिद्धरामैया ने यह स्वीकार नहीं किया कि निगम में कोई अवैधता थी। क्योंकि वे इसे यह कहकर नजरअंदाज कर रहे हैं कि यह एससी/एसटी समुदाय का है। यह इन वर्गों के साथ अन्याय है। निर्मला सीतारमण ने सवाल किया कि पैसे की लूट के लिए कौन जिम्मेदार है। यदि राष्ट्रीयकृत बैंकों में अधिकारियों द्वारा कोई गलत काम किया गया है तो उनके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई जरूर की जाएगी। उनकी सुरक्षा का सवाल ही नहीं उठता। देश के कानून से बड़ा कोई नहीं होता। एससी/एसटी समुदाय का पैसा किसने लूटा? जिम्मेदार कौन?

यह पता होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों को दोषी ठहराकर मामले को रफा-दफा करने की सुनियोजित साजिश की गयी है। आपके विभाग ने पैसा चुरा लिया। सिद्धरामैया को पहले यह एहसास हो कि यह पैसा एससी/एसटी वर्ग का है और बोलें। एससी/एसटी श्रेणियों के फंड का उपयोग गारंटी योजनाओं के लिए किया गया है। अपनी सरकार की विफलताओं को छुपाने के लिए केंद्र सरकार पर उल्लू नहीं बैठाना चाहिए। क्या उनमें अपनी गलती स्वीकार करने का शिष्टाचार नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को शनिवार को आयोजित नीति आयोग की बैठक में शामिल होना था। यदि राज्य की समस्याओं पर प्रकाश डाला जाता तो कर्नाटक को लाभ होता। लेकिन उन्होंने नीति आयोग को एक मंच के रूप में उपयोग करने का अवसर गंवा दिया। यह सरासर झूठ है कि जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नीति आयोग की बैठक में पहुंचीं तो उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया था। हमें उनका माइक क्यों बंद कर देना चाहिए? वह बैठक में विवाद पैदा करने आई थी। बिना यह जाने कि अंदर क्या कहना है, वह बाहर आई और कुछ झूठे आरोप लगाए। सीतारमण ने कहा कि उनके बयान और लगाए गए आरोपों का एक-दूसरे से कोई लेना-देना नहीं है।

सरकार के कार्यालय की टपकती छत ने चिंता बढ़ाई

काम करते समय कर्मचारी छाते का कर रहे इस्तेमाल

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। हावेरी में तहसीलदार कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों को अब बारिश के मौसम में टपकती छत से बचने के लिए इमारत के अंदर भी छाता लेकर जाना पड़ता है। छत से पानी टपकने के कारण कर्मचारियों के पास छतरी लेकर काम करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह इमारत पिछले कुछ सालों से जर्जर अवस्था में है, लेकिन इमारत की मरम्मत या इसे स्थानांतरित करने के लिए कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई है। कर्मचारियों ने संबंधित अधिकारियों से कार्यालय को उस इमारत में स्थानांतरित करने का आग्रह किया है, जिसमें कभी पुलिस अधीक्षक (एसपी) का कार्यालय हुआ करता था। एक कर्मचारी ने कहा कि बारिश के मौसम की शुरुआत से ही छत से पानी टपक रहा है। एक कर्मचारी ने कहा हमने जगह-जगह बाल्टियाँ रखी हैं। हम रिकॉर्ड रूम में दरारों को लेकर बहुत चिंतित हैं, क्योंकि इससे फाइलें खराब हो सकती हैं। कर्मचारी ने कहा कि उन्होंने विधायक रुद्रप्पा लमानी को इस समस्या के बारे में बताया था। उन्होंने हमें मरम्मत के लिए 8 लाख रुपये देने का आश्वासन दिया था। लेकिन धनराशि जारी नहीं की गई है। हाल ही में इमारत का निरीक्षण करने वाले हावेरी के डिप्टी कमिश्नर विजया महांतेश दानमनावर ने कर्मचारियों को इमारत पर धातु की छत लगाने का आश्वासन दिया। मौजूदा स्थिति के कारण, पानी के रिसाव के कारण कंप्यूटर सिस्टम, आधिकारिक दस्तावेज गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने की आशंका है। सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल हुबली ने बताया कि इमारत की छत पिछले पांच सालों से टपक रही है, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा तह-सीलदार कार्यालय की इमारत 2008 से यहां काम कर रही है, लेकिन इसकी हालत खराब है। हालांकि हमने पहले ही सरकार को सूचित कर दिया है, लेकिन स्थिति को ठीक करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि खराब निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। तहसीलदारों सहित कई अन्य लोगों ने समस्या के समाधान की मांग की है। हावेरी शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एसएफएन गजीगौड़ा ने तहसीलदार कार्यालय को शहर में स्थित पुराने न्यायालय भवन में स्थानांतरित करने पर जोर दिया। कार्यालय को पुराने न्यायालय भवन में स्थानांतरित किया जाना चाहिए या नहीं, इस पर हावेरी के डिप्टी कमिश्नर विजय महंतेश दानमन्नावर ने कहा कि व्यवहार्य अध्ययन के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा हमें हावेरी तहसीलदार कार्यालय को पुराने न्यायालय भवन में स्थानांतरित करने की मांग मिली है। हम व्यवहार्यता अध्ययन के बाद निर्णय लेंगे। इस बीच, तह-सीलदार जी शंकर ने बताया कि भवन की छत को ठीक करने का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि पानी के रिसाव की समस्या को ठीक करने के लिए छत पर धातु की चादरें लगाई जा रही हैं।

उफनती नदियों ने बेलगावी जिले में बाढ़ की स्थिति और खराब कर दी

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। कृष्णा नदी और उसकी सहायक नदियों में लगातार भारी पानी आने से बेलगावी जिले में बाढ़ की स्थिति और खराब हो गई है। जिले में 41 पुल और 300 से अधिक घर पानी में डूबे हुए हैं। पड़ोसी महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट में बारिश कम हुई, लेकिन कई बांधों से नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। हालांकि, बेलगावी जिले के खानपुर में शनिवार को भारी बारिश हुई। शहर में इस्कॉन सेंटर में मलप्रभा नदी का पानी घुस गया। सेंटर में रखी मूर्तियों और अन्य वस्तुओं को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है। गांवों को जोड़ने वाली कई सड़कें पानी में डूबी हुई हैं। हुक्केरी तालुक में हेब्बल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई, क्योंकि सड़क पानी में डूबी हुई थी। घाटप्रभा नदी में भारी बाढ़ के कारण गोकक कस्बे में 300 से अधिक इमारतें डूब गई हैं। हिडकल बांध से नदी को 44,000 क्यूसेक पानी मिल रहा है। प्रभावित निवासियों को राहत केंद्रों में ले जाया गया है। हिरण्यकेशी नदी संकेश्वर कस्बे में

घुस गई है, जिससे कई घर डूब गए हैं। वेदगंगा और दूधगंगा नदियों में बाढ़ के कारण निप्पनी में 220 से अधिक परिवारों को स्थानांतरित किया गया है। बागलकोट के पास उफनती कृष्णा नदी में 54 वर्षीय एक किसान के बह जाने का संदेह है। बचाव कर्मियों ने नावों का उपयोग करके खोज शुरू कर दी है। शिवमोग्गा और चिकमगलूरु जिलों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद तुंगभरा नदी में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। शनिवार को कोडागु में बारिश कम हुई और जिले के कुछ हिस्सों में निवासियों को एक सप्ताह से अधिक समय के बाद धूप देखने को मिली। शुक्रवार रात को भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ। तेज हवाओं के कारण 138 बिजली के खंभे गिर गए, जिससे मदिकेरी शहर की बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। हासन जिले में भी बारिश रुकी। हेमावती नदी में पानी का बहाव 50,000 क्यूसेक रहा। सकलेशपुर में होलमलेश्वर मंदिर जलमग्न हो गया है और मंदिर में भक्तों का प्रवेश रोक दिया गया है। शिरडी घाट में भूस्खलन के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग-75 पर वाहन फंसे हुए हैं। यादकुमारी और कडागरवल्ली के बीच भूस्खलन के कारण मेंगलूरु और बेंगलूरु के बीच कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं।

गैस सिलेंडर विस्फोट से लगी आग महिला घायल

अपार्टमेंट क्षतिग्रस्त

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। करकला के पुलकेरी में एक आवासीय परिसर के बाहर रखे गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गई और विस्फोट हो गया, जिससे एक महिला घायल हो गई और परिसर में स्थित अन्य अपार्टमेंट को भी काफी नुकसान पहुंचा।

शनिवार रात करीब 10:30 बजे आवास के बाहर रखे गैस सिलेंडर में आग लग गई। गैस सिलेंडर में विस्फोट से आग चौथी मंजिल पर स्थित अपार्टमेंट तक फैल गई, जिससे निवासियों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया। आग ने अपार्टमेंट में रखे घरेलू सामान को अपनी चपेट में ले लिया और पूरा परिसर धुएं से भर गया। इस घटना से परिसर में स्थित अपार्टमेंट की खिड़कियों के शीशे टूट गए और दरवाजे टूट गए। इमारत को आंशिक नुकसान पहुंचा। अग्निशमन अभियान का नेतृत्व फायर स्टेशन अधिकारी अल्बर्ट मोनिस ने किया। साथ ही टीम के सदस्य अच्युत करकेरा, सुरेश कुमार, जयमूल्या, नित्यानंद और रविचंद्र भी मौजूद थे।

तप से कर्मों को हल्का करने में मिलती है मदद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री उपाध्याय प्रवर केवल मुनि जैनोदय ट्रस्ट के दिवाकर दरबार में पूज्य श्री रमेश मुनि के शिष्य आत्म मौन साधक वसंत मुनि जी का चातुर्मास, ज्ञान आराधना और तप त्याग गतिमान है। श्री उत्त-राध्यन सूत्र के सम्यक पराक्रम पर प्रवचन देते हुए उन्होंने कहा कि आत्मा गृहा करने से साधक, कर्मों को हल्का करते हुए सिद्ध गति प्राप्त करता है। आत्म गृहा तीन प्रकार की बताई है, मानसिक, वाचिक और कायिक। जैनाचार्य श्री प्रसन्नचंद राजर्षि ने आत्म गृहा कर केवल ज्ञान प्राप्त किया था। केवल मुनि जैनोदय ट्रस्ट के महामंत्री प्रेमचंद कोठारी ने बताया कि वसंत मुनि जी के प्रवचन के पश्चात उपस्थित लोगों के लिए प्रश्नोत्तर चलता है। नवकार मंत्र का जाप, दोपहर 3 से 4 बजे तक बहनों के लिए, सांयकाल 9 से 10 तक भाईयों के लिए चल रहा है। आस्टीन टाउन जैन श्री संघ के पदाधिकारी मोतीलाल रांका के अलावा श्री साधु मार्गी जैन संघ के पूर्व अध्यक्ष मोहन लाल चोपड़ा, श्री शांत क्रांति जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष महेन्द्र चोपड़ा, जैन कांफ्रेंस के राजेंद्र मरलेचा, शूले श्री संघ के कोषाध्यक्ष इंदरचंद भंसाली, जैन योग ध्यान साधना केंद्र के निर्देशक डा बी रमेश गादिया आदि मौजूद थे।

श्रावक भी साधना करके बन सकता है महान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सीमंधर-शांतिसूरि जैन संघ, वीवी पुरम के तत्वावधान में आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने श्री संभवनाथ भवन में रविवार को प्रवचन देते हुए कहा कि अल्पज्ञानी, सामान्य साधक भी धर्म को पाकर इस संसार से मुक्त होकर भवसागर से पार उतर सकता है, मोक्ष प्राप्त कर सकता है। श्रावक भी साधना करके महान बन सकता है। शास्त्रों में उपलब्ध सैकड़ों कथानक इसके प्रमाण है और ऐसी कई बातें हमें इतिहास से भी पता चलती है। जैन धर्म के शास्त्र बहुत ही तटस्थ एवं प्रामाणिक है। कर्मवश या प्रमादवश कोई भूल यदि महापुरुष की हुई हो तो उसका उल्लेख शास्त्रों में आता है, ताकि वह त्रुटि भविष्य में अन्य किसी व्यक्ति के द्वारा न हो। राजा कुमारपाल के माता-पिता थे काश्मीरादेवी एवं त्रिभुवनपाल राजा। पुत्र जब गर्भ में आता है तब माता को दोहले उत्पन्न होते है। काश्मीरादेवी को भी मनोरथ हुए कि मैं जीवदया का पालन करूं, कुछ दान दूं। इसके पश्चात गर्भ में आई हुई आत्मा धर्मवान् होती है, तो माता को अच्छे-2 मनोरथ होते है जैसे बड़ों का सत्कार एवं आदर करूं, प्रभु भक्ति करूं, दया, दान, परोपकार करूं परमात्मा की उपासना करूं और यदि गर्भ में आया हुआ बालक दुष्ट हो तो माता को बुरे विचार भी आते हैं। आचार्य ने कुमारपाल के चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि जब कुमारपाल का जन्म हुआ, तब आकाश में देव वाणी हुई कि यह बालक सत्वशाली, सत्वशिरोमणी, जीवों का बेली, जी अबोल प्राणियों का आधार बनेगा। गुण, दोष अथवा गुण और अवगुण हम पूर्वभव से साथ में लेकर आ सकते है। आठ चीजें ऐसी है जो हम परभव तक साथ ले जा सकते है। कर्म, तेजस शरीर, पुण्य, पाप, गुण, दोष, अच्छे एवं बुरे संस्कार। कोई भी भौतिक चीज हम दूसरे भव में साथ में नहीं ले जा सकते है। वे गुण इतने दृढ बन जाए कि संस्कार के रूप में परभव में भी साथ में आए। इसके लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।

तपस्या ही मोक्ष की पहली सीढ़ी : मुनि

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी, वज्ररत्न सागरजी के पावन प्रेरणा व सानिध्य में धर्मचक्र तप की शुरुआत के पूर्व उत्तर पारणा कराया गया। जिस का लाभ दिपचंद मोहनलाल भंसाली परिवार ने लिया। आगमरत्न सा-गरजी ने कहा परमात्मा के 19वें अतिशय के लिये धर्मचक्र तप की प्रेरणा दी गई है। यह तप 82 दिन का होता है, जिसमें एक उपवास और दूसरे दिन बियासना आता है और शुरुआत और अंत तेले से होता है। इसमें करीब 130 तपस्वी जुड़े है। वज्ररत्न सागरजी ने कहा साधना का महत्वपूर्ण

उपक्रम है तप। तपस्या कर्म निर्जरा के लिए की जाती है। कर्म का बंधन जो हो गया है उस बंधन को कमजोर करने और तोड़ने के लिए तप किया जाता है। आत्मा और शरीर दोनों की सफाई करनी है तो वह तप से हो सकती है। तपस्या करने से पहले अपनी बल को प्राणशक्ति को देखकर तप करें। आज तपस्या की पद्धति चिकित्सा पद्धति बन गई है। कई बीमारी तपस्या से ठीक हो जाती है। तपस्या से समता बल का परिचय होता है। संघ के पदाधिकारियों ने सभी तपस्वियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर संघ के ट्रस्टी दलिचंद कवाड़, जितेन्द्र शाह, निर्भयलाल हुंडिया, गौतमचंद कवाड़, जवाहरलाल बंदा, संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना समेत अन्य लोग मौजूद थे।

कर्नाटक सरकार काफी गलत जानकारी लोगों को दे रही

10 साल में कर्नाटक के विकास के लिए दो लाख करोड़ से ज्यादा दिए: निर्मला सीतारमण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमने कर्नाटक का हक कभी नहीं मारा। केंद्र सरकार को लेकर कर्नाटक सरकार काफी गलत जानकारी लोगों को दे रही है। हमने 10 साल में कर्नाटक के विकास के लिए दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा दिए हैं। जबकि यूपीए सरकार ने केवल 81 हजार करोड़ रुपये का बजट दिया था। निर्मला सीतारमण ने कहा कि कर्नाटक को केंद्र सरकार ने काफी बजट दिया है। लेकिन कर्नाटक सरकार लोगों को गलत जानकारी दे रही है। लोगों से कहा जाता है कि कर्नाटक का हक मारा जा रहा है, लेकिन केंद्र सरकार ऐसा नहीं करती। मैं जवाब देना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार जो कर रही है, उससे किसी का भला नहीं हो रहा है। न तो केंद्र सरकार का और न ही कर्नाटक के लोगों का। वित्त मंत्री ने कहा कि कर्नाटक को 2004 से 2014 के बीच जब दिल्ली में यूपीए सरकार थी तब दस वर्षों में केवल 81,791 करोड़ रुपये मिले। जबकि 2014 से 24 के बीच पीएम मोदी की सरकार में दस वर्षों के दौरान कर्नाटक को 2,95,818 रुपये मिले। वहीं यूपीए ने महज 60,779 करोड़ रुपये सहायता अनुदान दिया। वहीं पीएम मोदी सरकार ने दस वर्षों में 2,39,955 करोड़ रुपये अनुदान दिया। उन्होंने कहा कि बजट में मैनें इंप्लॉयमेंट शब्द का इस्तेमाल किया है। इसके हर अक्षर का मतलब है। ई का मतलब है इंप्लॉयमेंट, एम का मतलब है मध्यम वर्ग, इसी तरह हर अक्षर का कुछ न कुछ अर्थ है। इस बार के बजट में सब कुछ शामिल है। बजट में हमने युवाओं और एमएसएमई पर बहुत जोर दिया है। एमएसएमई को काफी सहूलियतें मिलेंगीं। हम उच्चशिक्षा के लिए दस लाख सब्सिडीयुक्त या ब्याज-सहायता वाले ऋण भी दे रहे हैं। इससे मध्यमवर्गीय परिवार और भारत में पढ़ने वाले युवाओं को सीधा लाभ होगा।

माँ बाप के चरणों की सेवा से बढ़कर कोई स्वर्ग नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हनुमन्त नगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में रविवारीय प्रवचन में पैरेंट्स डे पर साध्वी श्री धर्म प्रभाजी ने कहा कि किस्मत वाले हैं वे माता-पिता जिनकी उनके बच्चे सेवा करते हैं। उनका आदर सत्कार -सम्मान करते हैं। संसार में यह सत्य है कि जिनके बच्चे अपने भाता पिता की आज्ञा का पालन करते हैं वहीं माता पिता सबसे अमीर होते हैं। सभी सन्तानों से यही कहना है कि आज आप डाक्टर बनो, जज, वकील, इंजीनीयर बनो, पैसा, पद और प्रतिष्ठा प्राप्त करो मगर माँ-बाप की सेवा करते रहो, उनका आर्शीवाद लेते रहो। अपनी

संस्कृति और संस्कारों से जुडे रहो। साध्वी ने कहा कि संसार में सब कुछ वापस पलट कर आता है। तात्पर्य यह कि जो माता-पिता पर अन्याय, अत्याचार करता है उन्हें उत्पीड़न देता है तो वो दुर्गतियों का शिकार बनता है। उसे अपनी ही करनी को ब्याज सहित भुगतना पड़ता है। माँ बाप के चरणों की सेवा से बढ़कर कोई स्वर्ग नहीं है। माँ बाप तो दुनिया के सबसे प्रथम और सबसे बड़े, तीर्थ है। जिस सन्तान ने इन तीर्थो की सेवा की है उसे अन्य तीर्थ पर भटकने की आवश्यकता नहीं है। महापुरुषों ने माँ को धरती के समान गम्भीर व सहनशील बताया है, जबकि पिता को आकाश के समान अनन्त बताया है। माँ घर की अस्मिता है तो पिता घर का अस्तित्व है। इसलिए चाहे लाख प्रयत्न भी करना पड़े तो भी माता-पिता को हर हाल - में खुश और प्रसन्न रखना सन्तान का परम दायित्व है। धर्म सभा का संचालन संघ के मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया। संघ अध्यक्ष गौतम चन्द सिंघवी, पूर्वाध्यक्ष कल्याण सिंह बुरड, पदमराज मेहता, शांतिलाल भंडारी, धनराज मूया, उत्तमचंद बोहरा, राजेन्द्र अरखावत, सज्जनराज रुणवाल, धनपत धारीवाल, चेन्नई से धर्मेश मेहता, संजय सिंघवी आदि समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बेंगलूरु स्तरीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में बेंगलूरु स्तरीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन रविवार को गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में साध्वी उदितयशा जी के सानिध्य में हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी द्वारा सामूहिक नमस्कार महामंत्र से हुई। तत्पश्चात् विजय गीत का संगान परिषद साथियों द्वारा किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत द्वारा किया गया। परिषद् द्वारा संचालित प्रज्ञा संगीत सुधा ने मंगलाचरण किया। परिषद्

अध्यक्ष विमल धारीवाल ने पधारे हुए सभी मंचासीन व युवा शक्ति का स्वागत किया।

सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत किया और परिषद को शुभकामना संप्रेषित की। परिषद् प्रभारी अमित दक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बेंगलूरु परिषद् अभातेयुप निर्देशित सभी कार्यो को भव्य रूप से संपादित करती आ रही है। परिषद् के गौरवशाली इतिहास को आप सभी ने और गौरवमयी बनाया है। प्रतिज्ञा हमारे जीवन में क्यों, कब और कैसे इस पर अपने विचार रखे। परामर्शक मुख्य वक्ता विमल कटारिया ने छोटे छोटे संकल्पों के द्वारा अपने आप का विकास करने के बारे में बताया। मुख्य वक्ता सीपीएस राष्ट्रीय प्रशिक्षक अरविंद मांडोत ने प्रतिश्रुति की व्याख्या कर संकल्पों की साधना और उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। पवन मांडोत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विभिन्न कहानियों के माध्यम से संकल्प और प्रतिज्ञा का महत्व बताया और आगामी रविवार को आयोजित होने वाली दक्षिणांचल युवा सम्मेलन कार्यशाला को सफल बनाने के लिये सभी युवा साथियों को संकल्पित होने का आह्वान किया। साध्वी भव्ययशाजी ने गीतिका के माध्यम से अपनी भावना व्यक्त की और वीतरागता के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन मंत्री राकेश चोरड़िया ने किया और आभार कार्यशाला संयोजक आलोक कुंडलिया ने व्यक्त किया।

शहीदों ने देश को बचाया, अब आपको देश बनाना है: बिरला

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि हम सुरक्षित हैं क्योंकि हमारे सैनिक हमारी रक्षा कर रहे हैं। करगिल में हजारों सैनिक शहीद हो गए। उन्होंने इस देश को बचाया। अब आपको यह देश बनाना है। आप इस देश का भविष्य हैं। कल के डॉक्टर और इंजीनियर हैं। सैनिकों की तरह देश के लिए जीने और इसे आगे ले जाने का संकल्प लें।

श्री बिरला ने वीडियो संदेश के माध्यम से यह बात रविवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एरिना में करगिल विजय की रजत जयंती के तहत आयोजित एलन शौर्य वंदन कार्यक्रम में कही। इस समारोह में मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा की तैयारी करने वाले 15 हजार से अधिक स्टूडेंट्स शामिल हुए। उन्होंने कहा कि संस्कारों के बिना जीवन अधूरा है। शिक्षा के साथ संस्कार मिलते हैं तो जीवन में पूर्णता आती है। एलन में शिक्षा के साथ संस्कारों को प्राथमिकता दी जाती है। यही कारण है कि आज करगिल शहीदों को श्रद्धांजलि देने और उनके परिजनों का अभिनन्दन करने के लिए इतनी बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स शामिल हुए हैं। शहीदों और सैनिकों के जीवन से अनुशासन और देश के लिए जीने की सीख लेनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रहे रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि विद्यार्थियों को देश के युद्धों का इतिहास जानना चाहिए, सेना के शौर्य के बारे में पढ़ना चाहिए तथा उनके बलिदान से सबक लेना चाहिए। सेना से अनुशासन, संकल्प, हौसला और बलिदान होने की हिम्मत सीखें। सैनिकों का जीवन एक सीख होती है, कैसे वे अपने परिवारों से हजारों किलोमीटर दूर रहकर देश की सेवा में समर्पित होते हैं। कार्यक्रम में परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर ऑनरेरी कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट की ओर से शहीदों के परिजनों का यह सम्मान देश का सम्मान है, जिस तरह एक योद्धा देश के लिए लड़ता है ठीक उसी तरह एक विद्यार्थी को भी देश को आगे ले जाने के लिए संकल्पित रहना चाहिए। पढ़ाई में भी टारगेट लेकर उसकी प्राप्ति के लिए पूरे प्रयास होने चाहिए।

एलन निदेशक डॉ. नवीन माहेश्वरी ने कहा कि हम शिक्षा के साथ संस्कार देने में विश्वास रखते हैं। करगिल विजय के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शौर्य वंदन श्रृंखला की शुरुआत की। अब तक दिल्ली सहित राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, जम्मू, उत्त-राखंड, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, ओडिशा, आसाम, पश्चिम बंगाल में शौर्य वंदन कार्यक्रम हो चुके हैं, जहां 280 करगिल शहीदों के परिजनों का सम्मान किया जा चुका है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दिल्ली में आयोजित शौर्य वंदन में करगिल युद्ध में दिल्ली और आस-पास 32 शहीदों के परिजनों का सम्मान किया गया। इस दौरान शहीदों के परिजनों ने भी अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान कई बार ऐसे क्षण भी आए जब हर किसी के आंख में आंसू आ गए। कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों ने खड़े होकर शहीदों के सम्मान में तालियां बजाई और परिजनों को सेल्युट किया। कार्यक्रम में परमवीर चक्र विजेता योगेन्द्र यादव, एलन निदेशक डॉ. गोविन्द माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, डॉ. नवीन माहेश्वरी, डॉ. बृजेश माहेश्वरी एवं सीईओ नितिन कुकरेजा ने शहीदों के परिजनों का सम्मानित किया। जोनल हेड व वाइस प्रसीडेंट अमित मोहन अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में सोनीपत, रोहतक, नूह, भिवानी, मेरठ, नोएडा, आगरा, हाथरस, बुलंदशहर, मथुरा, गाजियाबाद शहीद अनुज नायर, अरविंदर सिंह, चमन सिंह, धर्मबीर सिंह, हसन मोहम्मद, हसन अली खान, जितेन्द्र सिंह, जितेन्द्र सिंह चौहान, मनोज तलवार, मोहन सिंह राजपूत, ओमप्रकाश, पदम सिंह, राज सिंह, राजेन्द्र सिंह गाजियाबाद, राजेन्द्र सिंह मेरठ, रामवीर सिंह, रविकरण सिंह, रिषिपाल सिंह, सतीश कुमार, सतपाल सिंह, सत्यवीर सिंह, श्यामबीर सिंह, सोरन सिंह, सुरेन्द्र सिंह, विजयंत थापर, यशवीर सिंह, योगेन्द्र सिंह यादव, जुबैर अहमद, सुरेन्दर, अहमद, बलवान सिंह और भीम सिंह के परिजनों का सम्मान किया गया।

दिल्ली के आईएएस कोचिंग एकेडमी के बेसमेंट में भरा 12 फुट पानी

दो छात्राओं समेत तीन छात्रों की दुखद मौत

छात्रों के हंगामे के बाद प्रबंधक समेत कई गिरफ्तार

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राव आईएएस एकेडमी के बेसमेंट में अचानक पानी भर जाने से सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की डूबकर मौत हो गई। एनडीआरएफ और गोताखोरों की टीम ने कई घंटों की मशक्कत के बाद दो छात्राओं और एक छात्र के शव बरामद किए। इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं।

मृतकों की पहचान 25 वर्षीय तानिया सोनी पुत्री विजय कुमार, 25 वर्षीय श्रेया यादव पुत्री राजेंद्र यादव और 28 वर्षीय नेवीन डाल्विन के रूप में हुई है। तानिया और श्रेया उत्तर प्रदेश की रहने वाली थीं, जबकि नेवीन केरल का रहने वाला था। नेवीन जेएनयू से पीएचडी भी कर रहा था। वह बीते लगभग आठ महीने से दिल्ली के पटेल नगर में रह रहा था। घटना के वक्त वह कोचिंग की लाइब्रेरी में पढ़ने गया था।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शनिवार (27 जुलाई 2024) की शाम को इलाके में तेज बारिश हुई थी। इसके कारण कोचिंग के बेसमेंट में पानी घुस गया। कहा जा रहा है कि पानी का बहाव इतना तेज था कि कई छात्र-छात्राओं को बचने का मौका नहीं मिला और वे बेसमेंट में ही फंसे रह गए। घटना के वक्त बेसमेंट में करीब 30 विद्यार्थी थे। घटना से बचे एक छात्र ने बताया कि पानी का बहाव इतना तेज था कि वे सीढ़ियां नहीं चढ़ पा रहे थे। 2-3 मिनट के अंदर पूरे बेसमेंट में लगभग 12 फुट पानी भर गया। छात्र का कहना है कि निकलने के लिए वहां रस्सियां फेंकी गईं, लेकिन पानी इतना गंदा था कि कुछ भी नहीं दिख रहा था। वहां से एक-एक करके लोग निकाले जा रहे थे, लेकिन 2 लड़कियां और एक लड़का निकल नहीं पाए।

इस हादसे को लेकर एक अन्य चश्मदीद ने बताया, राव आईएएस अकादमी के बेसमेंट में बायोमेट्रिक लगा हुआ है। बिना अंगूठा लाए, आप यहां से बाहर नहीं निकल सकते हैं। पानी की वजह से बायोमैट्रिक मशीन खराब हो गई थी और कोई भी बाहर नहीं निकल सका। इस हादसे के लिए प्रबंधन जिम्मेदार है। यहां के विधायक और सांसद एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहते हैं। पुलिस का कहना है कि भारी बारिश के कारण सड़क पर पहले से ही पानी भरा था। इसके कारण बेसमेंट में पानी भरने में समय नहीं लगा। कोचिंग के बेसमेंट में पानी भरने के बाद उसे निकालने के लिए मोटर पंप का इस्तेमाल किया गया था। बताया जा रहा है कि चार मोटर पंप के जरिए बेसमेंट से पानी निकाला गया। इसके बाद गोताखोर को उतारकर शवों को निकाला गया।

फायर चीफ ऑफिसर ने कहा कि शाम 7 बजे उनके पास कॉल आई थी। उन्हें बताया गया कि कोचिंग सेंटर में पानी भर गया है और इसमें कुछ बच्चे फंसे हैं। वहाँ 5 गाड़ियां भेजी गईं। बेसमेंट से पानी निकाला जा रहा था, लेकिन पानी वापस बेसमेंट में जा रहा था। पानी का लेवल थोड़ा कम हुआ तो एक बच्ची का शव निकाला गया। उन्होंने कहा कि बेसमेंट में घुसा पानी बारिश और नाले का था। राव आईएएस एकेडमी के बगल में अन्य कोचिंग संस्थान या दुकान-मकान हैं, लेकिन उनमें बारिश का पानी नहीं घुसा। कहा जा रहा है कि कोचिंग सेंटर के ठीक बगल में ही एक ड्रेनेज पाइप है। आशंका है कि यह पाइप फट गई, जिससे कोचिंग के बेसमेंट में बाढ़-सी आ गई और पानी इतनी तेजी से भरा कि ये 3 छात्र-छात्राएं वहां से निकल नहीं पाए। हालांकि, इसके पीछे की असली वजह की जांच की जा रही है।

गढ़चिरौली में बाढ़ के आगे एनडीआरएफ पस्त

रेस्क्यू के दौरान आई मुश्किलें, कंधे पर उठाकर ले गए नाव

गढ़चिरौली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में बाढ़ के कारण स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। बाढ़ के मद्देनजर जिले में एनडीआरएफ और पुलिस की टीमों की तैनाती की गई है। गढ़चिरौली जिले में बीते कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते यहां नदी और नाले उफान पर है। बाढ़ के कारण कई गांव डूब गए हैं, जिस वजह से स्थानीय लोग बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे हुए हैं।

इस बीच रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एनडीआरएफ) को बाढ़ के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि एनडीआरएफ की टीम को कुछ ग्रामीणों के खेतों में फंसे होने की जानकारी मिली थी। लेकिन, कीचड़ और पानी का तेज बहाव होने के कारण उन्हें रेस्क्यू ऑपरेशन में मुश्किलें आई। इसके बाद वह एक किलोमीटर दूर तक नाव को कंधे पर उठाकर लेकर गए। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम के जवान खेत तक पहुंचे और ग्रामीणों को रेस्क्यू किया। फिलहाल गढ़चिरौली प्रशासन की ओर से बाढ़ से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। बाढ़ के हालातों के चलते एहतियात के तौर पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों मार्गों को बंद कर दिया गया है। जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है।

बता दें, पिछले दिनों एनडीआरएफ टीम ने गढ़चिरौली के कर्जेल्ली गांव में बाढ़ के पानी में फंसी एक गर्भवती महिला की जान बचाई थी। अतिदुर्गम स्थान पर मौजूद गांव को चारों ओर से बाढ़ के पानी ने घेरा हुआ था। बाढ़ के पानी में सोनी आत्राम नामक गर्भवती महिला फंस गई थी। सोनी की इस स्थिति के बारे में गांव की आशा वर्कर ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। सूचना के आधार पर प्रशासन ने एनडीआरएफ की टीम को मौके पर भेजा। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम ने नाव के सहारे महिला को गांव के बाहर सुरक्षित निकाला और नजदीकी अस्पताल तक पहुंचाया था।

कांग्रेस ने लोगों के बीच आरक्षण समाप्त करने का फैलाया भ्रम : खट्टर

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय ऊर्जा एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने केन्द्रीय बजट को गांव, गरीब, किसान और महिलाओं के विकास पर केंद्रित बताते हुए कांग्रेस पर देश को जाति और धर्म के नाम पर बांटने का काम करने का आरोप लगाया और कहा है कि चुनावों में संविधान में आरक्षण समाप्त करने की अफवाह फैलाई गई वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विकास की बात की।

श्री खट्टर रविवार को यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए केन्द्रीय बजट में देश में विकास एवं लोगों के लिए जो प्रावधान किया है उसके बारे में बताते हुए कहा कि केंद्र के बजट में गांवों के विकास के साथ गरीब और जरूरतमंद को रोजगार, किसान की आय में बढ़ोतरी के साथ देश की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की रूपरेखा तैयार की गई है।

उन्होंने कहा कि इसमें इन्फ्राटेक्चर, टूरिज्म, शहरी विकास, उद्योग और ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य की भी रूपरेखा बनाई गई है। इसमें केंद्र सरकार के साथ प्रत्येक राज्य, जिला और गांव की भी भूमिका होगी। केंद्र सरकार का यह बजट देश हित के साथ प्रदेश के हित में और आम लोगों के हित में तो है ही, इसके साथ देश को आत्मनिर्भर बनाने वाला है।

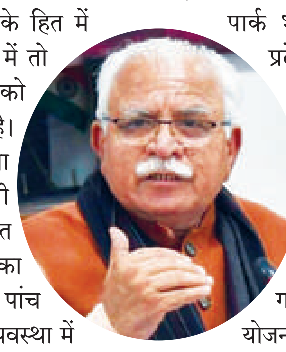

बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन का भी ध्यान रखा है। देश की पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में से राजस्थान की 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था अगले पांच सालों में होनी है। केंद्र ने राजस्थान में विशेष रूप से इन्फ्राटेक्चर, उद्योग, ऊर्जा और पर्यटन के विकास पर फोकस किया है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट राजस्थान में विकास के साथ विरासत के विकास का भी ध्यान रखा गया है। राजस्थान पर्यटन के क्षेत्र में पूरे भारत में विशेष स्थान रखता है। पर्यटन के क्षेत्र में पूरे देश की जीडीपी का पांच प्रतिशत राजस्थान कवर करता है। केंद्रीय बजट में उद्योग पर निवेश को ध्यान में रखते हुए 12 नए औद्योगिक पार्क विकसित करने की घोषणा की है। इनमें से एक राजस्थान के जोधपुर-पाली मारवाड पार्क भी है। इसके डवलपमेंट से प्रदेश में रोजगार का सजृन होगा। केंद्र सरकार ने बजट में कई योजनाएं शुरू की है जिनसे प्रत्येक परिवार को रोजगार मिल सकें। युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, शिल्पकारों, कारीगरों और गरीब लोगों को पीएम रोजगार योजना, गरीब कल्याण अन्न योजना और पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी कई योजनाएं चलाई जा रही है। बजट में रेलवे के लिए नौ हजार करोड़ से अधिक का ग्रांट जारी किया गया।

श्री खट्टर ने कहा कि केंद्र सरकार ने बजट में किसान वर्ग का विशेष ध्यान रखते हुए कृषि में उत्पादकता और अनुकूलनीयता विषय को ध्यान में रखा गया। नई तकनीकों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने का प्रयास किया गया। इसमें 32 कृषि और बागवानी फसलों की नई उन्नत किस्में तैयार करना, प्राकृतिक खेती के लिए 10 हजार जैव संसाधन केंद्र स्थापित करना, दलहन और तिलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए कार्यनीति बनाना और कृषि क्षेत्र को डिजिटलिकरण करने की दिशा में पहल करना शामिल है। किसानों की जमीन संबंधी विवाद को समाप्त करने के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को लागू किया जाएगा। इसमें छह करोड़ किसानों और उनकी जमीन का ब्यौरा दर्ज किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने बजट में पावर सेक्टर को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई घोषणाएं की गई है। राजस्थान में ऊर्जा सेक्टर के लिए 1.50 लाख करोड़ की लागत से 32 हजार मेगावाट ऊर्जा उत्प-ादन का एमओयू किया गया है। इसमें से 28 हजार मेगावाट तो सौलर एनर्जी है। बजट में शहरी विकास के साथ महिलाओं के विकास और एसटी-एसटी बाहुल्य वाले गांवों के विकास के लिए भी चर्चा की गई है। राजस्थान के जनजाति बहुल वाले क्षेत्र विशेषतौर पर बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर ग्रामीण और प्रतापगढ़ के लोगों के लिए भी सरकार ने योजना बनाई है। पीएम सड़क विकास योजना के चौथे चरण की शुरूआत की जा रही है इसमें 25 हजार गांवों की सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग का अधीक्षण यंत्री दस लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

नर्मदापुरम, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम में रविवार को लोक निर्माण विभाग के एक अधीक्षण यंत्री को लोकायुक्त पुलिस ने दस लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। लोकायुक्त पुलिस भोपाल के अनुसार आवेदक द्वारा कल पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त से शिकायत की गयी कि उनके फर्म द्वारा मुलताई एवं भैंसदेही में आठ सड़कों का निर्माण कराया था। इसमें शेष कार्य के एक्सटेंशन के लिए प्रकरण एसई नर्मदापुरम डिविजन पीडब्ल्यूडी आर सी तिरोल के पास लंबित था। इसके निराकरण के लिए श्री तिरौल द्वारा 20 लाख रुपए की रिश्वत राशि की मांग की गयी थी। पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त कार्यालय भोपाल द्वारा शिकायत का सत्यापन कराया गया और आज श्री तिरोले अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग नर्मदापुरम डिविजन को आ-वेदक से रिश्वत की पहली किश्त 10 लाख रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

देश में सर्वाधिक बाघ मध्यप्रदेश में, संख्या बढ़कर 785 तक पहुंची

भोपाल, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में बाघों की आबादी 526 से बढ़कर 785 पहुंच गयी है। यह देश में सर्वाधिक है। प्रदेश में चार-पांच सालों में 259 बाघ बढ़े हैं। यह वृद्धि 2010 में कुल आबादी 257 से भी ज्यादा है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार वन विभाग के अथक प्रयासों और स्थानीय लोगों के सहयोग से जंगल का राजा सुरक्षित है। सभी मिलकर यही संकल्प लें कि भावी पीढ़ी के लिए प्रकृति का बेहतर संरक्षण करें और एक सहृदय भद्र पुरुष के रूप में बाघों के परिवार को फलने फूलने का अनुकूल वातावरण बनाने में सहयोग करें। बाघों की पुनर्स्थापना का काम एक अत्यंत कठिन काम था, जो मध्यप्रदेश ने दिन-रात की मेहनत से कर दिखाया।

बाघों की गणना हर 4 साल में एक बार होती है। वर्ष 2006 से बाघों की संख्या का आंकड़ा देखें तो वर्ष 2010 में बाघों की संख्या 257 तक हो गई थी। इसे बढ़ाने के लिए बाघों के उच्च स्तरीय संरक्षण और संवदेनशील प्रयासों की आवश्यकता थी। मध्यप्रदेश को बाघ प्रदेश बनाने की कड़ी मेहनत शुरु हुई। मानव और वन्यप्राणी संघर्ष के प्रभावी प्रबंधन के लिए 16 रीजनल रेस्क्यू स्क्वाड और हर जिले में जिला स्तरीय रेस्क्यू स्क्वाड बनाए गए।

वन्यप्राणी अपराधों की जांच के लिए वन्यप्राणी अपराध की खोज में विशेषज्ञ 16 श्वान दलों का गठन किया गया। अनाथ बाघ शावकों की रिवाल्विंग की गई है। विभिन्न प्रजातियां विशेष रूप से चीतल, गौर और बारहसिंगा का उन स्थानों पर पुनर्स्थापना किया गया, जहां वे संख्या में कम थे या स्थानीय तौर पर विलुप्त जैसे हो गए थे। राज्य स्तरीय स्ट्राइक फोर्स ने पिछले आठ वर्षों में वन्यप्राणी अपराध करने वाले 550 अपराधियों को 14 राज्यों से गिरफ्तार किया गया। इसमें से तीन विदेशी थे।

संरक्षित क्षेत्र के बाहर वन्यप्राणी प्रबंधन के लिए बजट की व्यवस्था की गई। वन्य प्राणी पर्यटन से होने वाली आय की स्थानीय समुदाय के साथ सा-झेदारी की गई। इन सब प्रयासों के चलते बाघ संरक्षण के प्रयासों को मजबूती मिली। मध्यप्रदेश के बाघ प्रदेश बनने के चार मुख्य पहलू है। पहला गांवो का वैज्ञानिक विस्थापन। वर्ष 2010 से 2022 तक टाइगर रिजर्व में बसे छोटे-छोटे 200 गांव को विस्थापित किया गया। सर्वाधिक 75 गांव सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से बाहर किए गए। दूसरा है ट्रांसलोकेशन। कान्हा के बारहसिंगा, बायसन और वाइल्ड बोर का ट्रांसल-ोकेशन कर दूसरे टाइगर रिजर्व में उन्हें बसाया गया। इससे बाघ के लिए भोजन आधार बढ़ा। तीसरा है हैबिटेट विकास। जंगल के बीच में जो गांव और खेत खाली हुए वहां घास के मैदान और तालाब विकसित किए गए जिससे शाकाहारी जानवरो की संख्या बढ़ी और बाघ के लिए आहार भी उपलब्ध हुआ। सुरक्षा व्यवस्था में अभूतपूर्व बदलाव हुआ। पन्ना टाइगर रिज़र्व में ड्रोन से सर्वेक्षण और निगरानी रखी गई। वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल कर अवैध शिकार को पूरी तरह से रोका गया। क्राइम इन्वेस्टीगेशन और पेट्रोलिंग में तकनीकी का इस्तेमाल बढ़ाया गया। इसका सबसे अच्छा उदाहरण पन्ना टाइगर रिजर्व है जिसका अपना ड्रोन स्काड है। हर महीने इसके संचालन की मासिक कार्ययोजना तैयार की जाती है। इससे वन्य जीवों की लोकेशन खोजने, उनके बचाव करने, जंगल की आग का स्रोत पता लगाने और उसके प्रभाव की तत्काल जानकारी जुटाने, संभावित मानव और पशु संघर्ष के खतरे को टालने, वन्य जीव संरक्षण कानून का पालन करने में मदद मिल रही है।

वन्यजीव सुरक्षा के कारण तेंदुओं की संख्या में भी मध्यप्रदेश देश में सबसे आगे है। देश में 12 हजार 852 तेंदुए हैं। अकेले मध्यप्रदेश में यह संख्या 4100 से ज्यादा है। देश में तेंदुओं की आबादी औसतन 60 प्रतिशत बढ़ी है जबकि प्रदेश में यह 80 प्रतिशत है। देश में तेंदुओं की संख्या का 25 प्रतिशत अकेले मध्यप्रदेश में है। वर्ष 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग बाघ सम्मेलन में बाघ की आबादी वाले 13 देशों ने वादा किया था कि वर्ष 2022 तक वे बाघों की आबादी दोगुनी कर देंगे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश में बाघों के प्रबंधन में निरंतरता एवं उत्तरोत्तर सुधार हुए।

बाघों की संख्या में 33 प्रतिशत की वृद्धि चक्रों के बीच अब तक की सबसे अधिक दर्ज की गई है जो 2006 से 2010 के बीच 21 प्रतिशत और 2010 और 2014 के बीच 30 प्रतिशत थी। बाघों की संख्या में वृद्धि, 2006 के बाद से बाघों की औसत वार्षिक वृद्धि दर के अनुरूप थी। मध्यप्रदेश में 526 बाघों की सबसे अधिक संख्या है। इसके बाद कर्नाटक में 524 बाघों की संख्या 442 बाघों के साथ उत्तराखंड तीसरे नंबर पर था। मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि वर्ष 2022 की समय-सीमा से काफी पहले यह उपलब्धि हासिल कर ली है।

प्रदेश में बाघों की संख्या बढ़ाने में राष्ट्रीय उदयानों के बेहतर प्रबंधन की मुख्य भूमिका है। राज्य शासन की सहायता से 50 से अधिक गाँवों का विस्थापन किया जाकर बहुत बड़ा भू-भाग जैविक दबाव से मुक्त कराया गया है। संरक्षित क्षेत्रों से गाँवों के विस्थापन के फलस्वरूप वन्य-प्राणियों के रहवास क्षेत्र का विस्तार हुआ है। कान्हा, पेंच, और कूनो पालपुर के कोर क्षेत्र से सभी गाँवों को विस्थापित किया जा चुका है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का 90 प्रतिशत से अधिक कोर क्षेत्र भी जैविक दबाव से मुक्त हो चुका है। विस्थापन के बाद घास विशेषज्ञों की मदद लेकर स्थानीय प्रजातियों के घास के मैदान विकसित किये जा रहे हैं इससे शाकाहारी वन्य-प्राणियों के लिये वर्ष भर चारा उपलब्ध होता रहे। इसके अतिरिक्त समस्त संरक्षित क्षेत्रों में रहवास विकास कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

मध्यप्रदेश ने टाइगर राज्य का दर्जा हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों के प्रभावी प्रबंधन में भी देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। सतपुडा टाइगर रिजर्व को यूनेस्को की विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल किया गया है।

भारत सरकार की टाइगर रिज़र्व के प्रबंधन की प्रभावशीलता मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार पेंच टाइगर रिजर्व ने देश में सर्वोच्च रैंक हासिल की है।

काशी विश्वनाथ धाम में बाबा के गौरीशंकर स्वरूप का होगा श्रृंगार

वाराणसी, 28 जुलाई (एजेंसियां)

श्रावण मास के दूसरे सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम में बाबा के गौरी शंकर स्वरूप का श्रृंगार होगा। महादेव के भक्त बाबा के शंकर पार्वती स्वरूप का दर्शन पाएंगे। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रावण मास के हर सोमवार को विशेश्वर के अलग-अलग स्वरूप का श्रृंगार किया जा रहा है। श्रावण मास का आज दूसरा सोमवार है। इस वर्ष सावन में पांच सोमवार पड़ रहे हैं। बाबा हर सोमवार को अलग-अलग स्वरूपों में भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। बाबा के भक्त श्री विश्वेश्वर के चौखट तक सरलता और सुगमता से पहुंच कर जलाभिषेक कर सकें, इसके लिए योगी सरकार लगातार व्यवस्थाओं में बढ़ोतरी और सुधार करती जा रही है। इसके तहत सावन के दूसरे सोमवार से दर्शनार्थियों को भीड़ से बचाने के लिए एक लाइन लगाई जाएगी और धाम की क्षमता के अनुसार ही बैरिकेडिंग कर भक्तों को धाम में प्रवेश दिए जाने की व्यवस्था बनाई गई है।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को भी बाबा विश्वनाथ के स्वरूप का श्रृंगार हुआ था। शिव भक्त सावन के दूसरे सोमवार को अपने बाबा के विशेष स्वरूप शंकर पार्वती के रूप में दर्शन पाएंगे। श्री काशी विश्वनाथ धाम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि आज श्रावण मास के दूसरे सोमवार को देवाधिदेव महादेव के गौरी शंकर (शंकर पार्वती) स्वरूप का श्रृंगार होगा। श्री विश्वेश्वर के भक्त बाबा के इस विशेष स्वरूप का दर्शन कर पाएंगे।

सावन के दूसरे सोमवार को सभी प्रवेश मार्गों से कतार व्यवस्था को एकीकृत करते हुए सिंगल लाइन की व्यवस्था रखी गई है, जिससे दर्शनार्थियों को लाइन व्यवस्था में भीड़ का सामना न करना पड़े। प्रत्येक 50 मीटर पर लाइन व्यवस्था को नियंत्रित रखने के लिए बैरियर लगाया गया है। धाम में लगे बैरिकेडिंग की क्षमता के अनुसार ही दर्शनार्थियों को छोड़ा जाएगा। सावन के पहले सोमवार की भांति दूसरे सोमवार को भी नंदूफेरिया, सिल्को गली, ढुंढिराज गणेश, ललिता घाट, सरस्वती फाटक प्रवेश मार्ग से श्रद्धालु बाबा के चौखट तक पहुंच पाएंगे। सीएम योगी पहले सोमवार को बाबा के दर्शन करने पहुंचे थे। सीएम ने सभी अधिकारियों को आस्था के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर भी विशेष जोर देने का निर्देश दिया था।

भाजपा को अपनों से खतरा घेरने की तैयारी में इंडी

7 विधायकों की भूमिका पर भी नजर

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

यूपी विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार (29 जुलाई) से शुरू हो रहा है। लोकसभा चुनाव में पीडीए फॉर्मूले पर चल कर इंडी गठबंधन ने उत्तर प्रदेश में भाजपा पर बढ़त बनाई। संविधान बदलने और आरक्षण समाप्त करने का विपक्ष का नैरेटिव भी सफल रहा। इंडी गठबंधन मानसून सत्र में विधान परिषद और विधानसभा में भी इन दोनों मुद्दों को पूरी ताकत से उठाएगा। साथ ही पेपर लीक, बेरोजगारी, महंगाई और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर भी सरकार को घेरेगा।

लोकसभा चुनाव में यूपी में सपा-कांग्रेस के इंडी गठबंधन ने एनडीए को जबरदस्त शिकस्त दी है। इसी जीत ने केंद्र में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बनने दी। इससे विपक्ष उत्साहित है। ऐसे में वह पहले से ज्यादा उत्साह और ताकत के साथ सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। प्रदेश की भाजपा सरकार में बीते एक महीने से खींचतान चल रही है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उनके समर्थक विधायक खुलेआम सरकार की व्यवस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं। खासतौर पर पिछड़े और दलित वर्ग के विधायकों का एक बड़ा समूह बीते कुछ दिनों से लामबंदी कर रहा है।

भाजपा नेतृत्व को खतरा है कि नाराज विधायक सदन के अंदर हंगामा न कर दें, जिससे पार्टी और योगी सरकार को मुश्किल हो। हालांकि लामबंदी में शामिल एक विधायक ने बताया कि मानसून सत्र में कोई हंगामा नहीं होगा।

विधानसभा के मानसून सत्र में सदन के 403 में से 394 विधायक शामिल हो सकेंगे। अंबेडकर नगर की कटेहरी, फैजाबाद की मिल्कीपुर, अलीगढ़ की खैर, मुजफ्फरनगर की मीरापुर, कानपुर की सीसामऊ, कानपुर की फूलपुर, मिर्जापुर की मझवां, मैनपुरी और गाजियाबाद सीट रिक्त है। विधानसभा के मानसून सत्र में सपा के 7 बागी विधायकों पर सबकी निगाह रहेगी। रायबरेली के ऊंचाहार से विधायक मनोज पांडेय, अयोध्या के गोसाईंगंज से विधायक अभय सिंह, अमेठी के गौरीगंज से विधायक राकेश प्रताप सिंह, कालपी के विधायक विनोद चतुर्वेदी, इलाहाबाद पश्चिम से विधायक पूजा पाल, बिसौली से विधायक आशुतोष मौर्य और अंबेडकरनगर के जलालपुर विधायक राकेश पांडेय ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की थी।

मनोज पांडेय ने लोकसभा चुनाव में भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण की थी। सपा की ओर से इन विधायकों के खिलाफ दलबदल विरोधी कानून के तहत याचिका दायर की जाएगी। ऐसे में सदन में ये 7 विधायक कहां बैठेंगे, इनकी भूमिका क्या होगी, इस पर सभी की निगाह रहेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही साफ कर चुके हैं कि जो भी विधायक सपा छोड़कर भाजपा में गए हैं, उनके लिए अब समाजवादी पार्टी में कोई जगह नहीं हैं।

सपा के सात बागी विधायकों को सदन में बैठने के लिए अलग जगह निर्धारित की जा सकती है। विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और योगी सरकार से सदन में सम्मानजनक स्थान दिलाने का आग्रह किया है। सूत्रों के मुताबिक, सभी सात विधायकों ने तय किया है कि वह सदन में सरकार के साथ रहेंगे। विधानसभा की कार्यवाही फिलहाल 29 जुलाई से 2 अगस्त तक संचालित होनी है।

अखिलेश यादव ने फिर किया चाचा शिवपाल को अपमानित

माता प्रसाद को बना दिया विधानसभा का नेता प्रतिपक्ष

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

अखिलेश यादव ने फिर अपने चाचा शिवपाल यादव को अपमानित किया। शिवपा को विधानसभा में प्रतिपक्ष का नेता नहीं बना कर अखिलेश माता प्रसाद पांडेय को यह सम्मान दे दिया। सांसद बनने से पहले इस पद को खुद अखिलेश यादव ने अपने पास रखा था, लेकिन अब उन्होंने नए नाम का ऐलान कर दिया है। चर्चा थी कि अखिलेश अपने चाचा शिवपाल यादव को ये पद सौंप सकते हैं, लेकिन उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेता का नाम चुना और चाचा को चौखट पर छोड़ दिया।

माता प्रसाद पांडेय सपा के बड़े ब्राह्मण चेहरे के रूप में जाने जाते हैं। पूर्वांचल की राजनीति में माता प्रसाद का बड़ा रसूख है। वह सिद्धार्थनगर की इटवा विधानसभा से विधायक हैं। इससे पहले 2012 में जब अखिलेश पहली बार यूपी के सीएम बने थे, तब उन्होंने माता प्रसाद पांडे को विधानसभा का अध्यक्ष बनाया था। यूपी में ब्राह्मणों की आबादी 12 फीसदी से अधिक है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को बड़ी सफलता मिली है। माना जा रहा है कि पिछड़े और दलितों ने बड़ी संख्या में सपा-कांग्रेस गठबंधन को वोट दिया। हालांकि अगड़ी जातियों का वोट भाजपा को बड़ी संख्या में मिला। ऐसे में अब विधानसभा चुनाव से ठीक 2 साल पहले अखिलेश यादव ने नेता प्रतिपक्ष की कमान ब्राह्मण चेहरे को सौंपी है और अगड़ी जातियों को साधने की कोशिश की है।

नेता प्रतिपक्ष पद के लिए शिवपाल सिंह यादव और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ विधायक इंद्रजीत सरोज का नाम भी चल रहा था। अखिलेश ने दोनों बड़े नेताओं को दरकिनार करते हुए माता प्रसाद पांडेय को चुना। शिवपाल सिंह यादव उत्तर प्रदेश की जसवंतनगर विधानसभा से विधायक हैं और यूपी की राजनीति में बड़ा नाम है। अखिलेश यादव अपने चाचा शिवपाल सिंह यादव को लगातार अपमानित करते रहे हैं।

इसके साथ ही अखिलेश यादव ने कमाल अख्तर को यूपी विधानसभा का मुख्य सचेतक बनाया है। कमाल अख्तर को सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय की जगह मिली है। इससे पहले यह पद मनोज पांडेय के पास था, जिन्होंने फरवरी में पार्टी से बगावत कर ली थी और अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अखिलेश ने विधायक महबूब अली को अधिष्ठाता मंडल, कमाल अख्तर को मुख्य सचेतक और राकेश कुमार उर्फ आरके वर्मा को उप सचेतक नियुक्त किया है।

गोल्डी और अशोक मसालों में भी मिले खतरनाक कीटनाशक

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

जिन मसालों को हम अपनी रसोई का अहम हिस्सा मानते हैं, वे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं। गोल्डी, अशोक, भोला सब्जी मसाले समेत 13 कंपनियों के नूमने जांच में फेल हो गए हैं। उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) का कहना है कि इन कंपनियों के कई उत्पाद खाने के योग्य नहीं हैं। इससे पहले चक्र और एवरेस्ट के मसालों पर सिंगापुर और हांगकांग ने प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, इस साल मई में कानपुर स्थित मसालों की 13 कंपनियों पर एफएसडीए के अफसरों ने छापा मारा था। इनके अलग-अलग मसालों के 35 उत्पाद के नमूने जांच के लिए भेजे थे। इनमें से 23 की रिपोर्ट सामने आई है। इन मसालों में पेस्टीसाइड और कीटनाशक की मात्रा काफी अधिक मिली है। इसमें कीड़े भी मिले हैं। इसके बाद एफएसडीए ने इन प्रोडक्ट्स की बिक्री पर रोक लगा दी है।

एफएसडीए के अफसरों ने कानपुर के दादानगर की शुभम गोल्डी मसाला कंपनी से सैंपल इकट्ठा किए थे। उनमें सांभर मसाला, चाट मसाला और गरम मसाला खाने योग्य नहीं है। इसमें कीटनाशक की मात्रा खतरनाक स्तर तक पाया गया है। दरअसल, शुभम गोल्डी कंपनी गोल्डी ब्रांड नाम से मसाला प्रोडक्ट बनाती है। बता दें कि गोल्डी मसाले के ब्रांड एंबेसडर अभिनेता सलमान खान हैं। इसी तरह नामी अशोक मसालों की दो कंपनियों के उत्पादों में भी खामियां पाई गई हैं। इनके धनिया पाउडर, गरम मसाला और मटर पनीर मसाला खाने योग्य नहीं है। ये स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हैं। वहीं, भोला मसाले के प्रोडक्ट की बिक्री पर भी रोक लगा दी गई है। इसके बिरयानी मसाला, सब्जी मसाला और मीट मसाला सेफ नहीं हैं।

लोकल लेवल पर बिकने वाली 14 अन्य कंपनियों के प्रोडक्ट में भी हानिकारक पदार्थ पाए गए हैं। इन कंपनियों के हल्दी पाउडर में भी पेस्टिसाइड्स मिला है। एक अन्य नामचीन मसाले में प्रोपरगाइट मिला है। इसका इस्तेमाल कीड़ों, खासकर मकड़ी से फसलों की रक्षा के लिए किया जाता है। 16 सैंपल में खतरनाक कीटनाशक और 7 में माइक्रो बैक्टीरिया मिले हैं।

अब खाद्य विभाग इन सभी कंपनियों के खिलाफ एडीएम सिटी कोर्ट में वाद दायर करेगा। इसके बाद जुर्माना तय होगा। जानकारों ने बताया कि ब्रांडेड कंपनियों के मसाले गोरखपुर, जौनपुर, झांसी, वाराणसी, फतेहपुर, बहराइच समेत कई शहरों में बेचे जा रहे हैं। सहायक खाद्य आयुक्त संजय प्रताप सिंह ने बताया कि इनकी बिक्री पर रोक लगा दी गई है।

डॉ. पद्मजा सिंह की पुस्तक 'नाथपंथ का इतिहास' पर विद्वानों की राय

गोरक्षपीठ की ऐतिहासिक मान्यता का तथ्यपरक प्रमाण

गोरखपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

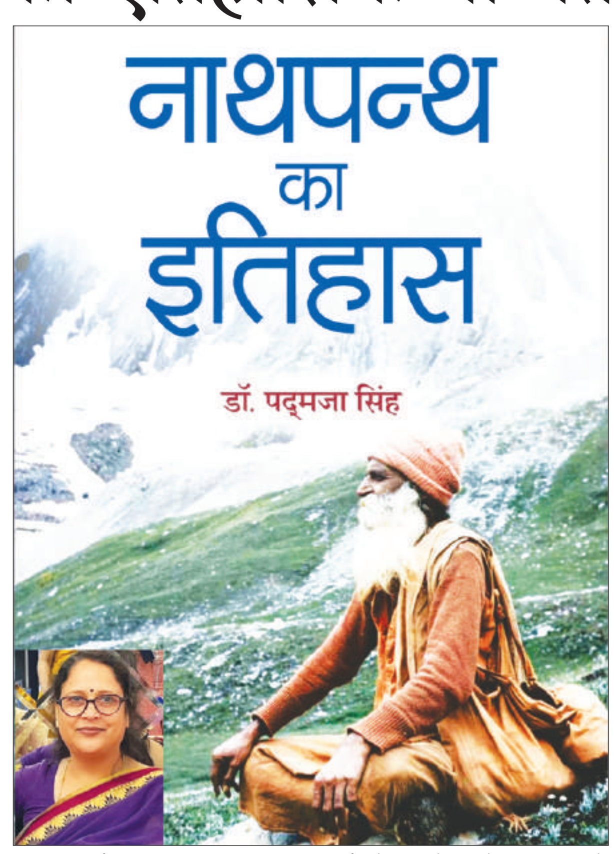

योग को लोक कल्याण का ध्येय बनाने वाले नाथपंथ पर साहित्य सम्यक ज्ञानकोष के साथ ही अब इतिहास सम्यक, तथ्यपरक शब्द-ज्ञान संसार भी समृद्ध हो रहा है। नाथपंथ की इतिहासपरक जानकारी उपलब्ध कराने वाले नाथपंथ के विशिष्ट अध्येता डॉ. प्रदीप कुमार राव के ग्रंथ नाथपंथ की वर्तमान उपादेयता का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के महत्वपूर्ण अवदान के बाद अब नाथपंथ के विशेषज्ञ के रूप में प्रतिष्ठित डॉ. पद्मजा सिंह नाथपंथ का इतिहास शीर्षक से एक पुस्तकीय कृति का सृजन किया है।

डॉ. पद्मजा सिंह की यह पुस्तक न केवल नाथपंथ के आविर्भाव और पुनर्गठन का ऐतिहासिक विवेचन करती है बल्कि यह इस पंथ की विशिष्टता और लोक कल्याण की इसकी स्वतः स्फूर्त प्रकृति और तत्संबंधी गतिविधियों को भी आमजन के समक्ष सरलता से प्रस्फुटित करती है। यह पुस्तक ऐतिहासिक आख्यान और तथ्यों के साथ यह विश्लेषण करती है कि महात्मा बुद्ध के बाद भारत में सामाजिक पुनर्जागरण का शंखनाद महायोगी गोरखनाथ जी ने किया। महायोगी गोरखनाथ जी ऐतिहासिक युग में भारतीय इतिहास के ऐसे पहले तपस्वी हैं जिन्होंने विशुद्ध योगी होते हुए भी सामाजिक राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व किया। वास्तव में उन्होंने नाथपंथ का पुनर्गठन ही सामाजिक पुनर्जागरण के लिए किया। पारलौकिक जीवन के साथ भौतिक जीवन का सामंजस्य बिठाने वाले महायोगी ने भारतीय समाज में सदाचार, नैतिकता, समानता और स्वतंत्रता की वह लौ प्रज्वलित की जिसकी लपटें जाति-पांति, छुआछूत, ऊंच-नीच, अमीरी-गरीबी, पुरुष-स्त्री, विषमताओं और क्षेत्रीयतावाद जैसी प्रवृत्तियों को निरंतर जलाती रहीं।

डॉ. पद्मजा सिंह की पुस्तक यह बताती है कि नाथपंथ के विचार-दर्शन ने एक ऐसी योगी परंपरा को जन्म दिया जिसने भारतीय संस्कृति की एकाकार सामाजिक चिंतन की प्रतिष्ठा को ही अपना उद्देश्य बना लिया। वास्तव में ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को सर्वाधिक प्रभावित करने वाले मध्ययुगीन भक्ति आंदोलन की राह नाथपंथी योगियों ने गढ़ी। समस्त मध्यकालीन भक्ति साहित्य महायोगी गोरखनाथ एवं नाथपंथ की साहित्यिक चेतना से प्रतिबिंबित है।

वर्तमान दौर में गोरखपुर स्थित श्रीगोरखपीठ को ही नाथपंथ का निर्विवाद मुख्यालय क्यों माना जाता है, यह पुस्तक इस तथ्य को भी अत्यंत तर्कपूर्ण तरीके से स्पष्ट करती है। नाथपंथ की परंपरा के अनुसार गोरखपुर में स्थित श्रीगोरखनाथ मंदिर उसी स्थान पर है जहां त्रेतायुग में गुरु गोरखनाथ जी ने तपस्या की थी और गहन समाधि लगाई थी। इसलिए यह नाथसिद्धों की सर्वोच्च पीठ है। श्रीगोरखनाथ मंदिर के महंत नाथयोगियों के आध्यात्मिक नेता माने जाते हैं क्योंकि नाथपंथ की परंपरा में इस मंदिर एवं पीठ के महंत एवं पीठाधीश्वर महायोगी गोरखनाथ जी के प्रतिनिधि माने जाते हैं। नाथपंथी योगियों की यह भी मानता है कि महायोगी गोरखनाथ जी की अदृश्य उपस्थिति आज भी इस मंदिर में रहती है और वे समय-समय पर इस मंदिर के महंत का मार्गदर्शन करते हैं। यही कारण है कि यहां के महंत का स्थान नाथपंथ में सर्वोच्च माना गया है। महायोगी गोरखनाथ द्वारा प्रतिष्ठित महान आध्यात्मिक आदर्शों की सुरक्षा का दायित्व इस मंदिर के महंत पर ही होता है। श्रीगोरखनाथ मंदिर की यह विशेषता भी है कि इसके कपाट सभी के लिए खुले रहते हैं। इस मंदिर के सभी महंत बिना भेदभाव समाज में सभी के यहां, सभी के साथ पानी पीते हैं, भोजन करते हैं और अपने भंडारे में सभी के साथ भोजन प्रसाद ग्रहण करते हैं।

नाथपंथ का इतिहास पुस्तक मुख्यतः नौ खंडों में विभक्त है। भूमिका के पहले खंड के बाद दूसरे खंड में नाथपंथ का परिचय, तीसरे खंड में नाथपंथ के प्रवर्तक गुरु गोरखनाथ के बारे में विस्तार से वर्णन है। चौथे खंड में नवनाथ और चौरासी सिद्धों का सविस्तार उल्लेख है तो पांचवें खंड में नाथपंथ की महंत परंपरा, छठवें खंड में नाथयोग के दर्शन एवं स्वरूप, सातवें खंड में नाथयोग का समाज पर प्रभाव वर्णित है। जबकि आठवें खंड में नाथपंथ की सामाजिक भूमिका और नौवें खंड में नेपाल में नाथपंथ की स्थिति पर प्रकाश डाला गया है। मूल रूप से देवरिया जिले के नगवा खास गांव की निवासी डॉ. पद्मजा सिंह दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग से स्नातकोत्तर में गोल्ड मेडलिस्ट रही हैं। वर्तमान समय में इसी विश्वविद्यालय में प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में सहायक आचार्य के पद पर सेवारत डॉ. पद्मजा ने अपना शोध भी नाथपंथ का उद्भव एवं विकास : एक ऐतिहासिक विवेचन विषय पर पूरा किया है। अपनी नवीनतम कृति नाथपंथ का इतिहास के संदर्भ में उनका कहना है कि यह पुस्तक ऐतिहासिक स्रोतों के प्रमाणों पर आधारित लिखी गई है। नाथपंथ के इतिहास पर शोधपूर्ण विवेचन के साथ यह पुस्तक महायोगी गोरखनाथ से लेकर वर्तमान तक के नाथपंथ के इतिहास का विहंगम रेखांकन है। नाथपंथ और उससे संबंधित विषयों पर शोध करने वाले अध्येताओं के लिए यह पुस्तक अत्यंत उपयोगी होगी।

25 दिनों में 9 लाख से आपदा पीड़ितों को मिली राहत

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों के पीड़ितों के लिए राहत भरी खबर सामने आयी है। दरअसल, नेपाल और पहाड़ी इलाकों से पानी छोड़े जाने के बाद प्रदेश के करीब 26 जिलों में बाढ़ के हालात हो गए थे। वहीं इन इलाकों में तेजी से सुधार हो रहा है। यहां का जलस्तर लगातार घट रहा है। इसी के साथ योगी सरकार ने इन इलाकों में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान शुरू कर दिया है ताकि कोई भी व्यक्ति इसकी चपेट में न आए। इसके अलावा योगी सरकार का इन इलाकों में राहत कार्य युद्धस्तर पर जारी है। योगी सरकार ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में पिछले 25 दिनों में 9,31,629 लोगों को राहत सहायता पहुंचाई। इसके साथ ही बाढ़ से क्षतिग्रस्त 2284 मकानों के सापेक्ष 2134 लाभार्थियों को निशुल्क आवास की सुविधा प्रदान की गई है जबकि 150 लाभार्थियों को लाभ देने की प्रक्रिया चल रही है।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 26 जनपद बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें लखीमपुर खीरी, बलरामपुर, कुशीनगर, शाहजहांपुर, बाराबंकी, सीतापुर, गोंडा, सिद्धार्थनगर, बलिया, गोरखपुर, बरेली, आजमगढ़, हरदोई, अयोध्या, बहराइच, बदायूं, फर्रुखाबाद, बस्ती, देवरिया, मऊ, मुरादाबाद, रामपुर, महाराजगंज, उन्नाव, पीलीभीत और श्रावस्ती शामिल हैं। इन बाढ़ प्रभावित जिलों की 78 तहसील के 1813 गांवों, 40 वार्ड और 145 कटान गांव समेत कुल 15 लाख से अधिक जनसंख्या प्रभावित है। इनमें से 9,31,629 लोगों को राहत सहायता पहुंचाई गई है। वहीं अब तक 38,894 मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है। आपदा में अब तक 17 लोग अपनी जान गवां चुके हैं। इनके परिजनों को राज्य सरकार की ओर से 4-4 लाख रुपए की सहायता धनराशि प्रदान की जा चुकी है। वहीं 29 मवेशियों की बाढ़ के चपेट में आने से मौत हो चुकी है। योगी सरकार सभी पशु पालक को मुआवजा दे चुकी है। इतना ही नहीं बाढ़ की चपेट में आने से अब तक कुल 2284 मकानों क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिसके सापेक्ष 2134 लाभार्थियों को निशुल्क आवास की सुविधा प्रदान की गई है जबकि 150 लाभार्थियों को लाभ देने की प्रक्रिया चल रही है। राहत आयुक्त ने बताया कि 282 सार्वजनिक परिसंपत्तियों भी बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं।

संपादकीय

मीठी गोलियां या कड़वे घूंट

छोटे बजट की बड़ी कहानी लिखते-लिखते हिमाचल अपने ही वित्तीय ध्रुव में फंस गया है। न बही-खाते सही और न ही कमाई के स्रोत अव्वल। वह दौर बदल गया जब राज्य की मदद में केंद्र का प्रश्रय पुरस्कार थी, उपहार था। अब राज्य के सारे मानक राजनीति की मुट्ठी में बंद हैं और नेताओं की अचकन में गर्दन में फंसी है। नेताओं में विजन नहीं और व्यावहारिक सियासत में राज्य के प्रति सरोकार नहीं। अहंकार में लिप्त राजनीति को केवल सत्ता सुख चाहिए और सत्ता को अपनों का मोह चाहिए। बहरहाल राजनीति और राजनीतिक संगठनों के अदब और हैं, जबकि सरकारों के पांव में उधार की मेंहदी लगाकर भी वित्तीय बाधाओं के कांटे दूर नहीं होते। बेशक इससे पहले भी सरकारों ने संसाधन बढ़ाने के लिए कुछ रास्ते चुने, कुछ बैठकें कीं और कुछ निष्कर्षों की सीमा रेखा पर हिम्मत भी दिखाई, लेकिन चुनाव के भूत ने हमेशा ऐसी मंशा को डराया-धमकाया और अंत में वही 'ढाक के तीन पात' बन कर रह गया सारा प्रयास, सारी हिम्मत। अब पुनः व्यवस्था परिवर्तन के जोरदार नारे पर आई सुक्खू सरकार, रिसोर्स मोबिलाइजेशन के मुहाने पर अपने लिए नए आर्थिक दस्तखत खोज रही है। मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में चंद्र कुमार, हर्षवर्धन, राजेश धर्माणी और योजना सलाहकार डा. बासु सूद बैठे तो दिक्कतों के नजराने पेश हुए, यानी राज्य की औकात तो अपने दम पर सरकारी कर्मचारियों को खिलाने-पिलाने की भी नहीं है, फिर भी अब तक मंत्रिमंडलीय फैसलों का यही पक्ष सब पर भारी है। आर्थिक परिदृश्य में अपनी आय को पूरी तरह निचोड़कर भी हिमाचल अगर 12629 करोड़ कमा रहा है, तो केवल कर्मचारियों के वेतन और पेंशन पर ही इसे 16000 करोड़ के करीब चाहिए। इस पर कई तरह के एरियर, घटती केंद्रीय रियायतें, घाटा अनुदान और बंद होते जीएसटी मुआवजे ने वित्तीय प्रबंधन के एक साथ कई तार तोड़ दिए हैं। आते ही सुक्खू सरकार ने पांच-छह सौ संस्थान डिनोटिफाई किए, तो वास्तविक हिमाचल में राहत की हवाएं चलीं, मगर जब चुनाव की घंटियां बार-बार बजीं, तो यह मुहिम थक गई। ऐसे में संसाधनों की तलाशी, उनकी खोज और वित्तीय जरूरतों का गुण-दोष तब समझ आएगा, जब मीठी गोलियों की जगह कड़वे घूंट पीने पड़ेंगे। मंत्रिमंडल की उपसमिति का गठन अगर फैसलों के इरादे में सुदृढ़ होता है, तो कोई कारण नहीं कि सबसे पहले सरकार का आकार व फिजूलखर्चियों का आधार कम किया जा सकता है। मितव्ययिता के सिद्धांत पर कभी शांता कुमार सरकार ने सरकारी आयोजनों में खानपान के नाम पर भारी-भरकम खर्चे को चाय-बिस्कुट में समेट दिया था, तो धूमल सरकार ने सरकारी वाहनों को एक दिन आराम तथा अधिकारियों को निजी वाहनों के इस्तेमाल का रास्ता दिखाया था, लेकिन सरकारों की शान निराली होती है, वीआईपी मूवमेंट में पुलिस व प्रशासनिक बंदोबस्त में सरकारी काफिलों की पेट्रोल खपत में कहां कटौती होती है। वित्तीय बाधाएं जब तक पहचानी न गईं और जब तक सरकारी ढांचे में नौकरियों का दस्तूर छल करता रहा, हम अपने ही मुहानों पर लौटकर सिर मुंडवाएंगे। प्रदेश की पहली वित्तीय बाधा सार्वजनिक क्षेत्र का आवारा, गैर जिम्मेदार व अनुशासनहीन चरित्र है। अधिकांश सार्वजनिक उपक्रम घाटे में हैं, लेकिन हम इन्हें राजनीतिक उद्देश्यों से पोषित कर रहे हैं। अनावश्यक कार्यालय और विभिन्न संस्थान कर्ज की नैया में डूब रहे हैं। सरकारों की निजी क्षेत्र से दूरी तथा योजनाओं में उसकी भागीदारी से इनकार। सरकारी कर्मचारियों पर लगाया जा रहा वित्तीय सतूहा लगातार सरकारों की कमर तोड़ रहा है, जबकि यह मान लेना चाहिए कि यह वर्ग किसी सूरत 'मिशन रिपीट' नहीं करवा सकता। सरकारों की लगातार वापसी के लिए निजी क्षेत्र में पूंजी निवेश, रोजगार के अवसर, स्वरोजगार का ढांचा और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रदर्शन को सक्षम बनाने के लिए नीतियों का निर्णायक होना जरूरी है। हिमाचल को आर्थिक संसाधनों के लिए वन एवं पर्यावरण की गैर जरूरी बेड़ियों से लड़ना होगा। पर्वतीय राज्य की समृद्धि के लिए कुल जमीन का सत्तर फीसदी भाग जंगल होगा, तो हम वित्तीय क्षमता नहीं बढ़ा सकते। जमीन की केवल पचास फीसदी उपलब्धता पर ही वन होने चाहिए। इस तरह अतिरिक्त बीस फीसदी भूमि अगर उपलब्ध होती है, तो उसके ऊपर एक नया आर्थिक ढांचा, शहरी विकास, औद्योगिक विकास, नए निवेश, पर्यटन व निजी पूंजी निवेश के लिए सुनिश्चित किया जा सकता है।

बहरहाल राजनीति और राजनीतिक संगठनों के अदब और हैं, जबकि सरकारों के पांव में उधार की मेंहदी लगाकर भी वित्तीय बाधाओं के कांटे दूर नहीं होते। बेशक इससे पहले भी सरकारों ने संसाधन बढ़ाने के लिए कुछ रास्ते चुने, कुछ बैठकें कीं और कुछ निष्कर्षों की सीमा रेखा पर हिम्मत भी दिखाई, लेकिन चुनाव के भूत ने हमेशा ऐसी मंशा को डराया-धमकाया और अंत में वही 'ढाक के तीन पात' बन कर रह गया सारा प्रयास, सारी हिम्मत। अब पुनः व्यवस्था परिवर्तन के जोरदार नारे पर आई सुक्खू सरकार, रिसोर्स मोबिलाइजेशन के मुहाने पर अपने लिए नए आर्थिक दस्तखत खोज रही है।

एक करोड़ युवाओं को आगामी 5 वर्षों के दौरान इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत काम दिया जाएगा

रोजगार के नए अवसर और आर्थिक विकास को गति देगा आम बजट 2024

प्रहलाद सबनानी

वर्ष 2022-23 के बजट में केंद्र सरकार द्वारा 7 .5 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था, वित्तीय वर्ष 2023-24 में इसमें 33 प्रतिशत की भारी भरकम वृद्धि करते हुए इसे बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपए का कर दिया गया था। अब वित्तीय वर्ष 2024-45 के लिए इसे और आगे बढ़कर 11 .11 लाख करोड़ रुपए का कर दिया गया है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 3 .4 प्रतिशत है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में न केवल स्थिरता दिखाई देने लगी है बल्कि यह लगातार तेज गति से आगे बढ़ रही है।

हाल ही में लोकसभा के लिए सम्पन्न हुए चुनाव में भारतीय नागरिकों ने लगातार तीसरी बार एनडीए की अगुवाई में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सत्ता की चाबी आगामी पांच वर्षों के लिए इस उम्मीद के साथ पुनः सौंपी है कि आगे आने वाले पांच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा देश में आर्थिक विकास को और अधिक गति देने के प्रयास जारी रखे जाएंगे। भारत की वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने 23 जुलाई 2024 को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट भारतीय संसद में पेश किया है। इस बजट के माध्यम से भारत की आर्थिक विकास दर को उच्च स्तर पर ले जाने का प्रयास किया गया है। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 9 प्राथमिकताएं तय की है। कृषि क्षेत्र में उत्पादकता को बढ़ाना, युवाओं के लिए रोजगार के अधिकतम अवसर निर्मित करना एवं उनके कौशल को विकसित करना, गरीब नागरिकों को भी विकास में हिस्सेदारी देना एवं उन्हें सामाजिक न्याय देना, विनिर्माण इकाईयों को बढ़ावा देना, शहरी क्षेत्रों को विकसित करना, ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित करना, आधारभूत ढांचा विकसित करना, नवाचार, शोध एवं विकास करना तथा नई पीढ़ी के सुधार कार्यक्रमों को लागू करना।

केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों द्वारा पूंजीगत खर्चों में लगातार की जा रही वृद्धि के चलते भारत की आर्थिक विकास दर को पंख लगते दिखाई दे रहे हैं। वर्ष 2022-23 के बजट में केंद्र सरकार द्वारा 7.5 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था, वित्तीय वर्ष 2023-24 में इसमें 33 प्रतिशत की भारी भरकम वृद्धि करते हुए इसे बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपए का कर दिया गया था। अब वित्तीय वर्ष 2024-45 के लिए इसे और आगे बढ़कर 11.11 लाख करोड़ रुपए का कर दिया गया है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 3.4 प्रतिशत है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में न केवल स्थिरता दिखाई देने लगी है बल्कि यह लगातार तेज गति से आगे बढ़ रही है। आज पूरे विश्व में केवल भारतीय अर्थव्यवस्था ही एक चमकते सितारे के रूप में दिखाई दे रही है।

बजट का गहराई से अध्ययन करने पर ध्यान में आता है कि केंद्र सरकार ने अब भारत में रोजगार के अधिकतम अवसर निर्मित करने की ठान ली है। भारत के युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने एवं कौशल विकसित करने की दृष्टि से 2 लाख करोड़ रुपए की 5 योजनाओं के एक पैकेज की घोषणा की है। शिक्षा, रोजगार एवं कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपए की राशि इस बजट में आबंटित भी कर दी गई है। प्रधानमंत्री

पैकेज के अंतर्गत EPFO के प्रथम बार सदस्य बनने पर औपचारिक क्षेत्र के कर्मचारियों के EPFO खातों में एक माह का वेतन जमा किया जाएगा। इन कर्मचारियों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के अंतर्गत एक माह का वेतन (15000 रुपए की अधिकतम राशि तक) तीन किश्तों में उनके खातों में जमा किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत एक माह में एक लाख रुपए तक का वेतन पाने वाली कर्मचारी ही पात्र होंगे। इससे 2.1 करोड़ युवाओं को लाभ होने की सम्भावना बजट में व्यक्त की गई है।

ऐसे भी कई निर्णय लिए जा रहे हैं जिनसे आने वाले समय में धरातल पर युवाओं को लाभ होता दिखाई देगा। एक करोड़ युवाओं को आगामी 5 वर्षों के दौरान इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत काम दिया जाएगा। ताकि ये युवा वर्ग के नागरिक रोजगार प्राप्त करने हेतु सक्षम हो सकें। इन युवाओं को प्रति माह 6,000 रुपए तक का वाजीफा सम्बंधित कम्पनियों द्वारा अदा किया जाएगा। वजीफे की इस राशि को कम्पनियों के लिए लागू निगमित सामाजिक दायित्व योजना के अंतर्गत किया गया खर्च माना जाएगा। भारत की सबसे बड़ी 500 कम्पनियों को इस योजना के अंतर्गत युवाओं को इंटर्नशिप की सुविधा देनी होगी। साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा भी इन युवाओं को प्रतिमाह 5000 रुपए अदा किए जाएंगे। यह केंद्र सरकार का एक सूझबूझ भरा निर्णय कहा जा सकता हैं। साथ ही, विनिर्माण के क्षेत्र के रोजगार के नए अवसर निर्मित करने की पहल भी की जा रही है। नए कर्मचारियों के EPFO खाते में जमा होने वाली राशि को आगामी 4 वर्षों तक केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा, इससे कर्मचारी एवं नियोक्ता दोनों को ही लाभ होगा। इस योजना का लाभ 30 लाख युवाओं को होने जा रहा है। एक अन्य योजना के अंतर्गत नियोक्ता को अपने नए कर्मचारियों के EPFO खातों में जमा की जाने वाली राशि की प्रतिपूर्ति आगामी 2 वर्षों तक केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी। इससे रोजगार के 50 लाख नए अवसर निर्मित होने की सम्भावना है।

केंद्र सरकार द्वारा हाल ही के समय में भारतीय सनातन संस्कृति के संस्कारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से धार्मिक पर्यटन को देश में बढ़ावा दिया जा रहा है। धार्मिक पर्यटन से देश में रोजगार के लाखों अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं गरीब वर्ग की आय में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। श्री विष्णुपाद मंदिर कोरिडोर, गया, बिहार एवं श्री महाबोधि मंदिर कोरिडोर बोधगया, बिहार को विकसित किए जाने की घोषणा की गई है। इसे काशी विश्वनाथ मंदिर कोरिडोर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इसी प्रकार देश में अन्य मंदिरों को भी विकसित किया जा रहा है ताकि देश में इन मंदिरों में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो तथा भारत को वैश्विक पटल पर एक बहुत बड़े धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में दिखाया जा सके।

भारत के ग्रामों में निवास कर रहे नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से शहरों की ओर पलायन करते हैं। अतः ग्रामों में ही रोजगार के अधिकतम अवसर निर्मित करने के उद्देश्य से ग्रामीण विकास की मद पर 2.66 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान इस बजट में किया गया है। साथ ही, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुद्रा लोन योजना के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली ऋण राशि की सीमा को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दिया गया है। यह सुविधा तरुण श्रेणी के अंतर्गत प्राप्त ऋण के व्यवसाईयों को प्राप्त होगी एवं जिन्होंने पूर्व में लिए गए 10 लाख रुपए के ऋण की राशि को समय पर अदा कर दिया है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए भी ऋण की सीमा को बढ़ाकर 100 करोड़ रुपए तक कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत एक करोड़ आवासों का निर्माण किया जाएगा। इन एक करोड़ आवासों पर 10 लाख करोड़ रुपए की राशि का निवेश होगा, इसमें केंद्र सरकार की भागीदारी 2.2 लाख करोड़ रुपए की रहेगी। साथ ही, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 3 करोड़ आवासों का निर्माण करने की घोषणा पूर्व में ही की जा चुकी है।

देश के आर्थिक चक्र को गति देने के उद्देश्य से नई कर प्रणाली के अंतर्गत वेतनभोगी/पेंशनधारी कर्मचारियों के लिए सामान्य छूट की सीमा को 50,000 रुपए से बढ़ाकर 75,000 रुपए कर दिया गया है। साथ ही, आय कर की दरों में कुछ इस प्रकार का संशोधन किया गया है कि 15 लाख रुपए तक की कर योग्य आय वाले कर्मचारियों को प्रतिवर्ष 17,500 रुपए का लाभ होगा।

दृष्टि कोण

शिक्षा से ही टूटेगा डेरों और बाबाओं का तिलिस्म

वर्ष 1971 में मैंने पुलिस सेवा ज्वाइन ही की थी जब बतौर एसएसपी कपूरथला मेरी नियुक्ति हुई। सप्ताह के आखिर में अपने गांव आया, सोचा था सुबह देर से उठूंगा और दिनभर आराम करूंगा। लेकिन मुझे सूर्य उदय से पहले उठना पड़ा जब परिवार के पुराने नौकर ने सूचित किया कि पड़ोस के गांव से जीतू जट्ट नाम का व्यक्ति मुझसे मिलना चाहता है। मुझे याद आया कि जीतू तो वही है जो एक छोटा-मोटा भविष्यवक्ता है और अपने तीर-तुक्कों से लोगों के खोए पशु पाने में मदद किया करता है। लेकिन उस वक्त वह खुद पूरी तरह शर्मिंदा था जब बताया कि उसकी हवेली से उसके अपने बैल चोरी हो गए हैं! मैंने उसे पुलिस में रिपोर्ट लिखवाने को कहा, पर उसने झिझकते हुए कहा कि यह करना उसके धंधे के लिए बुरा सिद्ध होगा क्योंकि लोग कहेंगे खुद पर पड़ी तो पुलिस की मदद लेने चला गया। खैर, उसके पशु मिल गए और उसकी 'साख' सलामत रही। आमतौर पर माना जाता है कि इस किस्म की गतिविधियां गरीब और अनपढ़ों तक सीमित होती हैं- तो यहां मुझे आपकी गलतफहमी दूर करने दें। यह बात मैं पुलिस सेवा में बहुत साल बिताने और काफी अनुभव पाने के आधार पर कह रहा हूं। यह कहानी है हमारे पूरे देश की और कैसे बहुत से भविष्य बताने वाले, शामन, बाबा और छोटे-मोटे शातिर इतने बड़े हो गए कि सत्ता का तानाबाना तक उनके हाथ में आ गया। इस सदी के शुरू में मैं दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सुरक्षा बल के मुखिया के तौर पर नियुक्त था। कुछ दिनों बाद एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी मुझे मिलने आए और एक तरह से मुझे आदेश दिया कि मैं उनके साथ जाने-माने बाबा के यहां चलूं। मैंने उन्हें बताया कि मैं उस 'भले मानुस' को 'अच्छी तरह' जानता हूं लिहाजा उसके पास नहीं जाऊंगा। मैंने उसका सफर तहसील स्तर से जिला स्तरीय और फिर राजधानी में राज्यस्तरीय होते देखा था, जहां उसकी छवि एक छोटे-मोटे कथित ज्योतिषी की थी, जो भोले-भाले लोगों को अपनी बातों से झूठी तसल्ली परोसता हो (अधिकांश स्थानीय लोग उसकी असलियत से वाकिफ थे और उसका ठेठ पंजाबी में एक हास्यपूर्ण सा उपनाम भी प्रचलित था)। फिर वह दिल्ली चला आया जो कि उसका मास्टर स्ट्रोक सिद्ध हुआ क्योंकि यहां आकर उसने नए रंग-ढंग के दबंग और चमत्कारी बाबा वाले अवतार में खूब चांदी काटी। मेरे पूर्व वरिष्ठ अधिकारी मेरे इंकार से कुछ मायूस हुए, फिर भी उन्होंने मुझे यह कहकर मनाने की कोशिश की कि खुद उसने मुझे साथ लाने को कहा है। परंतु मैं अपनी बात पर अड़ा रहा। किंतु इससे पहले मैं जल्दी से आपको इन बाबाओं के सत्संग के अपने निजी अनुभव बताना चाहूंगा (हमारी एजेंसियां इन सबकी खबरें लगातार देती रहती थीं)। ऐसे एक बाबा के यहां वीआईपी लोगों का तांता लगा रहता जिसमें भारत सरकार के सचिव स्तर के अधिकारी और उनकी पत्नियों, केंद्रीय मंत्रियों से लेकर अन्य उच्च पदेन लोग हाजिरी भरते। वे वहां क्या करते रहते थे? कुछ महिलाएं जो वैसे तो अपनी हैसियत की वजह से नकचढ़ी रहती थीं, लेकिन डेरे में बाबा के पैर दबाती, कुछ तो उसके सिर पर चम्पी इत्यादि किया करती थीं। जो वहां देखा वो ऐसा कि उस पर यकीन करने को आंखें मलनी और खुद को चिकोटी काटनी पड़े। यह तथाकथित दैवीय पुरुष राष्ट्रीय स्तर की नीतियों– आर्थिक और राजनीतिक- तक को प्रभावित करने का दम रखते हैं। कुछेक ऐसे दैवीय पुरुष भी थे जो दिल्ली के मालिकों से कहीं ऊंचे दायरों में विचरा करते और हीरे की अंगूठियों से अटी उनकी अंगुलियां बहुत से चमत्कार दिखातीं... कुछ नाम लेकर बताऊं, तो दिमाग में धीरेंद्र ब्रह्मचारी, महेश योगी और चंद्रास्वामी कौंध रहे हैं। चलिए फिर से वर्तमान में लौटते हैं, परिदृश्य में जिधर देखो कोई न कोई डेरा और भांति-भांति के रंगों और स्वरूप वाले बाबा नजर आते हैं।

कुछ अलग

देश सेवा का जज्बा!

घर के बाहर किसी ने आकर तीन बार 'भारत माता की जय हो' नारे लगाए तो स्वाभाविक तौर पर मैं चौंका। बाहर आया तो देखा तीन-चार युवक थे। फिर उनमें से एक को गौर से देखा तो पहचान गया, वह गोपाल था। गोपाल मेरे दफ्तर में था। लेकिन हुलिया एकदम बदला हुआ था, चोला-पायजामा और सिर पर टोपी। मुझे देखते ही उसने मेरी चरण कमलों का स्पर्श किया और बोला- 'सर, आपका आशीर्वाद चाहिए।' मैंने कहा- 'भाई गोपाल वह तो सदैव तुम्हारे साथ रहा है, जब तुम दफ्तर में कामचोरी करते थे, तब भी मेरा आशीर्वाद था तुम्हें। परंतु तुमने अपना लिबास कब बदल लिया। मैं रिटायरमेंट के समय तो तुम्हें अच्छा-भला छोड़कर आया था।' वह बोला- 'सर, यह लिबास मैंने आज ही बदला है और आपको बताने आया हूं कि मैं चांदनी चौक से एमएलए का चुनाव लड़ रहा हूं।' मेरे नेत्र खुले के खुले रह गए और मैं बोला- 'चुनाव, लेकिन चुनाव लडने जैसी बात तो तुमने पहले कभी बताई नहीं थी। यह यकायक तुम्हें क्या हुआ है? मेरा मतलब तुमने नौकरी छोड़ दी है?' वह बोला- 'हां साहब, मैं देश सेवा करना चाहता हूं।' तब तक मैं थोड़ा सहज हो गया था, इसलिए बोला-'वैरी गुड, देश सेवा भी बुरा धंधा नहीं है। इसमें हाथ डालोगे तो कुछ न कुछ बन भी जाओगे। लेकिन भाई इसमें तो पैसा बहुत चाहिए। पहले निवेश करो, तब रिटर्न सालों में मिलता है।' गोपाल बोला-'सर, मैं वाकई देश सेवा करना चाहता हूं। अन्ना का भक्त हूं। उन्हीं की प्रेरणा से आज सब कुछ त्याग कर मैं मूल्यों की राजनीति करना चाहता हूं।' मैंने कहा-'वही तो मैं कह रहा था, राजनीति बिना मूल्य के आज करेगा भी कौन?' गोपाल ने मेरा छुपा व्यंग्य समझा नहीं और उत्साह से बोला- 'सर, बस यही समझिए। दरअसल मैं भ्रष्टाचार और महंगाई के विरुद्ध आवाज उठाकर चुनाव जीतने का दम भर रहा हूं। आप खुद देख रहे हैं, देश की हालत क्या हो रही है।' मैं बोला- 'गोपाल, मैं सब देख रहा हूं। तुम्हारे दोनों मुद्दे ज्वलंत हैं। इसमें गरीबी मिटाने जैसा तुर्रा और लगा लेते तो राह आसान हो जाती। मेरा मतलब भय, भ्रष्टाचार और भूख मिटाने से है।' गोपाल के होंठ थोड़ा हंसे और वह बोला-'सर भ्रष्टाचार और महंगाई, दोनों ही मुद्दे गरीब के लिए हैं। मैं अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता। धंधेबाज राजनेता देश को लूट रहे हैं और भारत चमकाने और भारत निर्माण की बातें कर रहे हैं। सर, इन सबका पर्दाफाश होना ही चाहिए।' मैंने देखा गोपाल का चेहरा तो उस पर ईमानदारी का जोश और व्यवस्था से लडने का जज्बा दिखाई दिया। मुझे गोपाल के बीवी-बच्चों का ख्याल आ गया कि अगर यह वाकई देख सेवा करने निकल गया तो वे क्या करेंगे? मैंने ही यही प्रश्न गोपाल पर दागा तो उसने कहा- 'सर, देश सेवा पहले है। बीवी-बच्चों को पेंशन बहुत है। अब मैं चुप नहीं रह सकता।' मुझे लगा गोपाल 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन का कोई फ्रीडम फाइटर है, जिसे अच्छा बनने का दौरा पड़ गया है। मैं बोला- 'गोपाल, तुम स्वस्थ तो हो न। मेरा मतलब सोचने-समझने की तुम्हारी शक्ति कहीं लुप्त तो नहीं हो गई?' वह बोला- 'नहीं सर, मैं पूरे होशो-हवास में हूं। मैं देश को बदल डालूंगा। बहुत हो गया, धैर्य जवाब दे रहा है। ये मेरे साथी हैं।' मैंने शेष तीनों को देखा तो वे कुटिलता से मंद मुस्कान बिखेर रहे थे। मैंने कहा- 'आप लोग गोपाल की बातों से सहमत हैं?' उनमें से एक बोला-'सर, हम लोग वर्षों से मूल्यों की राजनीति ही कर रहे हैं। जब तक इनके पास मूल्य हैं, हम लोग डटे रहेंगे।' मैं समझ गया ये आज के राजनेता हैं, जो गोपाल के रिटायरमेंट के बदले मिले पैसों तक के साथी हैं। बाद में ये लोग गोपाल को छोड़ देंगे।

देश दुनिया से

बजट के बहाने, मोदी ने साधा इंडिया गठबंधन को

बजट के बहाने, मोदी ने साधा इंडिया गठबंधन को चारा घोटाले के दोषी राष्ट्रीय जनता दल के नेता लालू प्रसाद यादव शुरू से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ हमलावर रहे हैं और वह कोई भी मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहते हैं। उनका अनुमान था कि बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने के मुद्दे पर वेंद्र में सत्तारूढ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में पूट पड सकती है। खासकर जनता दल यूनाइटेड के नेता नीतीश वुमार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने पर फिर पलटी मार सकते हैं। लालू नीतीश की नब्ज को सही सही टटोलने का दंभ भरते रहे हैं और उन्होंने बिना मौका गंवाये एक बार फिर भविष्यवाणी कर दी कि मोदी सरकार एक महीने में गिर जायेगी।

सत्तापक्ष और विपक्ष के इस टकराव से भले ही सियासत गरमाई रहे लेकिन जनता जनार्दन की नजरें सरकार के कामकाज पर ज्यादा टिकी रहेंगी। मोदी इस तथ्य को भलीभांति समझ रहे हैं और जैसे आगे कदम बढ़ा रहे हैं उससे साफ है कि वह राजनीतिक मायने में बाकी नेताओं से कहीं ज्यादा परिपक्व हैं। बजट के बहाने, मोदी ने साधा इंडिया गठबंधन को चारा घोटाले के दोषी राष्ट्रीय जनता दल के नेता लालू प्रसाद यादव शुरू से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ हमलावर रहे हैं और वह कोई भी मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहते हैं। उनका अनुमान था कि बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने के मुद्दे पर वेंद्र में सत्तारूढ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में पूट पड सकती है। खासकर जनता दल यूनाइटेड के नेता नीतीश वुमार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने पर फिर पलटी मार सकते हैं। लालू नीतीश की नब्ज को सही सही टटोलने का दंभ भरते रहे हैं और उन्होंने बिना मौका गंवाये एक बार फिर भविष्यवाणी कर दी कि मोदी सरकार एक महीने में गिर जायेगी।

फिर क्या था इंडिया गठबंधन के बाकी नेताओं ने भी सुर में सुर मिलाया। सबको अंदेशा था कि बजट को लेकर खेला हो जाएगा लेकिन अब बाजी पलट गईं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार सातवीं बजट पेश करके पूर्व प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री मोरारजी देसाईं का लगातार छह बार बजट पेश करने का रिकार्ड ही नहीं तोड़ा बल्कि इंडिया गठबंधन की राजग गठबंधन में सेंध लगने की भविष्यवाणियों को सिरे से झकझोर दिया है। निर्मला सीतारमण ने बजट में बिहार के लिये लगभग 59 हजार करोड रूपये और आंध्रप्रदेश के लिये 15 हजार करोड रूपये का अतिरित्त प्रावधान करके एक तीर से कईं निशाने साध लिये। बजट में जिस तरह से किसानों, महिलाओं, बेरोजगारों और मध्यम वर्ग के लिये मेहरबानी की गईं उससे प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस बुरी तरह तिलमिला गईं। लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कटाक्ष किया कि सरकार ने वुसा बचाओ बजट पेश किया है। सहयोगी दलों को खुश करने के लिये दूसरे राज्यों की कीमत पर खोखले वादे किये गये हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बजट को नकलची बजट करार देते हुये यह दावा भी कर दिया कि यह बजट कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र और पिछले वुछ बजट की नकल है। एक तरह से खरगे की प्रतिव्रिया इस बात का भी स्पष्ट संकेत देती है कि मोदी सरकार विपक्ष के ऐसे सुझावों पर गौर कर ही है जो वास्तव में देशहित में है।

बेहतर तो यह होता कि जिस तरह से बेरोजगारी का मुद्दा पिछले लोकसभा चुनाव में बडा मुद्दा बना था उसे एक बार फिर सही ठहराकर कांग्रेस मोदी सरकार के प्रयासों की सराहना करती। सिर्प विपक्ष होने के नाते उसे सरकार से हर पैसले की आलोचना करके रस्मअदायगी करने के बजाय कम से इस मुद्दे को अपनी उपलब्धि के रूप में गिनाना चाहिये। संसद का बजट सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया को संबोधित करते हुये कि इस सत्र पर देश की नजर रहेगी। ये अमृतकाल का महत्वपूर्ण बजट है। ये अगले पांच साल का दिशा भी तय करेगा और 2047 के सपने को पूरा करने के लिए मजबूत नींव लेकर हम देश के सामने आएंगे। मोदी यह सोच सकारात्मक है और इसे लेकर किसी को संदेह नही होना चाहिये।

बजट में देश की अर्थव्यवस्था की सही तस्वीर प्रस्तुत करने के साथ जिस तरह से वर्तमान और भविष्य की चुनातियों का सामना करने के लिये प्रस्ताव किये गये हैं वह देश के उज्जवल भविष्य की राह दिखाते हैं। देश में 25 करोड लोग गरीबी से बाहर निकले हैं और पिछले दस वर्षो की अवधि में देश में इससे नया मध्यम वर्ग बना है।

रोजगार से जुडी प्रोत्साहन योजना से देश में करोडों नये रोजगार का सृजन होगा। जीवन में पहली नौकरी पानेवाले युवा को पहली तनख्वाह सरकार देगी। इस प्रस्ताव से साफ है कि विकास के साथ साथ बेरोजगारी से निबटने के ऐसे ही नये नये उपाय भी करने होंगे। कौशल विकास और उच्च शिक्षा के लिये मदद पहुंचानेवाली योजनायें युवाओं में आत्मविश्वास पैदा करेंगी। मोदी की इस अपील को दलगत राजनीति से उपर उठकर देखा जाना चाहिये हमने गत जनवरी से लेकर हमारे पास जितना सामर्थ्यं था जिनती लड़ाईं लड़नी थी लड़ ली, जनता को सबवुछ बताया।

किसी ने राह दिखाने का प्रयास किया, किसी ने गुमराह करने का प्रयास किया, वो दौर अब समाप्त हो गया, देशवासियों ने अपना निर्णय दे दिया, अब चुने हुए सभी सांसदों का कर्तव्य है, सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि हमने दल के लिए जितनी लड़ाईं लड़नी थी लड़ ली अब आने वाले पांच साल के लिए हमें देश के लिए लड़ना है, देश के लिए जीना है। एक और नेक बनकर जूझना है। एक राजनेता के तौर पर मोदी के कथन में गंभीरता दिखती है। लेकिन यह भी सच है कि विपक्ष खासकर कांग्रेस शुरू से ही मोदी के खिलाफ धुरविरोध की राजनीति करती रही है और उसके नेताओं ने उनके खिलाफ अपशब्दों तक का इस्तेमाल किया जिसे किसी भी दृष्टि से जायज नहीं ठहराया जा सकता।

आप का नजरिया

विपक्ष की थाली खाली नहीं

विपक्ष ने बजट को दुराग्रही, भेदभावी और सत्यानाशी तक करार दिया है। अंतिम शब्द घोर 'असंसदीय' है। विपक्ष की सोच बेहद नकारात्मक लगती है। विपक्ष के समवेत आरोप हैं कि गैर-भाजपा शासित राज्यों को ठन-ठन गोपाल रखा गया है। उन्हें कुछ भी नहीं मिला। उनके हिस्से की राशि भी केंद्र सरकार जारी नहीं कर रही। ये भाजपा के राजनीतिक पूर्वाग्रह हैं, लिहाजा बजट संविधान-विरोधी, संघीय ढांचे के खिलाफ, राजनीतिक खुन्नस का बजट है। यह अन्यायपूर्ण है, किसान-गरीब विरोधी है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा है कि आंध्रप्रदेश और बिहार की थालियों में पकौड़े-जलेबी परोसे गए हैं, शेष थालियां खाली हैं। करीब 90 फीसदी राज्यों को कुछ नहीं दिया गया। खडग़े जैसे वरिष्ठ और बुजुर्ग सांसद की यह टिप्पणी ही पूर्वाग्रही है, अतिरंजनापूर्ण है। उनसे सवाल है कि क्या इस तरह देश का आम बजट बनाया जा सकता है? यह संपूर्ण और राष्ट्रीय बजट राज्यों का निजी बजट नहीं है, बल्कि देश के संसाधनों और मंत्रालयों का हिसाब-किताब है। क्या यह भाजपा-एनडीए का घरेलू बजट है, जिसकी बंदरबांट कर ली गई? जहां तक बजट-भाषण में राज्यों के नाम का सवाल है, तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उप्र, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश आदि राज्यों का बजट-भाषण में उल्लेख तक नहीं किया। सरकार ने 'पूर्वोदय' योजना की घोषणा की है, जिसमें बिहार, बंगाल, ओडिशा, झारखंड, आंध्रप्रदेश आदि राज्यों को रखा गया है। बहरहाल जिन राज्यों का जिक्र हमने किया है, उनमें से अधिकतर भाजपा-एनडीए शासित हैं। वित्त मंत्री तो क्या, प्रधानमंत्री भी अपने ही पक्ष की थाली को खाली नहीं रख सकते। ऐसा नहीं किया जा सकता, यह विपक्ष भी जानता है, लिहाजा बजट के मुद्दे पर संसद परिसर में ही विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सांसदों का विरोध-प्रदर्शन, पोस्टरबाजी और नारेबाजी तथा दोनों सदनों से बहिर्गमन करना बेमानी है। आरोपों के पलटवार में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन योजनाओं का खुलासा किया है, जिनके लिए बजट में आवंटन किया गया है। वित्त मंत्री ने 76,000 करोड़ रुपए की बंदरगाह का उल्लेख किया है, जिसे केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। उसका उल्लेख बजट में करना अनिवार्य है, क्योंकि बंदरगाह के लिए राशि जारी होनी है। उप्र के संदर्भ में बुंदेलखंड के 7 जिलों में प्राकृतिक खेती, कुल 12 औद्योगिक पार्कों में से 2 पार्क उप्र में, 1000 से अधिक आईटीआई में से 100 से अधिकतर ऐसे संस्थानों को उप्र में ही अपग्रेड किया जाना है, इंटर्नशिप योजना में 2 लाख से अधिक युवा उप्र के, मुफ्त अनाज योजना में सर्वाधिक लाभार्थी उप्र के, प्रधानमंत्री पक्का घर योजना के नए चरण में सबसे अधिक मकान उप्र में बनेंगे, 20000 करोड़ का कर्ज ब्याज के बिना 50 साल की अवधि के लिए और 2.23 लाख करोड़ रुपए की हिस्सेदारी केंद्रीय टैक्स में आदि ऐसे विषय हैं, जिनका उल्लेख बजट में है। कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु पर भी विपक्ष के दावे ठीक नहीं हैं।

विमान दुर्घटना के 18 मृतकों में से 17 के शव परिजनों को सौंपे, पोखरा जाते समय हुआ था दुर्घटनाग्रस्त

वॉशिंगटन, 27 जुलाई (एजेंसियां) ।

नेपाल में हुए विमान हादसे में मारे गए 18 मृतकों में से 17 के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए। बचा हुआ एक शव यमन के नागरिक अरेफ रेडा का है।

नेपाल में हुए विमान हादसे में मारे गए 18 मृतकों में से 17 के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए। बचा हुआ एक शव यमन के नागरिक अरेफ रेडा का है। पुलिस उप महानिरीक्षक दान बहादुर कार्की के अनुसार, अरेफ रेडा के शव को छोड़कर सभी शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। ज्यादातर शवों की पहचान हो गई थी। हालांकि, बुरी तरह जले हुए शवों की पहचान करने में दिक्कतें आ रही थीं। सौर्य एयरलाइंस का विमान त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद पोखरा जाते हुए दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उसमें आग लग गई थी। इस हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई। इसमें से अब तक 17 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। बचा हुआ एक शव यमन के नागरिक अरेफ रेडा का है। पुलिस उप महानिरीक्षक दान बहादुर कार्की के अनुसार, अरेफ रेडा के शव को छोड़कर सभी शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। शुक्रवार तक ज्यादातर शवों की पहचान की गई लेकिन बुरी तरह जले हुए शवों की पहचान करने में दिक्कतें आ रही थीं।

उड़ान भरने के दौरान हुआ हादसा

सौर्य एयरलाइंस के सीआरजे-200 विमान ने बुधवार को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। लेकिन थोड़ी ही देर में इसमें आग लग गई। विमान में चालक दल के दो सदस्यों, एयरलाइन के तकनीकी कर्मचारियों और एक बच्चे व उसकी मां सहित 19 लोग सवार थे।

हादसे की जांच के लिए समिति का गठन

इस दुर्घटना की जांच के लिए एक पांच सदस्यीय आयोग का बनाया गया है। आयोग का नेतृत्व नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) के पूर्व महानिदेशक रतीश चंद्र लाल सुमन करेंगे। भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आयोग को 45 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट और सिफारिशें देने का काम सौंपा गया है।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रपति पद की रेस में कमला हैरिस ने ट्रंप के सामने खुद को बताया उपेक्षित, इस वजह से जताया जीत का भरोसा

वॉशिंगटन । अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रेस अब दिलचस्प हो चुकी है। डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से कमला हैरिस के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उतरने की खबरों के बाद से ही उन्हें अमेरिकी जनता का भरपूर समर्थन भी मिल रहा है। अब रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के सामने कमला हैरिस ने खुद को उपेक्षित (अंडरडॉग) उम्मीदवार करार दिया है। हालांकि, हैरिस ने अपनी जीत की संभावना जताते हुए कहा कि उनका अभियान लोगों की शक्ति से चल रहा है। अपने पहले फंड जुटाने के कार्यक्रम (फंडरेजर) को संबोधित करते हुए कमला हैरिस ने समर्थकों से कहा कि इस साल का चुनाव दो नजरियों के बीच का चुनाव है। पहला भविष्य की तरफ देखने का नजरिया और दूसरा- देश की प्रगति को खत्म करने वाला नजरिया। हैरिस ने कार्यक्रम में 800 से ज्यादा फंड जुटाने वाले प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा, हम राष्ट्रपति पद की दौड़ में उपेक्षित हैं। स्तर तय हो चुका है। ठीक है। लेकिन हमारा एक लोगों की शक्ति से चलना वाला अभियान है और इसे गति मिल चुकी है। अमेरिकी समयानुसार हुए इस फंडरेजर में हैरिस ने 14 लाख डॉलर जुटाए, जो कि उनके लक्ष्य 4 लाख डॉलर से काफी ज्यादा रहे। इस दौरान हैरिस के लिए कई बार दर्शकों ने तालियां भी बजाई। डेमोक्रेट नेता ने कहा कि उन्हें राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए पार्टी के जरूरी प्रतिनिधियों का समर्थन मिल गया है। कमला हैरिस ने ट्रंप पर साधा निशाना उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी के नेता और राष्ट्रपति चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए पूछा, ''हम कैसे देश में रहना चाहते हैं क्या हम स्वतंत्रता, करुणा और कानून के शासन वाले देश में रहना चाहते हैं या हम अराजकता, भय और नफरत वाले देश में रहना चाहते हैं'' हैरिस ने उम्मीद जताई कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप (78) उनके साथ बहस करने पर राजी होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप उनके खिलाफ झूठ और भ्रम फैला रहे हैं।

पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने बलूचों पर की गोलीबारी! रैली में हिस्सा लेने ग्वादर जा रहे 14 घायल, 200 गिरफ्तार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित मास्तंग में बलूचों के एक समूह पर गोलीबारी हुई। इस घटना में 14 लोग घायल हो गए। बताया गया है कि यह समूह ग्वादर में एक रैली में हिस्सा लेने के लिए जा रहा था। इसी दौरान इन पर गोलीबारी हुई। आरोप है कि पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने इस समूह को निशाना बनाया है। सूत्रों के मुताबिक, इस घटना को लेकर सुरक्षाबलों और हमले का शिकार हुए बलूच संगठन- बलूच याकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। जहां कलात के डिप्टी कमिश्नर शायक बलोच ने कहा कि संगठन के बेड़े ने मास्तंग के पास लेवियस चेकपॉइंट पर हमला किया तो वहीं बलूच याकजेहती कमेटी के प्रमुख बेबर्ग बलूच ने कहा कि जब वे क्वेटा-कराची हाईवे से जा रहे थे, उसी दौरान सुरक्षाबल के एक अधिकारी ने उनके बेड़े पर गोलीबारी की। घायलों को जिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वहां पांच लोगों की हालत गंभीर बताई गई है। इस बीच बेबर्ग बलूच ने कहा कि ग्वादर जा रहे बेड़े को थाना सोना खान इलाके में रोका गया था।

सूडानी अर्धसैनिक बलों ने एल-फशर पर किया हमला, बमबारी में 22 लोगों की मौत, 17 घायल

खार्तूम। सूडानी अर्धसैनिक बलों ने एल-फशर पर हमला कर दिया। बमबारी में सूडान के नियंत्रण से बाहर दारफुर के आखिरी शहर में 22 लोग मारे गए। वहीं, 17 लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, महीने की शुरुआत के बाद से यह सबसे घातक बमबारी थी, जिसमें शहर के एक अन्य बाजार में हुई गोलीबारी में 15 लोगों की जान चली गई थी। बता दें कि एल-फशर 15 महीने तक चले युद्ध में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) को नियमित सेना के खिलाफ खड़ा करने वाला एक प्रमुख युद्धक्षेत्र बन गया है। वहीं, उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी के लिए दो महीने से अधिक समय से लड़ाई जारी है। इस क्षेत्र को मानवीय सहायता के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। 10 मई को एल-फशर के लिए लड़ाई शुरू हुई थी, जिसके बाद आरएसएफ की घेराबंदी के चलते हजारों नागरिक फंस गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हुई गोलाबारी में कुछ घर नष्ट हो गए। शहर के सऊदी अस्पताल के एक डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पशुधन बाजार और रेडायफ पड़ोस पर बमबारी में 22 लोग मारे गए और 17 घायल हो गए।

जापान में विदेश मंत्री ने महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया, एंटनी ब्लिंकन से की मुलाकात

टोक्यो, 28 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर दो दिवसीय दौरे पर जापान पहुंचे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर जापान में क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। जयशंकर के रविवार को जापान पहुंचने पर जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज ने उनका स्वागत किया। जापान में स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ भारतीय राजदूत सिबी जॉर्ज दिखाई दे रहे हैं। दुनिया को अब महात्मा गांधी के संदेश की बेहद जरूरत अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन विदेश मंत्री ने जापान के एडोगावा में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब पूरी दुनिया में संघर्ष बढ़ रहे हैं, काफी तनाव है और ध्रुवीकरण हो रहा है, खून-खराबा हो रहा है। ऐसे में ये बेहद अहम है कि हमें महात्मा गांधी के उस संदेश को याद करना चाहिए कि युद्ध के मैदान से शांति नहीं आ सकती और ये युग भी युद्ध का नहीं है। यह संदेश आज भी उतना ही प्रभावी है, जितना यह 80 साल पहले था। ब्लिंकन से मिले जयशंकर विदेश मंत्री ने जापान दौरे पर अमेरिका के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। मुलाकात के बाद विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि हमारा द्विपक्षीय एजेंडा लगातार आगे बढ़ रहा है। हमारी मुलाकात में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तृत बातचीत हुई। होने वाली क्वाड बैठक में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं। नवंबर 2017 में, भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया हिंद प्रशांत में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के लिए क्वाड की स्थापना की थी। दक्षिण चीन सागर प्रशांत और हिंद महासागर के बीच जंक्शन पर स्थित है। चीन, दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है, जबकि फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रूनेई और ताइवान ने समुद्री क्षेत्र पर जवाबी दावे किए हैं। क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे जयशंकर विदेश मंत्री एस जयशंकर 28-30 जुलाई तक जापान के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के विदेश मंत्रियों के साथ क्वाड बैठक में हिस्सा लेंगे। इस साल के अंत में भारत में क्वाड नेताओं की बैठक होनी है। ऐसे में विदेश मंत्री स्तर की बैठक में क्वाड नेताओं की बैठक की रूपरेखा तैयार की जा सकती है। क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक पहले इस साल जनवरी में होनी थी, लेकिन किन्हीं कारणों से यह बैठक टल गई थी। विदेश मंत्री स्तर की बैठक में क्वाड समूह द्वारा की गई पहल और वर्किंग ग्रुप के कामों की समीक्षा की जाएगी। इससे पहले क्वाड के चारों विदेश मंत्रियों की बीते सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में मुलाकात हुई थी।

आपको मतदान करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, ट्रंप ने ईसाई मतदाताओं से चार साल में सब ठीक करने का वादा किया

वॉशिंगटन । अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इस चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को सबसे मजबूत उम्मीदवार के तौर पर देखा जा रहा है। फ्लोरिडा में कंजर्वेटिव समूह टर्निंग प्वाइंट एक्शन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए ट्रंप ने अपने ईसाई मतदाताओं से सबकुछ ठीक करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि अगर वे (ईसाई मतदाता) उन्हें वोट देते हैं, तो वह सबकुछ ठीक कर देंगे और दोबारा वोट देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ईसाइयों आपको बाहर निकलना होगा और मतदान करना होगा। आपको अब ऐसा नहीं करना पड़ेगा। केवल और चार साल, आपको मालूम है कि क्या। सब ठीक हो जाएगा। आपको फिर मतदान करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेरे प्यारे ईसाइयों, मैं आपसे प्यार करता हूं। मैं एक ईसाई हूं। मैं आपसे प्यार करता हूं। बाहर निकलें, बाहर निकले और मतदान करें। चार वर्षों में आपको फिर से मतदान करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हम इसे ठीक कर देंगे, ताकि आपको मतदान न करना पड़े। डेमोक्रेटिक ने ट्रंप के भाषण को बताया विचित्र हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उनका कहने का क्या मतलब है। कमला हैरिस अभियान ने ट्रंप की इन टिप्पणियों पर सीधे तौर पर प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन प्रवक्ता जेसन सिंगर ने ट्रंप के भाषण को विचित्र और पिछड़ेपन की ओर देखने वाला बताया। ट्रंप ने इससे पहले कहा कि नवंबर में सत्ता में लौटने के बाद वह मैक्सिको के साथ दक्षिणी सीमा को बंद करने के लिए एक दिन के लिए तानाशाह बनेंगे। बाद में उन्होंने अपनी इस टिप्पणी को मजाक के तौर पर पेश किया। बता दें कि राष्ट्रपति जो बाइडन नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की रेस से बाहर हो चुके हैं। उनकी जगह अब डेमोक्रेटिक पार्टी ने उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को उम्मीदवार के तौर पर उतारा है। हैरिस की एंट्री के बाद से ही राष्ट्रपति चुनाव का मुकाबला कड़ा हो गया है।

दक्षिण चीन सागर में अस्थिर करने वाली हरकतों पर लगाम लगाए चीन, अमेरिकी विदेश मंत्री की ड्रैगन को चेतावनी

वियांग चान, 28 जुलाई (एजेंसियां) ।

लाओस में चल रही आसियान देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। इस दौरान ब्लिंकन ने दक्षिण चीन सागर में चीन की ओर की जा रहीं अस्थिर करने वाले हरकतों लगाम लगाने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने रूस के रक्षा औद्योगिक आधार को दिए जा रहे समर्थन को समाप्त करने के लिए भी चीन को चेताया।

लाओस में आसियान देशों की बैठक से अलग अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने दोनों देशों के बीच बातचीत को खुला रखने के लिए कहा। अमेरिका में चल रहे राष्ट्रपति चुनाव के बीच ब्लिंकन का दौरा नए व्हाइट प्रशासन के साथ दुनिया कैसे पेश आएगी, इस मामले में अहम माना जा रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई।

सचिव ने कहा कि अमेरिका सभी सहयोगी देशों के साथ मिलकर स्वतंत्र दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा। बैठक में ब्लिंकन ने चीन की ओर से रूस को रक्षा औद्योगिक आधार के लिए दिए जा रहे समर्थन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अगर चीन समर्थन समाप्त नहीं करता है, तो अमेरिका को कड़े कदम उठाने होंगे। वहीं चीनी विदेशी मंत्री वांग ने कहा कि अमेरिका की धारणा चीन के बारे में गलत है। उन्होंने तर्कसंगत और व्यावहारिक चीन नीति पर गौर करने के लिए कहा। इस दौरान दोनों देशों के बीच बातचीत जारी रखने का फैसला हुआ। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ रहा तनाव अमेरिका और चीन के बीच लगातार तनाव बढ़ रहा है। हालांकि बाइडन प्रशासन इस तनाव को कम करने पर जोर दे रहा है। हाल ही में यूक्रेन-रूस आक्रमण में चीन की ओर से रूस का समर्थन और दक्षिण चीन सागर में हो रही कार्रवाई के दौरान ताइवान को दी जा रहीं धमकियों ने चीन और अमेरिका के संबंध खराब कर दिए हैं। इसी सप्ताह उत्तरी अमेरिकी एयरो स्पेस डिफेंस कमांड ने अलास्का के पास उड़ान भर हे दो रूसी और दो चीनी बम वर्षकों को रोका था। अमेरिका और यूरोपीय संघ ने चीन पर आरोप लगाया कि रूस के रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने और रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के बीच चीन ने हथियारों की आपूर्ति की। हालांकि चीन ने इससे इन्कार किया।

चीन में तबाही लेकर आई बारिश, भूस्खलन से मलबे में दबे 18 लोग, 12 की मौत, कई घायल

ताइपे, 27 जुलाई (एजेंसियां) ।

चीन के एक गांव में भारी बारिश के चलते हुए भूस्खलन में एक घर गिर गया। इसमें एक परिवार के 18 लोग दब गए। इनमें से 12 लोगों की मौत हो गई। जबकि छह लोग घायल हो गए। मौके पर बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक मध्य चीन के हेंगयांग शहर के युएलिन गांव में पहाड़ पर अचानक आई बाढ़ के कारण सुबह करीब आठ बजे भूस्खलन हुआ। इसमें एक घर का हिस्सा ढह गया और 18 लोग दब गए। मौके पर बचाव दल ने यहां मलबे में से 12 लोगों के शव निकाले। जबकि छह घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर करीब 250 कर्मी बचाव कार्य में लगे हैं। बता दें कि चीन को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा था। वहीं देश के उत्तर और दक्षिण-पश्चिम में अचानक बाढ़ आ गई है। गेमी तूफान के चलते आने वाली चक्रवाती हवाओं के चलते यहां भारी बारिश हुई। हालांकि चीन के कई हिस्से पहले से ही बारिश के चलते बाढ़ के खतरे को लेकर अलर्ट पर थे। मौसम विभाग के मुताबिक अभी भी कई शहरों में भारी बारिश की आशंका है।

गेमी तूफान ने मचाई थी तबाही

चक्रवाती तूफान गेमी ने हाल ही में ताइवान में भीषण तबाही मचाई थी। इस तूफान से ताइवान में आठ लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग घायल हुए। गेमी से एक 64 वर्षीय स्कूटर सवार महिला की मौत हुई है, जिस पर कोहसिउंग इलाके में एक पेड़ गिर गया। वहीं हुआलिएन शहर में 44 वर्षीय एक व्यक्ति के घर की छत गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। कोहसिउंग इलाके में ही एक 78 वर्षीय व्यक्ति की भूस्खलन में मौत हुई है। इसी तरह चक्रवाती तूफान से जनित घटनाओं में अलग-अलग इलाकों में कुल आठ लोगों की मौत हुई है।

ब्रिटेन के भारतवंशी सिख सांसद जीवन सैंधर बोले-भारत के साथ लेबर पार्टी के संबंध मजबूत करने पर देंगे जोर

वियांग चान, 26 जुलाई (एजेंसियां) ।

सांसद ने कहा कि मैं भारतीय प्रवासियों का हिस्सा हूं। मैं इसे लेबर पार्टी सरकार से एक विशेष संबंध मानता हूं। भारत और ब्रिटेन के बीच एक महत्वपूर्ण साझेदारी है। भारत के साथ व्यापार समझौते पर भी काम चल रहा है। हम चाहते हैं कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के साथ हमारा संबंध बेहतर हो ताकि हम दोनों देश काफी कुछ हासिल कर सकें।

ब्रिटेन में हाल ही में हुए चुनाव में लॉफबोरो सीट से सांसद बने भारतवंशी सिख जीवन सैंधर भारत और ब्रिटेन की लेबर पार्टी सरकार के बीच संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं। उनका कहना है कि आम चुनाव में जीत के बाद उनका फोकस भारत और यहां के प्रवासी समुदाय के साथ लेबर पार्टी के संबंधों को बेहतर करने पर है। ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी की भारत यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि नई सरकार देश में परिवर्तन लाने के काम में लगी है। सांसद ने कहा कि मैं भारतीय प्रवासियों का हिस्सा हूं। मैं इसे लेबर पार्टी सरकार से एक विशेष संबंध मानता हूं। भारत और ब्रिटेन के बीच

एक महत्वपूर्ण साझेदारी है। भारत के साथ व्यापार समझौते पर भी काम चल रहा है। हम चाहते हैं कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के साथ हमारा संबंध बेहतर हो ताकि हम दोनों देश काफी कुछ हासिल कर सकें। उन्होंने कहा कि लेबर इंडियंस ने मेरी व्यक्तिगत रूप से काफी मदद की है। पार्टी ने जो कुछ हासिल किया है, उस पर हमें बेहद गर्व है। आने वाले समय में हम काफी कुछ हासिल करना चाहते हैं। मुझे अपने भारतीय होने और ब्रिटेन में अपने योगदान और पहचान पर भी गर्व है। ब्रिटेन में भारतीय संस्कृति काफी नजर आती है। अपने संसदीय क्षेत्र लॉफबोरो के बारे में काम करने को लेकर सैंधर ने कहा कि मैं अर्थशास्त्री हूं और मेरा काम अपने क्षेत्र के लोगों की जेब में अधिक पैसा पहुंचाना है। इसके लिए स्वच्छ ऊर्जा में निवेश और हरित समृद्धि को लॉफबोरो में लाने के लिए काम कर रहा हूं। इसके बाद लोगों की स्वास्थ्य सेवा मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति और युवाओं को पुलिस में शामिल करके अपराध कम करने पर फोकस किया जाएगा। सैंधर ने कहा कि चुनाव में 14 साल बाद कंजर्वेटिवों के सत्ता से बाहर होने के बाद देश में आशावाद की लहर चल रही है। हमें बहुत कुछ करना है और बहुत कुछ ठीक भी करना है। यहां चुनौतियां अधिक हैं। 1945 के बाद देश सबसे बड़े संकट में हैं और हमें बदलाव करना है। हमारे पास बदलाव करने का मौका भी है। पहली बार चुने गए सांसद जीवन सैंधर पहली बार इंग्लैंड के ईस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र की लॉफबोरो सीट से सांसद चुने गए। सैंधर का जन्म पूर्वी इंग्लैंड के ल्यूटन शहर में हुआ था। उनके माता-पिता पंजाब से ब्रिटेन शिफ्ट हो गए थे।

गोलन हाइट्स पर हमले की हिजबुल्ला को बड़ी कीमत चुकानी होगी, 11 की मौत पर नेतन्याहू की चेतावनी

तेल अवीव, 28 जुलाई (एजेंसियां) ।

इजराइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स के इलाके में रॉकेट हमले में 11 युवाओं की मौत से इजराइल बौखला गया है। आरोप है कि यह हमला हिजबुल्ला द्वारा किया गया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्ला को चेतावनी दी है कि उन्हें इस हमले की बड़ी कीमत चुकानी होगी। हालांकि हिजबुल्ला ने हमले के पीछे खुद का हाथ होने से इनकार किया है।

इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्ला को दी चेतावनी

इजराइली प्रधानमंत्री के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इजराइल इस दर्दनाक हमले पर चुप नहीं बैठेगा और हिजबुल्ला को इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी और वह कीमत ऐसी होगी, जो हिजबुल्ला ने

कभी नहीं चुकाई होगी। बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका दौरे पर हैं, लेकिन गोलन हाइट्स पर हुए हमले के बाद वह अपना दौरा बीच में छोड़कर इजराइल वापस लौट रहे हैं। इजराइली सेना ने भी हिजबुल्ला पर लगाए आरोप इजराइल की सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि यह हमला हिजबुल्ला का असली चेहरा दिखाता है, जो कि एक आतंकी संगठन है और उसने फुटबॉल खेल रहे बच्चों को निशाना बनाया और उनकी हत्या की। हगारी ने 7 अक्तूबर के बाद गोलन हाइट्स में हुए हमले को सबसे निर्मम करार दिया। इजराइली डिफेंस फोर्स ने कहा कि जब दुनिया भर के एथलीट ओलंपिक 2024 में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, तब हिजबुल्ला इजराइल के अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों की हत्या कर रहा है। बच्चों का एक समूह सिर्फ अपने जीवन के सामान्य सी खुशी का आनंद ले रहे थे, लेकिन हिजबुल्ला के रॉकेट हमले में खेल के मैदान में उनकी मौत हो गई।

गोलन हाइट्स को लेकर है विवाद

गोलन हाइट्स सीरिया की सीमा पर मौजूद एक पहाड़ी इलाका है। साल 1967 में हुए युद्ध में इजराइल ने गोलन हाइट्स के अधिकतर हिस्से पर कब्जा कर लिया था और साल 1981 में गोलन हाइट्स को अपनी सीमारेखा में मिलाने का एलान कर दिया। हालांकि इजराइल के कब्जे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता नहीं मिली है और सीरिया गोलन हाइट्स पर अपना दावा करता आ रहा है। हालांकि लंबे समय से गोलन हाइट्स का इलाका शांत है। गोलन हाइट्स का इलाका जल संसाधनों और प्राकृतिक रूप से उपजाऊ मिट्टी का इलाका है। ये भी वजह है कि सीरिया और इजराइल दोनों ही इस इलाके पर अपना दावा करते हैं। गोलन में सीरिया और इजराइल के नागरिक अपने-अपने कब्जे वाले इलाके में रहते हैं। इजराइल के कब्जे वाले इलाके पर एक फुटबॉल के मैदान पर रॉकेट हमला हुआ, जिसमें मैदान पर खेल रहे 11 इजराइली युवा और बच्चों की मौत हो गई।

श्रीलंका ने भारत को हराकर जीता महिला एशिया कप का खिताब

दांबुला, 28 जुलाई (एजेंसियां)। हर्षिता समाराविक्रमा नाबाद (69) और चमारी अट्टापटू (61) रनों की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत श्रीलंका ने रविवार को महिला एशिया कप के फाइनल मुकाबले में भारत को आठ विकेट से हराकर खिताब जीत लिया।

166 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं है। दूसरे ओवर में विश्मी गुणारत्ने (1) को रनआउट हुई। इसके बाद हर्षिता समाराविक्रमा और कप्तान चमारी अट्टापटू ने पारी को संभालते हुए तेजी से साथ रन बटोरे। 12वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने अट्टापटू को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई।

अट्टापटू ने 43 गेंदों में (61) रन बनाये। हर्षिता समाराविक्रमा ने 51 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद (69) रनों की पारी खेली। कविशा दिलहारी 16 गेंदों में (30) रन बनाकर नाबाद रही। श्रीलंका ने 18.4 ओवर में दो विकेट पार 167 रन बनाकर खिताबी मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा को एक विकेट मिला।

इससे पहले आज यहां भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 44 रन जोड़े। सातवें ओवर में कविशा दिलहारी ने शेफाली वर्मा (16) को आउटकर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद नौवें ओवर में उमा छेत्री (9) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। कप्तान हरमनप्रीत कौर (11) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (29) रन बनाकर आउट हुई। स्मृति मंधाना ने 47 गेंदों में 10 चौके लगाते हुये (60) रनों की पारी खेली। ऋचा घोष ने 14 गेदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुये (30) रन बनाये। पूजा वस्त्रकर (5) और राधा यादव (1) रन बनाकर नाबाद रही।

भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 165 का स्कोर खड़ा किया। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी ने दो विकेट लिये। उदेशिका प्रबोधनी, सचिनी निसांसला और चमारी अट्टापटू ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

न्यूज ब्रीफ

रोइंग में बलराज पंवार का शानदार प्रदर्शन, रेपेजेच के जरिए क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

पेरिस । भारत के बलराज पंवार ने रोइंग स्पर्धा के पुरुष एकल स्कल्स वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

हीट में सीधे क्वालिफिकेशन से चूकने वाले बलराज ने रविवार को पेरिस ओलंपिक में रेपेचेज के जरिए अपनी उम्मीदें बनाए रखी हैं। बलराज ने रेपेचेज-2 में दूसरे स्थान पर रहकर अंतिम आठ के लिए क्वालिफाई किया। प्रत्येक रेपेचेज से शीर्ष दो में रहने वाले खिलाड़ी को क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करना था। अब बलराज अंतिम आठ में चुनौती पेश करेंगे। बलराज ने चौथे स्थान पर रहकर रेपेचेज के लिए किया था क्वालिफाई पंवार ने सात मिनट 12.41 सेकेंड में दूसरे स्थान पर रहकर समाप्त किया। उनसे आगे मोनाको के क्वेंटिन एंटोगनेली रहे जिन्होंने 7:10:00 मिनट का समय लिया। इंडोनेशिया के मेमो 7:19:60 मिनट के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पंवार 7:07:11 मिनट के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे थे और सीधे क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच सके थे, लेकिन उन्होंने रेपेचेज दौर के लिए क्वालिफाई किया था जिस कारण उन्हें अंतिम आठ में पहुंचने के लिए दूसरा मौका मिला था। रेपेचेज-1 में स्लोवेनिया के इवान इसाक ज्वेगेल्ज और पराग्वे के जेवियर इन्सफ्रान 7:06:90 मिनट और 7:08:29 मिनट के समय के साथ क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर रहे। रेपेचेज-3 में एलजीरिया के अली सिद बोउदिना 7:10:23 मिनट के समय के साथ पहले, जबकि चुन विन चियू ने 7:12:94 मिनट का समय लेकर दूसरे स्थान पर फिनिश किया और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने में सफल रहे। रेस के दौरान लगातार दूसरे स्थान पर बने रहे बलराज बलराज पूरी रेस के दौरान दूसरे स्थान पर बने रहे। उन्होंने 500 मीटर की दूरी को एक मिनट 44:13 सेकेंड, 1000 मीटर की दूरी को तीन मिनट 33:94 सेकेंड और फिर 1500 मीटर की दूरी को पांच मिनट 23:22 सेकेंड में पार किया।

पेरिस ओलंपिक : अश्विनी और तनिषा पहले मैच में हारी

पेरिस । पेरिस ओलंपिक के महिला युगल बैडमिंटन में भारत की अश्विनी पोनप्पा और तनिषा क्रैस्टो की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ग्रुप सी के पहले मुकाबले में इस भारतीय जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा है। अश्विनी और तनिषा को दक्षिण कोरिया की किम सो यियोंग और कोंग ही योंग ने सीधे गेम में हराया। अश्विनी और तनिषा 44 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21 10-21 से हारीं। इन दोनो ने अच्छी शुरुआत की और पहले गेम में कोरियाई जोड़ी को कड़ी टक्कर दी पर ये दोनो ही इसके बाद अपनी लय बरकरार नहीं रख पाने के कारण मुकाबला हार गयीं। पहले सेट में स्कोर 4-4 से बराबर था. लेकिन, इसके बाद कोरियाई जोड़ी ने लगातार चार अंक हासिल किए और स्कोर कोरियाई टीम के पक्ष में 9-5 हो गया. पोनप्पा और कास्त्रो की भारतीय जोड़ी ने अपने स्मैश से विरोधियों के शरीर पर लगातार हमला करने की कोशिश की और पहले सेट में अंतराल तक अंतर को 11-8 तक कम कर दिया। भारतीय जोड़ी का खेल स्मैश पर निर्भर था, लेकिन कोरियाई जोड़ी पूरे मैच के दौरान कोर्ट पर अपने प्लेसमेंट और तेज रिटर्न के साथ शानदार थे जिसका भारतीय खिलाड़ियों के पास जवाब नहीं था।

भारतीय क्रिकेटर वेंकटेश अब इंग्लैंड के काउंटी मैचों में दिखाएंगे दम, फारूख इंजीनियर, सौरव गांगुली भी दिखा चुके हैं अपना जलवा

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर वेंकटेंश अय्यर इंग्लैंड में पहली बार काउंटी क्रिकेट खेलने को लेकर उत्साहित हूं।

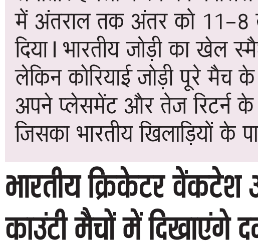

वह लैंकशायर के लिए इस साल एक दिवसीय कप और दो काउंटी चैंपियनशिप खेलेंगे। वेंकटेश ने लैंकशायर क्लब द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा कि लैंकशायर एक ऐतिहासिक क्लब है और यहां पर भारतीय खिलाड़ियों का अपना इतिहास है। फारूख इंजीनियर, सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण और हाल ही में वॉशिंगटन सुंदरलाल गुलाब की जर्सी में खेले हैं। उन्होंने कहा कि मैं उस परंपरा को आगे बढ़ाना चाहूंगा। वेंकटेश ने कहा कि इंग्लैंड की परिस्थितियों में लाल और सफेद दोनों गेंदों से अपने कौशल को परखने से मेरे खेल को बहुत लाभ होगा। मैं अपने खेल से प्रशंसकों का दिल जीत सकूंगा और दोनों प्रारुपों में अपनी टीम को लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करूंगा। बाएं हाथ के बल्लेबाज़ वेंकटेश के नाम 20 मैचों में 37.73 की औसत और एक शतक की मदद से 1132 रन हैं।

कोच सुमा के नक्शेकदम पर रमिता जिंदल, महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचीं

पेरिस, 28 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारत की रमिता जिंदल ने रविवार को इतिहास रच दिया। वह महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गई हैं। वह इस स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी भारतीय महिला एथलीट हैं। वहीं, 20 साल बाद किसी महिला एथलीट ने ऐसा किया है। 20 साल की रमिता ने खेले गए क्वालिफिकेशन राउंड में 631.5 के स्कोर के साथ क्वालिफाई किया। वह पांचवें स्थान पर रहीं। उन्होंने छह सीरीज में 104.3, 106.0, 104.9, 105.3, 105.3, 105.7 का स्कोर बनाया। वहीं, इसी स्पर्धा में भारत की एक और एथलीट एलावेनिल वलारिवान 630.7 के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रहीं और फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकीं। रमिता कल दोपहर एक बजे से अपना फाइनल मैच खेलेंगी और स्वर्ण पदक के लिए जोर लगाएंगी।

रमिता पिछले 20 साल में मनु भाकर के बाद किसी मेडल राउंड में पहुंचने वाली दूसरी महिला शूटर बन गईं। रमिता अपने कोच सुमा शिरूर (एथेंस 2004) के बाद ओलंपिक फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला राइफल शूटर हैं। रमिता ने 631.5 का स्कोर किया और क्योंकि अंतिम सीरीज तक ऐसा लग रहा था कि वह कट नहीं बना पाएंगी। हालांकि, आखिरी सीरीज में जबरदस्त वापसी से वह शीर्ष-8 में पहुंचने में कामयाब रहीं और फाइनल में पहुंच गईं। एलावेनिल आधे रास्ते तक आगे चल रही थीं, लेकिन अगली यानी आखिरी तीन सीरीज में वह पिछड़ गईं और अंतत: क्वालिफाइंग दौर में 10 वें स्थान पर रही। अंतिम सीरीज दोनों भारतीयों के लिए अंतर साबित हुई, क्योंकि दोनों ने मिश्रित टीम स्पर्धा की निराशा को पीछे छोड़ने का लक्ष्य बनाया था। रमित इसमें कामयाब रहीं, लेकिन एलावेनिल ऐसा नहीं कर सकीं।

दक्षिण कोरिया की ह्योजिन बान 634.5 के क्वालिफिकेशन रिकॉर्ड स्कोर के साथ पहले स्थान पर रहीं। नॉर्वे की जेनेट हेग 633.2 के स्कोर के साथ दूसरे और स्विटजरलैंड की ऑड्रे गोगनियाट 632.6 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। चीन की यूटिंग हुआंग 632.6 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं।

रमिता और एलावेनिल के लिए कैसा रहा क्वालिफिकशन राउंड

रमिता ने 10.5 और 10.9 के स्कोर के साथ शुरुआत की और दो शॉट के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। वलारिवान का पहला शॉट 10.6 था और वह आठवें स्थान पर चली गईं। एलावेनिल तब शॉट नंबर तीन के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गईं और रमिता रैंकिंग में नीचे खिसकने लगी थीं। एलावेनिल ने शुरुआत में कुछ शानदार शॉट्स लगाए और शुरू के 8 राउंड के बाद उनका सबसे कम स्कोर 10.4 था और उसने उस समय रैंकिंग में खुद को पांचवें स्थान पर पाया। वहीं, रमिता ने पहले राउंड का समापन 104.3 के साथ किया और दूसरी सीरीज की शुरुआत दो शॉट के बाद 21 अंकों के साथ अपने नाम की। एलावेनिल की पहली सीरीज 105.8 अंकों के साथ समाप्त हुई, जिससे वह नंबर चार पर रहीं। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरी सीरीज की शुरुआत 10.4 से की। रमिता लगातार रैंकिंग में ऊपर चढ़ती गईं और उनके 14 वें शॉट ने उन्हें 10.9 अंक दिए।

एलावेनिल ने दूसरी सीरीज में कुछ शानदार शॉट्स के साथ शीर्ष 10 के करीब खुद को बनाए रखा। इसके बाद वह आठवें स्थान पर खिसक गईं। दूसरी सीरीज के पहले पांच शॉट्स ने उन्हें 53 अंक दिलाए और शीर्ष तीन में पहुंच गईं। रमिता ने दूसरी सीरीज में 106 अंकों के साथ शुरुआत की और तीसरे मैच में धमाकेदार शुरुआत की और 31.3 अंक के साथ रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गईं। एलावेनिल ने दूसरी सीरीज में 106.1 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

रमिता और एलावेनिल के लिए कैसा रहा क्वालिफिकशन राउंड

रमिता ने 10.5 और 10.9 के स्कोर के साथ शुरुआत की और दो शॉट के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। वलारिवान का पहला शॉट 10.6 था और वह आठवें स्थान पर चली गईं। एलावेनिल तब शॉट नंबर तीन के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गईं और रमिता रैंकिंग में नीचे खिसकने लगी थीं। एलावेनिल ने शुरुआत में कुछ शानदार शॉट्स लगाए और शुरू के 8 राउंड के बाद उनका सबसे कम स्कोर 10.4 था और उसने उस समय रैंकिंग में खुद को पांचवें स्थान पर पाया। वहीं, रमिता ने पहले राउंड का समापन 104.3 के साथ किया और दूसरी सीरीज की शुरुआत दो शॉट के बाद 21 अंकों के साथ अपने नाम की। एलावेनिल की पहली सीरीज 105.8 अंकों के साथ समाप्त हुई, जिससे वह नंबर चार पर रहीं। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरी सीरीज की शुरुआत 10.4 से की। रमिता लगातार रैंकिंग में ऊपर चढ़ती गईं और उनके 14 वें शॉट ने उन्हें 10.9 अंक दिए।

एलावेनिल ने दूसरी सीरीज में कुछ शानदार शॉट्स के साथ शीर्ष 10 के करीब खुद को बनाए रखा। इसके बाद वह आठवें स्थान पर खिसक गईं। दूसरी सीरीज के पहले पांच शॉट्स ने उन्हें 53 अंक दिलाए और शीर्ष तीन में पहुंच गईं। रमिता ने दूसरी सीरीज में 106 अंकों के साथ शुरुआत की और तीसरे मैच में धमाकेदार शुरुआत की और 31.3 अंक के साथ रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गईं। एलावेनिल ने दूसरी सीरीज में 106.1 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

वर्षा बाधित मैच में भारत ने श्रीलंका को सात विकेट से हराया

दूसरे टी-20 में बिश्नोई को 3 विकेट, यशस्वी, सूर्या और हार्दिक ने खेलीं विस्फोटक पारियां

पल्लेकेले, 28 जुलाई (एजेंसियां)। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद यशस्वी, सूर्या और हार्दिक की तूफानी पारियों की बदौलत भारत ने रविवार को वर्षा बाधित दूसरे टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को सात विकेट से हरा दिया है। इसी के भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है।

162 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के स्कोर छह रन था कि बारिश ने दोबारा शुरु हो गई। इसके बाद डकवर्थ लुईस नियम के तहत बारिश से बाधित मुकाबले में भारतीय टीम को आठ ओवर में 78 रन का लक्ष्य मिला। जिसे उसने 6.3 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 81 रन बनाकर हासिल कर लिया। यशस्वी ने 15 गेंदों में 30 रन बनाए जबकि कप्तान सूर्याकुमार ने 12 गेंदों पर ताबड़तोड़ 26 रन की पारी खेली। हार्दिक पंड्या नौ गेंदों में 22 रन और ऋषभ पंत दो रन बनाकर नाबाद रहे।

श्रीलंका की ओर से महीश तीक्षणा, वानिंदु हसरंगा और मतीशा पतिराना ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां भारत ने टॉस जीतकर श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। श्रीलंका ने कुशल परेरा के शानदार अर्द्धशतक (53) और पतुम निसंका के (32) रनों की बदौलत भारत को जीत के लिए 162 रनों का लक्ष्य दिया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसका पहला विकेट 26 रन पर ही गिर गया। इसके बाद पतुम निसंका एवं कुसल परेरा ने दूसरे विकेट के लिए 80 रन जोड़े। दसवें ओवर में हार्दिक ने परेरा को रिंकू के हाथों कैच आउट कराकर श्रीलंका को चौथा झटका दिया। परेरा ने 34 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (53) रनों की पारी खेली। 130 स्कोर पर पर कामिंडु मेंडिस को हार्दिक ने रिंकू के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद नियमित अतंराल पर श्रीलंका के विकेट गिरते रहे और श्रीलंका निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 161 का स्कोर खड़ा कर सका। भारत की ओर से रवि विश्नोई ने तीन विकेट झटके वहीं अर्शदीप सिंह , अक्षर पटेल , हार्दिक पांडया ने दो दो बल्लेबाजों को आउट किया।

रियो में चोटिल, टोक्यो में नहीं दिखा दम.....पेरिस में विनेश से गोल्ड की उम्मीद

चरखी दादरी 28 जुलाई (एजेंसियां) । भारत की रेसलर विनेश फोगाट 50 किग्रा भारवर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए पदक की एक बड़ी उम्मीद हैं। यह विनेश का तीसरा ओलंपिक है, इसके पहले रियो और टोक्यो ओलंपिक में भाग ले चुकी हैं। विनेश फोगाट, गीता-बबीता फोगाट की चचेरी बहन हैं, और विनेश के ताऊ व द्रोणाचार्य अवार्डी महावीर फोगाट को विनेश से गोल्ड की आस है। रियाणा के चरखी दादरी के गांव बलाली निवासी विनेश ने अपने कुश्ती करियर में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। पेरिस ओलंपिक में विनेश 6 अगस्त को मैट पर उतरेंगी। महावीर फोगाट ने कहा कि रियो ओलंपिक में विनेश से गोल्ड मेडल की पूरी उम्मीद थी, लेकिन वह चोटिल हो गई, जिसका दुख पूरे देश को हुआ। टोक्यो ओलंपिक में भी वे देश की ख्वाश पूरी नहीं कर सकीं, जहां वह मानसिक तौर पर पिछली चोट के अनुभव से जूझ रही थीं। उन्होंने कहा, मेहनत के बूते विनेश ने वजन कम कर 50 किलोग्राम भारवर्ग में हिस्सा लिया है और वह गोल्ड मेडल जीतकर देश का दिल जीतेंगी। महावीर फोगाट ने बताया कि विनेश की मेहनत पर पूरा भरोसा है और उन्होंने विनेश को मेडल जीतने के लिए ही कुश्ती के गुर सिखाए हैं। महावीर फोगाट ने कहा कि दूसरी लड़कियां भी कुश्ती में मेडल लाएगी। हावीर फोगाट को कुश्ती में इस बार लड़कों का चयन नहीं होने का दुख है। उन्होंने कोच, अभिभावक व ट्रेनरों को लड़कों पर अधिक मेहनत करने की नसीहत दी। कुश्ती में मेहनत कर 2028 में अपनी प्रतिभा दिखाएं। उन्होंने कहा कि यह काफी दुख की बात है कि कुश्ती में एक ही लड़का गया है। इस बार ओलंपिक में एकमात्र भारतीय पुरुष रेसलर के तौर पर 57 किग्रा भारवर्ग में अमन सहरावत खेल रहे हैं। वहीं, महिला कुश्ती में विनेश के अलावा, अंतिम पंघाल, अंशु, निशा दहिया और रितिका भाग ले रही हैं।

नाइजीरियाई मुक्केबाज सिंथिया ओगुनसेमिलोर डोपिंग के लिए अस्थायी रूप से निलंबित

पेरिस, 28 जुलाई (एजेंसियां) । अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) ने कहा कि नाइजीरियाई मुक्केबाज सिंथिया टेमिटायो ओगुनसेमिलोर को पेरिस ओलंपिक में अपनी शुरुआती लड़ाई से पहले डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन करने के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। इराकी जुडोका सज्जाद सेहेन और डोमिनिकन वॉलीबॉल खिलाड़ी लिसवेल ईव मेजिया के बाद ओलंपिक खेलों की शुरुआत के बाद से डोपिंग का यह तीसरा मामला है। आईटीए ने कहा, मुक्केबाज सिंथिया टेमिटायो ओगुनसेमिलोर से लिए गए एक नमूने में एक निर्दिष्ट प्रतिबंधित पदार्थ, फ्यूरोसेमाइड (विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) निषिद्ध पदार्थों की सूची के अनुसार श्रेणी एस5 मूत्रवर्धक और मास्किंग एजेंट के रूप में वर्गीकृत) के लिए एक प्रतिकूल विश्लेषणात्मक परिणाम सामने आया।

22 वर्षीय ओगुनसेमिलोर को 60 किग्रा वर्ग में ओलंपिक टूर्नामेंट में पदार्पण करना था

ओगुनसेमिलोर को मामले की जानकारी दे दी गई है और विश्व डोपिंग रोधी संहिता और ओलंपिक गेम्स पेरिस 2024 पर लागू आईओसी डोपिंग रोधी नियमों के अनुरूप मामले का समाधान होने तक अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

इसका मतलब यह है कि मुक्केबाज को ओलंपिक गेम्स पेरिस 2024 के दौरान प्रतिस्पर्धा, प्रशिक्षण, कोचिंग या किसी भी गतिविधि में भाग लेने से रोका जाता है।

नमूना 25 जुलाई को पेरिस में प्रतियोगिता से बाहर एंटी-डोपिंग नियंत्रण के दौरान अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के परीक्षण प्राधिकरण और परिणाम प्रबंधन के तहत आईटीए द्वारा एकत्र किया गया था।

परिणाम 27 जुलाई को पेरिस की वाडा-मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला द्वारा रिपोर्ट किया गया था

सिंथिया को खेल मध्यस्थता न्यायालय - एंटी-डोपिंग डिवीजन (सीएएस एडीडी) के समक्ष अंतिम निलंबन को चुनौती देने का अधिकार है। उसे बी-नमूने के विश्लेषण का अनुरोध करने का भी अधिकार है।

24 करोड़ लोग, सात एथलीट्स, पेरिस ओलंपिक में कमेंटेटर के इस बयान से भड़के पाकिस्तानी

पेरिस, 28 जुलाई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान का 18 सदस्यीय दल 2024 ओलंपिक खेलों के लिए फ्रांस की राजधानी पेरिस पहुंच गया है। रंगारंग उद्घाटन समारोह के बाद शुक्रवार को जब इस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तो कमेंटेटर ने पाकिस्तान को लेकर कुछ ऐसा कहा जिसने सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा कर दिया है। कमेंटेटर की टिप्पणियों से सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी फैंस में नाराजगी है और उन्होंने इसे जाहिर भी किया है।

दरअसल, पाकिस्तान के दल में 18 सदस्य हैं और इसमें सात खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि कुल 11 अधिकारी इस वैश्विक प्रतियोगिता के लिए फ्रांस गए हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान, एक कमेंटेटर ने कथित तौर पर कहा, पाकिस्तान 240 मिलियन (24 करोड़) से अधिक लोगों का देश है, लेकिन केवल सात एथलीट ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस टिप्पणी से कई पाकिस्तानी लोग भड़क गए। पाकिस्तान के कई पत्रकारों ने उद्घाटन समारोह का वीडियो साझा किया, जहां कमेंटेटर ने टिप्पणी की और कहा कि इससे पाकिस्तानी लोग निराश और शर्मिंदा हुए।

पेरिस खेलों के लिए फ्रांस की यात्रा करने वाले सात एथलीटों में से सबसे प्रसिद्ध नाम भाला फेंक खिलाड़ी और पाकिस्तान की एकमात्र गोल-पदक की उम्मीद अरशद नदीम का है। निशानेबाज गुलाम मुस्तफा बशीर (25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल), गुलफाम जोसेफ (10 मीटर एयर पिस्टल, 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम) और किशमाला तलत (10 मीटर एयर पिस्टल, 25 मीटर पिस्टल, 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम) खेलों में भाग लेने वाले कुछ अन्य एथलीट हैं।

इस सूची में कुछ वाइल्ड कार्ड में एंट्री पाने वाले भी शामिल हैं। फैका रियाज (यूनिवर्सलिटी प्लेस, एथलीट, 100 मीटर दौड़), मोहम्मद अहमद दुर्रानी (200 मीटर फ्रीस्टाइल (यूनिवर्सलिटी प्लेस) और जहांआरा नबी (200 मीटर फ्रीस्टाइल (यूनिवर्सलिटी प्लेस) के नाम इसमें शामिल हैं। पाकिस्तान ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल क्वालिफिकेशन स्पर्धा के साथ अपने पेरिस ओलंपिक 2024 अभियान की शुरुआत की।

ट्रंप ने अमेरिका को बिटकॉइन सुपरपावर बनाने का किया वादा, क्रिप्टो सलाहकार परिषद स्थापित करने की घोषणा की

वॉशिंगटन,28 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होना है। राष्ट्रपति जो बाइडन इस दौड़ से बाहर हो चुके हैं। जो बाइडन की जगह डेमोक्रेटिक ने अब उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को उम्मीदवार के तौर पर उतारा। राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में कमला हैरिस की एंट्री के बाद से मुकाबला कड़ा हो गया। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को बिटकॉइन सुपरपावर बनाने का वादा किया। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह व्हाइट हाउस में दोबारा लौटे तो पूरे उद्योग के लाभ के लिए पारदर्शी नियामक मार्गदर्शन तैयार करने के लिए एक सलाहकार परिषद नियुक्त करेंगे। हालांकि, उन्होंने डिजिटल मुद्रा के औपचारिक संघीय रिजर्व का प्रस्ताव देने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने बिटकॉइन सम्मेलन को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन के अध्यक्ष गैरी जेन्सलर को बर्खास्त करने और रणनीतिक राष्ट्रीय बिटकॉइन भंडार बनाने का वादा किया। 78 वर्षीय ट्रंप ने कहा, मैं यह सुनिश्चित करने के लिए योजना बना रहा हूं कि अमेरिका ग्रह की क्रिप्टो राजधानी और दुनिया की बिटकॉइन महाशक्ति होगा। बता दें कि बिटकॉइन दुनिया की व्यापक रूपसे अपनाई जाने वाली पहली क्रिप्टोकरेंसी है।

ट्रंप ने कमला हैरिस को लेकर दी चेतावनी ट्रंप ने इसकी भी चेतावनी दी कि अगर उप राष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रपति बनती है तो बिटकॉइन निवेशकों को कुचल दिया जाएगा। उन्होंने कहा, वे (डेमोक्रेटिक) आपका गला घोंटना चाहते हैं। वे आपको व्यवसाय से बाहर करना चाहते हैं। हम ऐसा होने नहीं देंगे। और अब आपकी सरकार बिटकॉइन से जुड़ी नौकरियों और व्यवसायों को दूसरे देशों में भागते हुए चुपचाप देखती नहीं रहेगी, क्योंकि अमेरिका के कानून बहुत सख्त हैं। हम अमेरिका में सभी बिटकॉइन नौकरियां रखेंगे। डोनाल्ड ट्रंप वार्षिक क्रिप्टोकरेंसी कॉन्फ्रेंसी को संबोधित करने वाले प्रमुख पार्टी उम्मीदवार हैं। उन्होंने बिटकॉइन और क्रिप्टो राष्ट्रपति सलाहकार परिषद स्थापित करने का वादा किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेसियों ने दी...

बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियन (केरल) द्वारा मुशर्रफ को सम्मानित करने की योजना का तीखा विरोध हुआ, जिसके बाद यूनियन ने अपना पूर्व निर्धारित कार्यक्रम तो किया, लेकिन परवेज मुशर्रफ को श्रद्धांजलि देने का काम नहीं किया। इस कार्यक्रम की सबसे खास बात यह है कि जिस कार्यक्रम में मुशर्रफ को श्रद्धांजलि दिए जाने की बाकायदा पूर्व घोषणा हो चुकी थी और पोस्टर लग चुके थे, उस कार्यक्रम का उद्घाटन कांग्रेस के सबसे बड़े नेताओं में से एक और मौजूदा सांसद केसी वेणुगोपाल ने किया। इस कार्यक्रम में कांग्रेसी सांसद केसी वेणुगोपाल के अलावा बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियन, ऑल इंडिया बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन और ऑल केरल बैंक एम्प्लाइज फेडरेशन के वरिष्ठ पदाधिकारी इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

परवेज मुशर्रफ के प्रति श्रद्धांजलि देने का मामला सामने आने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने अलपुझा में बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियन (केरल) के सम्मेलन स्थल पर विरोध प्रदर्शन किया। श्रद्धांजलि सूची से नाम हटाए जाने के बाद भी उन्होंने विरोध प्रदर्शन जारी रखा। सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि सरकारी बैंक के कर्मचारी भारत पर हमला करने वाले पाकिस्तानी तानाशाह को श्रद्धांजलि दें, यह खुला राष्ट्रद्रोह है।

नेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ बैंक वर्कर्स और नेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ बैंक ऑफिसर्स ने इस घटनाक्रम पर बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियन (केरल) के राष्ट्रविरोधी चरित्र की निंदा की है। इस बारे में जारी एक बयान में कहा गया है कि संगठन ने जानबूझकर करगिल विजय दिवस के ठीक एक दिन बाद मुशर्रफ को श्रद्धांजलि देने का फैसला किया। उन्होंने कहा, यह बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों का भी अपमान है, जिनमें से कुछ ने करगिल युद्ध में भी भाग लिया था और जो वर्तमान में बैंकिंग क्षेत्र में कार्यरत हैं। हम बहुत दुख के साथ इस राष्ट्रविर-ोधी कृत्य की निंदा करना चाहते हैं। बैंकर्स वॉयस द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए बयान में कहा गया है कि उनकी मूल संस्था एआईबीईए का भी राष्ट्रविरोधी तत्वों का समर्थन करने का एक लंबा इतिहास रहा है। बयान में कहा गया है, भारत चीन संघर्ष के दौरान हमारे सैनिकों को रक्तदान के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने और हाल ही में टुकड़े टुकड़े गैंग और फिलिस्तीनियों को दान देने के उनके कृत्यों को याद रखें, जो वैश्विक आतंकवादी संगठन हमास का समर्थन करते हैं।

इस मामले में वित्त मंत्रालय से तुरंत हस्तक्षेप करने और कार्यक्रम से जुड़े बैंक के अधिकारियों कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई है। बयान में कहा गया, हम बैंक ऑफ इंडिया से आग्रह करते हैं कि इस बैठक में शामिल उन कर्मचारियों को निष्कासित किया जाए जो बहादुर शहीदों का अपमान कर रहे हैं और बैंक को बिना किसी देरी के इस ट्रेड यूनियन की मान्यता रद्द कर देनी चाहिए। हम बीएमएस से आग्रह करते हैं कि वह भारत सरकार के अधिकारियों को उचित कार्रवाई शुरू करने के लिए सूचित करे। बैंक ऑफ इंडिया एक सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है, जिसका मुख्यालय मुंबई में है। बैंक प्रबंधन ने अभी तक इस घटनाक्रम पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को करगिल विजय दिवस के ठीक दो दिन बाद बैंक कर्मचारी संघ द्वारा मुशर्रफ को सम्मानित किया जाना था। करगिल युद्ध के दौरान परवेज़ मुशर्रफ़ ही पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष थे और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ ने दावा किया था कि करगिल आक्रमण की योजना मुशर्रफ़ ने बनाई थी और उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी।

हार से मन...

पीएम मोदी ने इस दौरान मुख्यमंत्रियों की तारीफ करते हुए विधानसभा चुनाव को देखते हुए उनका मनोबल बढ़ाया है। पीएम मोदी ने कहा कि पार्टी ने लोकसभा और विधानसभा दोनों ही चुनाव में बहुत अच्छा परफॉर्म किया और किसी भी तरह से मन छोटा करने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अयोध्या, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन महाकाल कॉरिडोर के तर्ज पर अन्य राज्यों में भी धार्मिक और सांस्कृतिक उत्थान के कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, इसके लिए सभी राज्य को अपने-अपने क्षेत्रों में योजना बनाकर प्राचीन और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों की मरम्मत कर उन्हें दोबारा स्थापित करवाने की कोशिश करनी चाहिए।

बैठक में प्रधानमंत्री ने त्रिपुरा सरकार के गवर्नमेंट एट योर डोर स्टेप कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि इसे अन्य राज्यों को भी फॉलो करना चाहिए। बैठक में प्रधानमंत्री ने असम सरकार की सरकारी रोजगार देने की स्कीम की भी प्रशंसा की, साथ ही बताया कि किस तरह योजनाबद्ध तरीके से असम ने पिछले सालों में 1 लाख नौकरियां दी हैं जो कि सकारात्मक रहा।

बैठक में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा ने बैठक में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री परिषद की दो दिवसीय बैठक शनिवार को शुरू हुई थी। पीएम मोदी ने भाजपा शासित राज्यों में जारी कल्याणकारी योजनाओं की कवरेज सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि इसे सुशासन के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों, खासकर गरीबों की मदद के लिए भाजपा शासित राज्यों की सरकारों के प्रयासों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी पार्टी सुशासन को आगे बढ़ाने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रही है। भाजपा द्वारा नियमित अंतराल पर आयोजित मुख्यमंत्री परिषद का उद्देश्य राज्यों में प्रमुख योजनाओं की समीक्षा करना, शासन के सर्वोत्तम तौर-तरीकों और केंद्र सरकार की कल्याणकारी पहल को लागू करना है।

बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, राजस्थान के भजनलाल शर्मा और ओड़ीशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी शामिल हुए। मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, हरियाणा, मणिपुर और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों ने भी विचार-विमर्श में हिस्सा लिया। यह बैठक 23 जुलाई को संसद में केंद्रीय बजट पेश किए जाने के बाद हो रही है। विपक्ष ने बजट में बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष तवज्जो दिये जाने और अन्य राज्यों की अनदेखी करने के लिए केंद्र की आलोचना की थी।

लोकसभा चुनाव के बाद यह पहली बैठक है। आम चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और पार्टी संसद के निचले सदन में अपने बूते बहुमत का आंकड़ा हासिल नहीं कर सकी। शुक्रवार से शुरू हुए भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के परिषद में हिस्सा लेने के लिए 13 मुख्यमंत्री और 15 उपमुख्यमंत्री भाजपा मुख्यालय पहुंचे।

बैठक में राम मंदिर कॉरिडोर और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर राज्य कैसे अपने अपने प्रमुख मंदिरों के विकास को लेकर योजना बनाने को लेकर भी चर्चा हुई। सरकार की नीतियों का लाभ जनता तक सीधे पहुंचाने पर प्रधानमंत्री ने जोर दिया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में 2047 तक भारत को कैसे विकसित भारत राज्य और केंद्र के संयोजन से बनाया जाए इसे लेकर विस्तार से बताया।

बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक मौजूद रहे। मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, मणिपुर के सीएम बिरेन सिंह, ओड़ीशा के सीएम मोहन चरण माझी और त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा भी बैठक में शामिल हुए।

तेलंगाना समेत...

जैसे राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र का कार्यकाल 22 जुलाई को पूरा हुआ और उन्हें 28 जुलाई को हटा दिया गया। उत्तर प्रदेश की मौजूदा राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का पांच साल का कार्यकाल भी पूरा होने जा रहा है। आनंदीबेन पटेल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खास मानी जाती हैं, लिहाजा यह सवाल भी उठ रहा है कि वे हटेंगी या उनका कार्यकाल बढ़ाया जाएगा।

किसी राज्य के गवर्नर के तौर पर लगातार 5 साल का कार्यकाल एक अहम राजनीतिक पड़ाव होता है, क्योंकि प्रायः इसके बाद राज्यपाल बदल दिए जाते हैं। मोदी सरकार में भी यह रवायत बरकरार रही है। अगर बहुत बारीकी से नजर डालें तो पाएंगे कि मोदी युग (पहला और दूसरा कार्यकाल) में कम से कम 60 लोग राज्यपाल की कुर्सी तक पहुंचे। पिछले 10 बरसों के दौरान इन्हीं 60 का तबादला इस राज्य से उस राज्य होता रहा। और मौका-बेमौका यही अतिरिक्त प्रभार भी पाते रहे। मोदी के दौर में राज्यपाल नियुक्त हुए 60 में से 12 लोग ऐसे रहे जिन्हें एक राज्य विशेष में लगातार 5 साल या उससे दो-चार महीने अधिक काम करने का मौका मिला। इनमें केसरीनाथ त्रिपाठी (पश्चिम बंगाल), राम नाईक (उत्तर प्रदेश), ओम प्रकाश कोहली (गुजरात), सी. विद्यासागर राव (महाराष्ट्र), पी. सतसिवम (केरल), कल्याण सिंह (राजस्थान), विजयेन्द्र पाल सिंह (पंजाब) और पद्मनाभ आचार्य (नागालैंड) 5-5 साल लगातार पद पर काबिज रहे। जबकि मृदुला सिन्हा (गोवा), बीडी मिश्रा (अरुणाचल प्रदेश), प्रोफेसर गणेश लाल (ओडिशा) और जगदीश मुखी (असम) 5 साल से कुछ महीने ज्यादा राज्यपाल रहे।

जिन्होंने 5 साल वाले कटऑफ को पार किया, ऐसे नाम केवल दो रहे हैं। पहला वजूभाई वाला और दूसरा द्रौपदी मुर्मू। वजूभाई कर्नाटक में करीब 7 साल तक और मुर्मू झारखंड में तकरीबन 6 साल लगातार राज्यपाल रहीं। इस तरह, मोदी युग में एक राज्य विशेष में लगातार किसी को भी जो अधिकतम कार्यकाल मिला, वह औसतन 5 साल का रहा। इस तथ्य की रौशनी में अगर हम मौजूदा राज्यपालों के कार्यकाल पर गौर करें तो एक दिलचस्प इशारा मिलता है। उत्तर प्रदेश में आनंदीबेन पटेल के अलावा गुजरात में आचार्य देवव्रत बतौर राज्यपाल 5 साल पूरा करने जा रहे हैं।

इसी तर्ज पर केरल में आरिफ मोहम्मद खान और राजस्थान में कलराज मिश्र राज्यपाल के रूप में 5 साल की अवधि पूरा करने वाले राज्यपाल रहे। इनमें कलराज मिश्र तो हट गए। अब आरिफ मोहम्मद खान पर सबकी निगाह है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में आखिरी दफा अक्टूबर 2023 में नए राज्यपालों की नियुक्ति हुई थी। ऐसे में, जब कभी अगले दौर की नियुक्ति होगी तो मुमकिन है उत्तर प्रदेश, गुजरात और केरल में राज्यपाल बदल जाएं।

मोदी युग के राज्यपालों पर केंद्र सरकार के मोहरे की तरह पेश आने के आरोप लगते रहे हैं। गैर-भाजपा शासित राज्य, खासकर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल में राज्य सरकार और राज्यपालों के बीच की खिटपिट, तनातनी की खबरें पिछले कुछ वर्षों में आम रही हैं। मोदी के पहले और दूसरे कार्यकाल के दौरान त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश जैसे उत्तर पूर्व के राज्यों में सबसे ज्यादा राज्यपाल आए और गए। पिछले 10 बरस के दौरान त्रिपुरा, अरुणाचल में कम से कम 6 तो मिजोरम, मेघालय में 5 राज्यपाल नियुक्त हुए। जिन राज्यों में औसतन हर दूसरे साल राज्यपाल बदले, उनमें उत्तर पूर्व के अलावा उत्तर भारत के भी दो राज्य (हिमाचल प्रदेश और बिहार) रहे। मोदी युग के दौरान इन दोनों राज्यों में अब तक 5-5 राज्यपालों की नियुक्ति हो चुकी। बिहार में रामनाथ कोविंद से जो सिलसिला शुरू हुआ, वह सत्यपाल मलिक, लालजी टंडन, फागू चौहान होते हुए अब राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर पर आकर थमा है।

जमानत याचिकाओं ...

दरअसल, भारत के मुख्य न्यायाधीश बर्कले सेंटर में मनमानी गिरफ्तारियों से जुड़े एक सवाल के जवाब में ये बातें कहीं। संवाद के दौरान एक व्यक्ति ने कहा, हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं, जहां पहले किसी के द्वारा कोई कृत्य किया जाता है और उसके बाद माफी मांगी जाती है। यह तब सच हो जाता है जब नागरिक संस्थाओं द्वारा राजनीति से प्रेरित होकर कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, और विपक्षी पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी सभी तरह की कार्रवाइयां इस भरोसे के साथ की जातीं हैं कि न्याय मिलने में देरी होगी। इसके जवाब में सीजेआई ने कहा, हमें उन लोगों पर भरोसा करना सीखना होगा, जो इस कानून प्रणाली का हिस्सा हैं। हमें निचली अदालतों को इस बात के लिए प्रेरित करना होगा कि जो लोग जमानत की मांग कर रहे हैं, उनकी चिंताओं का भी ध्यान रखा जाए।

सीजेआई ने कहा, आज की मुख्य समस्या यह है कि निचली अदालतों के न्यायाधीश द्वारा किसी को राहत देने के मामले में संदेहास्पद स्थिति नजर आती है। इस मतलब ये है कि निचली अदालतों के न्यायाधीशों द्वारा अपराध से जुड़े कुछ गंभीर मामलों में याचिकाकर्ता को जमानत नहीं दी जाती। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायाधीशों को हर मामले की बारीकियों को देखना चाहिए और इसके लिए मजबूत सामान्य ज्ञान की भावना का होना आवश्यक है।

शूटिंग में भारत...

2012 लंदन ओलंपिक में गगन नारंग और विजय कुमार ने शूटिंग में पदक जीता था। यह शूटिंग में भारत का पांचवां पदक है। मनु से पहले चारों एथलीट्स पुरुष थे। वह राज्यवर्धन सिंह राठौड़, अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग और विजय कुमार के क्लब में शामिल हो गईं।महज नौ माह पहले तक मनु भाकर 10 मीटर एयर पिस्टल की भारतीय टीम में भी शामिल नहीं थीं। बीते वर्ष वह हांगझोऊ एशियाई खेलों में खेलीं, लेकिन इस इवेंट की टीम में नहीं थीं। यह वह इवेंट है जो उनके दिल के सबसे करीब है। एशियाड से पहले मनु भाकर ने पिछले सारे विवादों को भुलाकर कोच जसपाल राणा का हाथ थामा तो इसकी एक वजह 10 मीटर एयर पिस्टल में वापस प्रभुत्व स्थापित करना था। एशियाड के बाद मनु का समर्पण और जसपाल का साथ काम आया। मनु ने न सिर्फ 10 मीटर एयर पिस्टल की ओलंपिक टीम में जगह बनाई बल्कि शनिवार को क्वालीफाइंग दौर में 580 का विश्वस्तरीय स्कोर कर तीसरे स्थान पर रहते हुए इस इवेंट के फाइनल में भी जगह बनाई।

मनु 50 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और 70 से अधिक राष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। 2021 में हुए ओलंपिक में वह सातवें स्थान पर रहीं। 2023 में मनु ने एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था। वह पेरिस ओलंपिक में 21 सदस्यीय भारतीय शूटिंग टीम से कई व्यक्तिगत स्पर्धाओं में हिस्सा लेने वाली एकमात्र एथलीट हैं। हरियाणा के झज्जर में जन्मीं मनु भाकर ने स्कूल के दिनों में टेनिस, स्केटिंग और मुक्केबाजी समेत कई खेलों में हिस्सा लिया। मुक्केबाजी खेलते वक्त मनु के आंख पर चोट लग गई थी। इसी के बाद उनका बॉक्सिंग में सफर खत्म गया। हालांकि, मनु के अंदर खेलों को लेकर एक अलग जुनून था, जिसके चलते वह एक बेहतरीन निशानेबाज बनने में कामयाब रहीं। अब उन्होंने देश को गौरवान्वित किया है।

मनु कभी कबड्डी के मैदान में उतरीं तो कभी कराटे में हाथ आजमाया। शूटिंग को प्राथमिक रूप से चुनने से पहले मनु ने स्केटिंग, मार्शल आर्ट्स, कराटे, कबड्डी सब खेला। 16 साल की उम्र में मनु ने 2018 में आईएसएसएफ विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया और दो स्वर्ण पदक जीते। उसी साल मनु ने राष्ट्रमंडल खेलों और यूथ ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया। दोनों प्रतियोगिताओं में मनु ने स्वर्ण पदक हासिल किया।

मनु के पिता राम किशन भाकर ने उनका हमेशा साथ दिया। पिता ने मनु को पूरा समर्थन दिया। जिस खेल में उन्हें आगे बढ़ने का मन था उसी में बढ़ने दिया। बहुत से विद्यार्थियों की तरह मनु भी नौवीं कक्षा तक डॉक्टर बनना चाहती थीं। वह खेल में शुरू से अच्छी रही लेकिन पढ़ाई पर मुख्य ध्यान रहा। 10वीं में मनु के जीवन का अलग मोड़ आया, जब कक्षा में टॉप करने के साथ उनका चयन शूटिंग के लिए राष्ट्रीय टीम में हुआ। उनके कोच अनिल जाखड़ के कहने पर मनु ने शूटिंग को एक मौका दिया और 11वीं में जब वह 16 साल की थी तब आईएसएसएफ विश्व कप, राष्ट्रमंडल खेल और यूथ ओलंपिक खेल में स्वर्ण पदक जीतकर अपना नाम बनाया।

बंगाल में हालात...

उन्होंने पत्र में कहा है कि ममता बनर्जी दिल्ली में तो संत बन जाती हैं, लेकिन वो पश्चिम बंगाल में शैतान बन जाती हैं।

अधीर रंजन चौधरी ने ममता पर एक के बाद एक आरोप लगाए और यहां तक कह दिया कि ममता झूठ बोल रही हैं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है। वे खुद बंगाल में तानाशाही करती हैं। अधीर रंजन चौधरी ने कहा, नीति आयोग की बैठक के बारे में ममता बनर्जी जो बातें कह रही हैं, मुझे लगता है कि वह झूठ बोल रही हैं। यह बहुत आश्चर्यजनक है कि किसी राज्य के सीएम को बोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ममता बनर्जी जानती थीं कि वहां क्या होने वाला है। उनके पास पहले से ही स्क्रिप्ट थी। अधीर रंजन चौधरी ने दावा किया है कि जिस तरह से राहुल गांधी की देशभर में लोकप्रियता बढ़ रही है, उससे ममता बनर्जी को जलन हो रही है।

अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि दिल्ली में ममता बनर्जी संत की तरह नजर आती हैं लेकिन कोलकाता आते ही इनका रूप बदल जाता है। बंगाल में अघोषित आपातकाल है। तानाशाही का स्वरूप रोज देखने को मिलता है। ममता लगातार झूठ बोल रहीं हैं कि बोलने का मौका नहीं दिया जाता है। इतना ही नहीं अधीर ने यह भी कहा कि चुनाव हो या न हो, बंगाल में जिस तरह की अराजकता का सामना करना पड़ रहा ह। नगर निगम चुनाव में हमें वोट देने का मौका नहीं मिला। जबरदस्ती चुनाव जीतते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान, वहाँ केंद्र द्वारा सुरक्षा बल तैनात किए गए थे इसलिए कुछ स्थानों पर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से हुआ लेकिन हम निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते कि सभी जगह मतदान शांतिपूर्ण ढंग से हुआ।

इस बीच, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे पत्र में भी उन्होंने पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का मुद्दा उठाया है। चौधरी ने दो पन्नों के पत्र में लिखा, मैं पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक जीवन में शिष्टाचार और कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए आपके हस्तक्षेप की मांग करता हूं। मेरे लिए, व्यक्तिगत स्तर पर, राज्य में अराजक स्थिति को देखना न केवल परेशान करने वाला है, बल्कि बहुत पीड़ादायक भी है, जिसका कारण सत्तारूढ़ पार्टी का विपक्ष के कार्यकर्ताओं, समर्थकों और समर्थकों के प्रति क्रूर रवैया है। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा फैलाए गए आतंक के कारण विपक्षी पार्टी के सदस्यों और कार्यकर्ताओं को काफी नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन बहुत गहरी चिंता वाली बात जिस पर तत्काल ध्यान दिए जाने की जरूरत है, वह है पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा जारी रहने और विपक्षी कार्यकर्ताओं को धमकाया जाना।

अधीर रंजन ने पत्र में इसका भी उल्लेख किया है कि पश्चिम बंगाल में विपक्ष के कार्यकर्ताओं पर हमले बढ़े हैं। राज्य में अराजक स्थिति बहुत पीड़ादायक है। राज्य में कई निर्दोष लोगों की जान गई है और कई लोगों के जेल में डाल दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि संदेशखाली घटना और मुर्शिदाबाद झड़पों का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब ध्रुवीकरण के लिए किया गया। अधीर रंजन ने कहा कि राज्य में विपक्ष के लिए कोई भी जगह नहीं है। अघोषित आपातकाल जैसे हालात हैं।

जैसा राजदीप ने ...

जबकि आम जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए नीति आयोग के साथ समन्वय आवश्यक है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, केरल के पिनाराई विजयन, कर्नाटक के सिद्धारमैया, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और पंजाब के सीएम भगवंत मान ने इस बैठक का बहिष्कार किया। जबकि, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नई दिल्ली में हुई इस बैठक में पहुंचीं, लेकिन वो बीच मीटिंग में ही इसका बॉयकॉट करते हुए निकल गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बात नहीं सुनी गई, उनका माइक ऑफ कर दिया गया था।

राजदीप सरदेसाई ने हाल ही में कहा था, ये संघीय देश है। विपक्ष के मुख्यमंत्री इसमें नहीं जा रहे हैं, मुझे लगता है सिर्फ ममता बनर्जी और हेमंत सोरेन इसमें जाएंगे। ऐसी चर्चा है कि वो अपनी बात रख कर वॉकआउट भी कर सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने ठीक वैसा ही किया है, जैसा राजदीप सरदेसाई ने कहा था। यहां एक और बात ध्यान में रखने लायक है कि इंडिया टुडे के कंसल्टिंग एडिटर राजदीप सरदेसाई की पत्नी सागरिका घोष टीएमसी से ही राज्यसभा सांसद हैं।

अपनी संस्कृति पर ...

मैदाम, टीले नुमा एक ढांचा होता है, जो ऊपर मिट्टी से ढंका होता है, और नीचे एक या उससे ज्यादा कमरे होते हैं। ये मैदाम, अहोम साम्राज्य के दिवंगत राजाओं और गणमान्य लोगों के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान प्रकट करने का ये तरीका बहुत यूनिक है। इस जगह पर सामुदायिक पूजा भी होती थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, अहोम साम्राज्य के बारे में दूसरी जानकारियां आपको और हैरान करेंगी। 13वीं शताब्दी से शुरू होकर ये साम्राज्य 19वीं शताब्दी की शुरुआत तक चला। इतने लंबे कालखंड तक एक साम्राज्य का बने रहना बहुत बड़ी बात है। शायद अहोम साम्राज्य के सिद्धांत और विश्वास इतने मजबूत थे, कि उसने इस राजवंश को इतने समय तक कायम रखा। मुझे याद है कि, इसी वर्ष 9 मार्च को मुझे अदम्य साहस और शौर्य के प्रतीक, महान अहोम योद्धा लसित बोरफुकन की सबसे ऊंची प्रतिमा के अनावरण का सौभाग्य मिला था। इस कार्यक्रम के दौरान, अहोम समुदाय आध्यात्मिक परंपरा का पालन करते हुए मुझे अलग ही अनुभव हुआ था। लसित मैदाम में अहोम समुदाय के पूर्वजों को सम्मान देने का सौभाग्य मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। अब चराईदेउ मैदाम के वैश्विक धरोहर बनने का मतलब होगा कि यहां पर और अधिक पर्यटक आएंगे। आप भी भविष्य के अपनी यात्रा योजना में इसे जरूर शामिल करिएगा। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इस स्थल को अपने भविष्य की योजनाओं में जरूर शामिल करें। प्रधानमंत्री ने कहा, अपनी संस्कृति और अपनी जड़ों के प्रति गौरव ही किसी स्वाभिमान राष्ट्र की पहचान होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रोजेक्ट परी का जिक्र किया और कहा, कोई भी देश अपनी संस्कृति पर गर्व करके ही तरक्की कर सकता है। भारत में भी ऐसे कई प्रयास हो रहे हैं। ऐसा ही एक प्रयास है प्रोजेक्ट परी। प्रधानमंत्री ने कहा, अब आप परी सुनकर भ्रम में मत आइएगा। ये परी स्वर्गीय कल्पना से नहीं, बल्कि धरती को स्वर्ग बना रही योजना से जुड़ी है। परी यानि पब्लिक आर्ट ऑफ इंडिया। प्रोजेक्ट परी सार्वजनिक कला को लोकप्रिय बनाने के लिए उभरते कलाकारों को एक मंच पर लाने का बड़ा माध्यम बन रहा है। आप देखते होंगे सड़कों के किनारे, दीवारों पर, अंडरपास में बहुत ही सुंदर पेंटिंग्स बनी हुई। ये पेंटिंग्स और ये कलाकृतियां यही कलाकार बनाते हैं जो परी योजना से जुड़े हैं। इससे जहां हमारे सार्वजनिक स्थानों की सुंदरता बढ़ती है, वहीं हमारी संस्कृति को और ज्यादा प्रसिद्ध बनाने में भी मदद मिलती है। उदाहरण के लिए, दिल्ली के भारत मंडपम को ही लीजिए। यहां देश भर की अद्भुत कलाकारी आपको देखने को मिल जाएंगी। दिल्ली में कुछ अंडरपास और फ्लाईओवर पर भी आप ऐसे खूबसूरत पब्लिक आर्ट देख सकते हैं। मैं कला और संस्कृति प्रेमियों से आग्रह करूंगा कि वे भी पब्लिक आर्ट पर और काम करें। ये हमें अपनी जड़ों पर गर्व करने की सुखद अनुभूति देगा।

पीएम मोदी ने नशे के खिलाफ लड़ाई की भी बात कही। उन्होंने कहा, सरकार ने नशे के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ा कदम उठाते हुए मानस नाम से एक विशेष केंद्र खोला है। हाल ही में मानस के लिए हेल्पलाइन और पोर्टल शुरू किया गया है। सरकार ने एक टोल-फ्री नंबर 1933 भी जारी किया है। कोई भी व्यक्ति इस नंबर पर कॉल करके पुनर्वास से जुड़ी जरूरी सलाह या जानकारी प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा, हर परिवार की यह चिंता होती है कि कहीं उनका बच्चा ड्रग्स की चपेट में न आ जाए। अगर किसी के पास ड्रग्स से जुड़ी कोई दूसरी जानकारी भी है, तो वो, इसी नंबर पर सूचना साझा भी कर सकते हैंख मानस के साथ साझा की गई हर जानकारी गोपनीय रखी जाती है ख

उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए आनंद महसूस हो रहा है कि खादी ग्रामोद्योग का कारोबार पहली बार डेढ़ लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। सोचिए, डेढ़ लाख करोड़ रुपए! और जानते हैं, खादी की बिक्री कितनी बढ़ी है? 400 प्रतिशत। प्रधानमंत्री ने कहा कि खादी और हैंडलूम उत्पादों की बढ़ती बिक्री देश में रोजगार के नये अवसर भी पैदा कर रही है और चूंकि, इससे महिलाएं सबसे ज्यादा जुड़ी हैं, तो सबसे ज्यादा फायदा भी उन्हीं को हो रहा है। अगस्त के महीने को आजादी का महीना करार देते हुए मोदी ने कहा कि लोगों के पास भांति-भांति के वस्त्र होंगे, लेकिन अभी तक उन्होंने यदि खादी के वस्त्र नहीं खरीदे हैं, तो वे इस साल से ही इनकी खरीदारी शुरू कर दें। उन्होंने कहा, अगस्त का महीना आ गया है। यह आजादी मिलने का महीना है, क्रांति का महीना है। इससे बढ़िया अवसर और क्या होगा खादी खरीदने के लिए।

प्रधानमंत्री ने हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि हरियाणा के रोहतक जिले की ढाई सौ से अधिक महिलाओं के जीवन में समृद्धि के रंग भर दिए हैं। हथकरघा उद्योग से जुड़ी ये महिलाएं पहले छोटी-छोटी दुकानें और छोटे-मोटे काम कर गुज़ारा करती थीं। लेकिन हर किसी में आगे बढ़ने की इच्छा तो होती ही होती है। इसलिए उन्होंने स्वयं सहायता समूह की संस्था उन्नति से जुड़ने का फैसला किया, और इस ग्रुप से जुड़कर, उन्होंने ब्लॉक प्रिंटिंग और रंगाई में प्रशिक्षण लिया। कपड़ों पर रंगों का जादू बिखेरने वाली ये महिलाएं आज लाखों रुपए कमा रही हैं। इनके बनाए चादर, साड़ियों और दुपट्टों की बाजार में भारी मांग है।

पीएम ने कहा, रोहतक की इन महिलाओं की तरह देश के अलग-अलग हिस्सों में कारीगर, हैंडलूम को लोकप्रिय बनाने में जुटी हैं। चाहे ओड़ीशा की संबलपुरी साड़ी हो, चाहे मध्य प्रदेश की माहेश्वरी साड़ी हो, महाराष्ट्र की पैठाणी हो या विदर्भ के हैंड ब्लॉक प्रिंट्स हों, चाहे हिमाचल के भूट्टिको के शॉल और ऊनी कपड़े हों, या फिर जम्मू-कश्मीर के कनि शॉल हों। देश के कोने-कोने में हैंडलूम कारीगरों का काम छाया हुआ है। और आप ये तो जानते ही होंगे, कुछ ही दिन बाद 7 अगस्त को हम राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस मनाएंगे। आजकल, जिस तरह हैंडलून उत्पादों ने लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है, वो वाकई बहुत सफल है, जबरदस्त है। अब तो कई निजी कंपनियां भी एआई के माध्यम से हैंडलूम उत्पाद को बढ़ावा दे रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कल टाइगर दिवस की याद दिलाई और कहा, भारत में तो बाघ, हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा हैख हम सब बाघों से जुड़े किस्से-कहानियां सुनते हुए बड़े हुए हैंख जंगल के आसपास के गांव में तो हर किसी को पता होता है कि बाघ के साथ तालमेल बिठाकर कैसे रहना हैख हमारे देश में ऐसे कई गांव है, जहां इंसान और बाघ के बीच कभी टकराव की स्थिति नहीं आती ख लेकिन जहां ऐसी स्थिति आती है, वहां भी बाघों के संरक्षण के लिए अभूतपूर्व प्रयास हो रहे हैंख जन-भागीदारी का ऐसा ही एक प्रयास है कुल्हाड़ी बंद पंचायतख राजस्थान के रणथंभौर से शुरू हुआ कुल्हाड़ी बंद पंचायत अभियान बहुत दिलचस्प है। स्थानीय समुदायों ने स्वयं इस बात की शपथ ली है कि जंगल में कुल्हाड़ी के साथ नहीं जाएंगे और पेड़ नहीं काटेंगे। इस एक फैसले से यहां के जंगल, एक बार फिर से हरे-भरे हो रहे हैं, और बाघों के लिए बेहतर वातावरण तैयार हो रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, महाराष्ट्र का ढताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व बाघों के प्रमुख बसेरों में से एक है। यहां के स्थानीय समुदायों, विशेषकर गोंड और माना जनजाति के हमारे भाई-बहनों ने इको-टूरिज्म की ओर तेजी से कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने जंगल पर अपनी निर्भरता को कम किया है ताकि यहां बाघों की गतिविधियां बढ़ सकें। आपको आंध्र प्रदेश में नल्लामलाई की पहाड़ियों पर रहने वाले चेन्चू जनजाति के प्रयास भी हैरान कर देंगे। उन्होंने टाइगर ट्रैकर्स के तौर पर जंगल में वन्य जीवों के मूवमेंट की हर जानकारी जमा की। इसके साथ ही, वे, क्षेत्र में, अवैध गतिविधियों की निगरानी भी करते रहे हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में चल रहा बाघ मित्र कार्यक्रम भी बहुत चर्चा में है। इसके तहत स्थानीय लोगों को बाघ मित्र के रूप में काम करने की ट्रेनिंग दी जाती है। ये बाघ मित्र इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि बाघों और इंसानों के बीच टकराव की स्थिति न बने। देश के अलग-अलग हिस्सों में इस तरह के कई प्रयास जारी हैं। मैंने, यहां, कुछ ही प्रयासों की चर्चा की है लेकिन मुझे खुशी है कि जन-भागीदारी बाघों के संरक्षण में बहुत काम आ रही है। ऐसे प्रयासों की वजह से ही भारत में बाघों की आबादी हर साल बढ़ रही है। आपको ये जानकर खुशी और गर्व का अनुभव होगा कि दुनियाभर में जितने बाघ हैं उनमें से 70 प्रतिशत बाघ हमारे देश में हैं। बाघ बढ़ने के साथ-साथ हमारे देश में वन क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहा है। इसमें भी सामुदायिक प्रयासों से बड़ी सफलता मिल रही है। पिछले मन की बात कार्यक्रम में आपसे एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम की चर्चा की थी। मुझे खुशी है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में बड़ी संख्या में लोग इस अभियान से जुड़ रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले स्वच्छता के लिए प्रसिद्ध, इंदौर में, एक शानदार कार्यक्रम हुआ। यहां एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के दौरान एक ही दिन में 2 लाख से ज्यादा पौधे लगाए गए। पीएम ने लोगों से आह्वान किया कि वे अपनी मां के नाम पर एक पेड़ जरूर लगाएं और सेल्फी लेकर उसे सोशल मीडिया पर जरूर साझा करें, ताकि अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिले।

गधे पर बैठने वाला था भक्त... इससे पहले मंदिर से बाहर आ गए भगवान जगन्नाथ, विरोधी को मजा चखाया

भगवान अपने भक्तों को बचाने के लिए किसी भी रूप में आते हैं। इसको लेकर कई पौराणिक कथाएं भी मिलती हैं। एक ऐसी ही पौराणिक कथा आज हम आपको बताने जा रहे हैं, जहां अपने भक्त को बचाने के लिए भगवान जगन्नाथ खुद मंदिर से बाहर आ गए थे।

कथा वाचक इंद्रेश उपाध्याय के अनुसार, एक समय काशी में बहुत बड़े विद्वान हुआ करते थे। वे जहां भी जाते अन्य विद्वानों को शास्त्रार्थ की चुनौती देते थे। इसी बीच एक बार उन्हें काशी के किसी विद्वान ने जगन्नाथ पुरी में रहने वाले माधव दास को शास्त्रार्थ में हराने की चुनौती दे डाली। साथ ही कहा कि हराने के बाद भोज पत्र में उनसे लिखवा कर लाना कि माधवदास तुमसे हार गए और नीचे उनका हस्ताक्षर होना चाहिए।

माधवदास ने मान ली हार

कथा वाचक इंद्रेश उपाध्याय बताते हैं कि इस चुनौती के बाद वह विद्वान माधवदास से शास्त्रार्थ के लिए काशी से पैदल चलकर जगन्नाथपुरी पहुंच गए। माधव दास ने जैसे देखा कोई परम विद्वान आया है, तो उन्होंने तुरंत दंडवत प्रणाम किया। इसके बाद विद्वान ने माधव दास को शास्त्रार्थ की चुनौती थी। माधव दास ने उनसे कहा कि आप शास्त्रार्थ न करें, मैं पहले ही हार चुका है।

इसके बाद विद्वान ने हारने की बाद भोजपत्र पर लिखने की बात कही। विद्वान के कहे अनुसार माधवदास ने भोजपत्र पर लिखकर दे दिया कि वे विद्वान से हार गए। आज के बाद वे कभी भी जगन्नाथपुरी आएंगे तो उनकी पूरी सेवा की जिम्मेदारी मेरी होगी।

फिर हुआ ये चमत्कार

जब विद्वान ने यह भोजपत्र काशी के दूसरे विद्वान को दिखाया तो भोजपत्र में पूरा लेख ही बदल गया। उसमें लिखा था, ये अमुक नाम के व्यक्ति काशी से आज जगन्नाथपुरी आये। उन्होंने आकर के शास्त्रार्थ किया और शास्त्रार्थ में मुझसे बुरी तरह हार गए। आज के बाद कभी भी जगन्नाथपुरी आएंगे तो मुझे प्रणाम करेंगे और मेरी सेवा करेंगे। काशी से मेरे लिए बहुत सारी सेवा लेकर आएंगे।

यह पढ़ने के बाद विद्वान दोबारा माधवदास के पास पहुंचे और शास्त्रार्थ की चुनौती दी, लेकिन माधव दास ने फिर से अपनी हार स्वीकार कर ली। तब विद्वान ने उनसे कहा कि अब तुम्हे गधे पर बैठकर और मुंह पर कालिख पोतकर पूरे क्षेत्र का चक्कर लगाना होगा और कहना होगा मैं विद्वान से हार गया।

माधवदास ने विद्वान की इस चुनौती को भी स्वीकार कर लिया और कहा कि मैं जगन्नाथ भगवान के दर्शन करने जा रहा हूं, तब तक आप गधे का प्रबंध कर लीजिए और इतना कहकर वे मंदिर चले गए और विद्वान गधे की तलाश में निकल गए।

हुआ ये चमत्कार

जब माधव दास मंदिर में थे, तब भगवान जगन्नाथ उनका रूप धारण कर मंदिर से बाहर आए और विद्वान को ही शास्त्रार्थ की चुनौती दी। इसके बाद विद्वान को बुरी तरह हराकर दोबारा मंदिर लौट गए। साथ ही विद्वान से कहा कि अब वे गधे पर बैठकर घूमें और हल्ला करें कि वे माधवदास से शास्त्रार्थ में हार गए हैं।

जब माधवदास मंदिर से बाहर आए तो देखा कि विद्वान गधे पर घूम रहे हैं, जिसे देख उन्हें हैरानी हुई। साथ ही यह समझने में भी देर न लगी कि यह काम भगवान जगन्नाथ का है। इधर, माधवदास को देखते ही उस विद्वान ने भी उनके हाथ जोड़ लिए और दोबारा काशी लौट गए।

कहीं नौ दिनों तक बंधती है राखी, तो कहीं पेड़ को बांधा जाता है रक्षा सूत्र

हिंदू धर्म में सभी त्योहार अपना एक विशेष महत्व रखते हैं। इनमें से एक रक्षाबंधन पर्व बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती हैं और उसके सफल भविष्य की कामना करती हैं।

वहीं, भाई भी अपनी बहनों को रक्षा का वचन देते हैं। साथ ही कुछ ना कुछ उपहार भी देते हैं। पिछली बार की तरह इस बार भी रक्षाबंधन पर भद्रा का साया रहेगा। इस बार रक्षाबंधन 19 अगस्त को मनाया जाने वाला है।

रक्षाबंधन की अनोखी परंपराएं

रक्षाबंधन को लेकर कई तरह की मान्यता है, जो प्रचलित हैं। इतना ही नहीं अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग तरह से रक्षाबंधन मनाया जाता है। आज हम आपको रक्षाबंधन से जुड़ी अनोखी परंपराओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

प्रचलित हैं रक्षाबंधन की ये अनोखी परंपराएं

नौ दिनों तक मनाया जाता है रक्षाबंधन

मारवाड़ी समाज का रक्षाबंधन पर्व नौ दिनों तक चलता है। इस दिन पहले घर की चौखट की पूजा की जाती है। मुख्य द्वार पर खीर, पुरी, मौली और दूबा रखी जाती है। इसके बाद अगले 8 दिन तक रिश्तेदार एक दूसरे के यहां जाकर रक्षाबंधन पर्व मनाते हैं और राखी बांधते हैं। नौवें दिन गुगा जी का निर्माण किया जाता है और सारी राखियां उतारकर उन्हें चढ़ा देते हैं।

ननद अपनी भाभी को बांधती है राखी

उत्तर बिहार में रक्षाबंधन पर ननद अपनी भाभी को लुंबा राखी बांधती है। हर साल ननद अपनी भाभी को राखी बांधने अपने-अपने घर जाती हैं। कहा जाता है कि ऐसा करने से दोनों के रिश्ते की मिठास बनी रहती है। बेटी को मायके में अपनापन मिलता रहे, इसलिए यह परंपरा बनाई गई।

पेड़ों को बांधी जाती है राखी

रक्षाबंधन पर्व पर पटना में पेड़ों को राखी बांधी जाती है। इस दिन लोग पाटली वृक्ष को राखी बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हैं। इस दिन पर्यावरण पर काम करने वाली संस्था भी जागरूकता अभियान चलाती है।

रक्षाबंधन पर पाषाण युद्ध की परंपरा

उत्तराखंड के चंपावत जिले के देवीधुरा में रक्षाबंधन पर बग्वाल पाषाण युद्ध की परंपरा है। इसमें चार खाम और सात थोकों के रणबांकुरे बग्वाल खेलते हैं और एक व्यक्ति के बराबर रक्त बहाते हैं। बग्वाल के बाद सभी रणबांकुरे गले मिलते हैं। यह परंपरा मानवता की अलख जगाने के लिए शुरू की गई थी।

9 अगस्त को मनाई जाएगी नागपंचमी, जान लीजिए सही पूजा विधि और शुभ मुहूर्त

नाग पंचमी पर्व सावन के महीने में मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन नाग देवता की उपासना करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। साथ ही जीवन की परेशानियां दूर होती हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर यह पर्व मनाया जाता है। इस दिन व्रत भी रखा जाता है। मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन व्रत करने तथा व्रत कथा पढ़ने से सुख समृद्धि प्राप्त होती है।

आइए, जानते हैं कि इस बार नाग पंचमी पर्व किस दिन मनाया जाएगा और नाग देवता की पूजा कैसे करनी चाहिए।

नाग पंचमी 2024 शुभ मुहूर्त

इस बार नाग पंचमी का त्योहार 9 अगस्त 2024 को मनाया जाएगा। नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त पूरे दिन रहने वाला है। विशेष पूजा के लिए दोपहर 12:30 से 1:00 तक का समय शुभ रहेगा। इस दिन प्रदोष काल में नाग देवता की पूजा करनी चाहिए। प्रदोष काल शाम 6:10 से 8:20 तक रहेगा।

नाग के 12 स्वरूप की होती है पूजा

नाग पंचमी के दिन मिट्टी से निर्मित नाग देवता की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। उत्तर भारत में पंचमी तिथि पर नाग देवता की पूजा करने का विधान है। इस दिन नाग के 12 स्वरूप अनंत, वासुकी, शेष, पद्मनाभ, कर्कोटक, अश्व, धृतराष्ट्र, शंखपाल, कालीय तथा तक्षक का स्मरण करके पूजा की जाती है। इस दिन मिथिलांचल में नागों की देवी मनसा की भी पूजा होती है।

ऐसे करें नाग देवता की पूजा

नाग पंचमी पर सुबह जल्दी उठकर स्नान-ध्यान आदि से निवृत हो जाएं और भगवान के सामने व्रत का संकल्प लें।

पूजा घर में एक साफ चौकी पर नाग देवता का चित्र या मिट्टी से बने हुए नाग देवता की मूर्ति स्थापित करें।

इसके बाद नाग देवता को हल्दी, रोली, चावल, फूल आदि चीज चढ़ाएं। फिर दूध घी व चीनी मिलाकर अर्पित करें।इसके बाद पूजा के अंत में नाग पंचमी व्रत कथा का श्रवण करें और आरती के साथ पूजा का समापन करें।

कहा जाता है कि नाग पंचमी पर्व के दिन नाग देवता की पूजा करने से और उन्हें दूध पिलाने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है।

सावन महीने में करें देश के 9 प्राचीन मंदिरों के दर्शन, पूरी होगी मनचाही मुराद

सावन के महीने का शिव भक्त बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस वर्ष सावन की शुरुआत 22 जुलाई से हो गई है, जिसका समापन 19 अगस्त को होगा। इस पूरे महीने भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही सुख-शांति की प्राप्ति के लिए सोमवार व्रत भी किया जाता है। अगर आप अपनी मुरादें पूरी करना चाहते हैं, तो सावन में इन मंदिरों के दर्शन जरूर करें।

द्वारकाधीश मंदिर, द्वारका

गुजरात के द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर स्थित है। यह मंदिर जगत के पालनहार भगवान विष्णु के 8वें अवतार भगवान श्री कृष्ण को समर्पित है। मान्यता है कि द्वापर युग में यहां कृष्ण जी का निवास स्थाल हरि गृह हुआ करता था।

रामनाथस्वामी मंदिर, रामेश्वरम

रामनाथस्वामी मंदिर तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में स्थित है। यह बारह ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक है। मंदिर में भगवान राम, माता सीता और भगवान लक्ष्मण की मूर्ति विराजमान है। मंदिर में दो ज्योतिर्लिंगों की पूजा की जाती है। मान्यता है कि उपासना करने से जातक की सभी मुरादें पूरी होती हैं।

चेन्नाकेशव मंदिर, कर्नाटक

चेन्नाकेशव मंदिर कर्नाटक के बेलूर में स्थित है। यह मंदिर 1000 वर्ष पुराना बताया जाता है। इसे राजा विष्णुवर्धन के द्वारा 1117 ई. में बनवाया गया। चेन्नाकेशव मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है।

लिंगराज मंदिर, भुवनेश्वर

देश के पुराने मंदिरों में लिंगराज मंदिर भी शामिल है। यह ओडिशा के भुवनेश्वर में है। लिंगराज मंदिर में आप कलिंग शैली की अद्भुत वास्तुकला देख सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि लिंगराज मंदिर की स्थापना राजवंश के राजाओं द्वारा की गई थी।

कैलाश मंदिर

कैलाश मंदिर महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में एलोरा की गुफाओं में स्थित है। यह दो मंजिला मंदिर पर्वत की ठोस चट्टान को काटकर बनाया गया है। मंदिर के अंदर और बाहर चारों ओर मूर्ति-अलंकरणों से भरा हुआ है। मंदिर को बनाने के लिए करीब 150 वर्ष का समय लगा था।

दुर्गा मंदिर, ऐहोल

कर्नाटक के ऐहोल में दुर्गा मंदिर है। इस मंदिर में शैव, वैष्णव, शाक्त और वैदिक देवी-देवताओं के प्रतिमा हैं। मंदिर के ऊपरी सतह पर एक दुर्ग जैसी संरचना बनाई गई है।

बादामी गुफा मंदिर, कर्नाटक

बादामी गुफा मंदिर कर्नाटक बागलकोट जिले में है। यह जैन गुफा मंदिर है। मंदिर वास्तुकला का शानदार उदाहरण है। मंदिर में नटराज के रूप में तांडव-नृत्य करने वाले शिव की प्रतिमा विराजमान है।

महाबोधि मंदिर

महाबोधि मंदिर बोधगया में स्थित है। यह मंदिर बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र स्थलों में से एक है। ऐसा बताया जाता है कि इसी जगह पर गौतम बुद्ध ने ज्ञान की प्राप्ति की थी। मंदिर गुप्त स्थापत्य शैली में बनाया गया है।

मुंडेश्वरी मंदिर, बिहार

मुंडेश्वरी मंदिर पहाड़ी के शिखर पर स्थित है ख मंदिर में देवी मुण्डेश्वरी की पत्थर से भव्य और प्राचीन मूर्ति विराजमान है। यहां माघ पंचमी से पूर्णिमा तक एक मेले का आयोजन होता है। इस दौरान भक्त मंदिर में दूर-दूर से आते हैं।

31 जुलाई को सुखों के कारक शुक्र देव करेंगे राशि परिवर्तन

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 31 जुलाई की तिथि बेहद शुभ है। इस दिन सुखों के कारक शुक्र देव राशि परिवर्तन करेंगे। शुक्र देव को सुखों का कारक माना जाता है। शुक्र के गोचर से जातक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सुखों में वृद्धि होती है। इसके साथ ही देवगुरु बृहस्पति रोहिणी नक्षत्र में चरण परिवर्तन करेंगे। इससे राशि चक्र की सभी राशियों पर भाव अनुसार प्रभाव पड़ेगा। इनमें 4 राशि के जातकों को सर्वाधिक लाभ होगा। आइए, ग्रह गोचर और शुभ प्रभाव जानते हैं-

शुक्र ग्रह राशि परिवर्तन

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, प्रेम और विवाह के कारक शुक्र देव 31 जुलाई को राशि परिवर्तन करेंगे। इस दिन शुक्र देव कर्क राशि से निकलकर सूर्य की राशि में गोचर करेंगे। इस दौरान शुक्र देव 11 अगस्त को पूर्वाफाल्गुनी और 22 अगस्त को उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में शुक्र देव गोचर करेंगे। कुल मिलाकर शुक्र देव 24 दिनों तक सिंह राशि में रहेंगे। इसके बाद 25 अगस्त को सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में गोचर करेंगे।

कर्क राशि

ज्योतिषियों की मानें तो अर्थ भाव में शुभ ग्रहों की उपस्थिति होने पर जातक को धन प्राप्ति के योग बनते हैं। शुक्र देव राशि परिवर्तन के दौरान कर्क राशि के अर्थ भाव में उपस्थित रहेंगे। इस भाव में शुक्र देव की दृष्टि से सुखों में वृद्धि होगी। धन लाभ के योग बनेंगे। धार्मिक यात्रा के योग हैं। घर पर मांगलिक कार्य का भी आयोजन होगा। कुल मिलाकर कर्क राशि के जातकों के लिए शुक्र का राशि परिवर्तन शुभ एवं उत्तम साबित होने वाला है।

तुला राशि

सावन माह के दूसरे सप्ताह में शुक्र देव सिंह राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में शुक्र देव के गोचर से तुला राशि के जातकों को विशेष लाभ होगा। इस राशि के एकादश भाव में शुक्र देव की दृष्टि पड़ेगी। इससे तुला

राशि के जातकों के आय में वृद्धि होगी। साथ ही रुका हुआ धन प्राप्त होगा। परिव-ारजनों से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा। इससे बिगड़े काम बनने लगेंगे।

वृश्चिक राशि

सुखों के कारक शुक्र देव के राशि परिवर्तन से वृश्चिक राशि के जातक भी लाभान्वित हो सकते हैं। इस दौरान करियर में प्रमोशन हो सकता है। वेतन में भी बढ़ोतरी होगी। बॉस से शाबाशी मिलेगी। कारोबार को भी नया आयाम मिलेगा। अगर कारोबार में निवेश या विस्तार करने की सोच रहे हैं, तो समय अनुकूल है। इस समय निवेश कर सकते हैं। जॉब इंटरव्यू से भी संतोषजनक परिणाम प्राप्त हो सकता है।

कुंभ राशि

शुक्र के राशि परिवर्तन से कुंभ राशि के जातकों को भी लाभ प्राप्त होगा। इस राशि के कारोबार भाव में शुक्र देव की दृष्टि पड़ेगी। इससे कुंभ राशि के जातकों को पार्टनरशिप में लाभ होगा। कारोबार के लिए हिस्सेदार या निवेशक मिल सकते हैं। अपने पार्टनर से भविष्य की प्लानिंग कर सकते हैं। इसमें पार्टनर का भरपूर साथ मिलेगा। ससुराल पक्ष से भी धन लाभ के योग हैं।

सावन सोमवार पर वृषभ राशि में गोचर करेंगे चंद्र देव, 2 राशि के जातक होंगे मालामाल

ज्योतिष शास्त्र में चंद्र देव को मन का कारक माना गया है। कुंडली में चंद्रमा मजबूत होने से जातक को सभी शुभ कार्यों में सिद्धि मिलती है। साथ ही जातक हमेशा उत्साहित एवं ऊर्जावान रहता है। वहीं, चंद्रमा कमजोर होने से जातक को मानसिक तनाव की समस्या होती है। साथ ही माता जी की सेहत भी खराब रहती है। अतः ज्योतिष कुंडली में चंद्रमा मजबूत रखने की सलाह देते हैं। वर्तमान समय में चंद्र देव मेष राशि में विराजमान हैं और जल्द राशि परिवर्तन कर वृषभ राशि में गोचर करेंगे। चंद्र देव के राशि परिवर्तन से 2 राशि के जातक मालामाल होंगे। आइए जानते हैं।

चंद्र राशि परिवर्तन

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, चंद्र देव 29 जुलाई यानी सावन माह के दूसरे सोमवार पर राशि परिवर्तन करेंगे। चंद्र देव 29 जुलाई को संध्याकाल 04 बजकर 45 मिनट पर मेष राशि

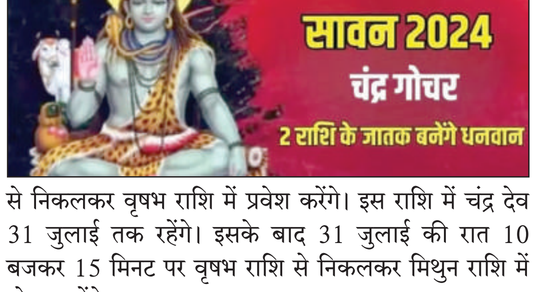

से निकलकर वृषभ राशि में प्रवेश करेंगे। इस राशि में चंद्र देव 31 जुलाई तक रहेंगे। इसके बाद 31 जुलाई की रात 10 बजकर 15 मिनट पर वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में गोचर करेंगे।

मेष राशि– ज्योतिषियों की मानें तो चंद्र देव के राशि परिवर्तन से मेष राशि के जातक सबसे अधिक लाभान्वित होंगे। इस राशि पर चंद्र देव की असीम कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से साधक के सभी रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। साथ ही धन संबंधी परेशानी भी दूर होगी। इसके अलावा, आमदनी में भी बढ़ोतरी होगी। वर्तमान समय में देवगुरु बृहस्पति और मंगल देव भी वृषभ राशि में विराजमान हैं। अतः मेष राशि के जातकों के लिए अति दुर्लभ मंगलकारी शुभ समय है। विशेष कार्य को पूरा कर सकते हैं।

कर्क राशि–सावन माह के दूसरे सोमवार पर कर्क राशि को विशेष लाभ होगा। इस दिन चंद्र देव राशि परिवर्तन कर वृषभ राशि में गोचर करेंगे। इससे कर्क राशि के एकादश भाव में त्रिग्रही योग बनेगा। इस योग से कर्क राशि के जातक को सर्वाधिक लाभ होगा। एकादश भाव में त्रिग्रही योग बनने से कर्क राशि के जातकों के आय में अचानक से वृद्धि होगी। इस दौरान कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट में निवेश से अपार लाभ होगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

सोनाक्षी सिन्हा ने शादी के बाद पहली बार किया रैंप वॉक

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने जून में अपनी जिंदगी की नई पारी की शुरुआत की थी। दरअसल, सोनाक्षी सिन्हा ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ शादी की थी। सोनाक्षी सिन्हा ने शादी के बाद पहली बार रैंप वॉक किया है और उनकी लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। सोनाक्षी सिन्हा के तमाम चाहने वाले फैंस अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस की तस्वीरों को पसंद कर रहे हैं और प्यारे रिएक्शन दे रहे हैं।सोनाक्षी सिन्हा ने हाल ही में रैंप वॉक किया है और उनकी तस्वीरें सामने आई हैं। सोनाक्षी सिन्हा का अंदाज उनके फैंस को पसंद आ रहा है।सोनाक्षी सिन्हा ने पिंक कलर के गाउन में रैंप वॉक किया। सोनाक्षी सिन्हा ने अलग-अलग अदाओं से वहां पर मौजूद लोगों को रिझाया।सोनाक्षी सिन्हा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही उनकी प्यारी स्माइल ध्यान खींच रही है। सोनाक्षी सिन्हा के खुले बाल उनकी खूबसूरती बढ़ा रहे हैं। सोनाक्षी सिन्हा को लेकर एक फैन ने लिखा है, 'एकदम बवाल लग रही हो।' 'बहुत अच्छी लग रही हैं।' 'रैंप पर क्वीन की वापसी।सोनाक्षी सिन्हा को ट्रोल भी किया जा रहा है।

थाई स्लिट आउटफिट में रकुल प्रीत सिंह ने शेयर की ग्लैमरस फोटोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से लोगों के बीच छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस एक बार फिर से मदहोश हो गए हैं। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपनी ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं।उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

रकुल प्रीत ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही स्टाइलिश ऑफ शोल्डर आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा बोलड पोज देती हुई नजर आ रही हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए बालों का हाई बन बनाकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के उन्होंने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा- टू मच हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुआ- बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लिखा है।

सपने सुहाने लड़कपन के की को-स्टार रूपल त्यागी से मिलीं महिमा मकवाना

एक्ट्रेस महिमा मकवाना बेहद टैलेंटेड हैं और टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेसेस में से हैं। हाल ही में एक इवेंट में वह सपने सुहाने लड़कपन के की को-स्टार रूपल त्यागी से मिलीं। एक्ट्रेस ने इस मुलाकात को लेकर कहा कि उन्होंने इसकी उम्मीद नहीं की थी।इंस्टाग्राम स्टोरीज पर महिमा ने रूपल के साथ सेल्फी शेयर की, जिसमें वह येलो कलर की टी-शर्ट में नजर आईं। वहीं, रूपल ने रेड कलर की हॉल्टर ड्रेस पहनी हुई थी।सेल्फी शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने टाइटल में लिखा, ऐसा रीयूनियन जिसकी हमने कभी उम्मीद नहीं की थी! रचना और गुंजन... बहुत दिनों बाद आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। रूपल ने भी अपनी खुशी साझा करते हुए लिखा, सपने सुहाने लड़कपन के के लिए एक ट्रीट है! रचना और गुंजन की मुलाकात बहुत दिनों बाद हुई! यह कितना प्यारा एहसास था। महिमा, मैं तुमसे बहुत प्रभावित हूं। तुम कितनी प्यारी हो।इसके बाद रूपल ने रेड हार्ट वाली इमोजी शेयर की।सपने सुहाने लड़कपन के जी टीवी पर प्रसारित होता था। यह शो 2012 से 2015 तक चला। इसका आखिरी एपिसोड 23 जनवरी 2015 को ऑन एयर हुआ था।इसमें अंकित गेरा, पीयूष सहदेव, अलीहसन तुराबी, अंकित भारद्वाज, हर्ष राजपूत और आंचल खुराना जैसे कलाकार लीड रोल में थे।यह दो बहनों की कहानी थी। रचना हर वक्त डरी सहमी रहने वाली लड़की थी, तो वहीं गुंजन दबंग और मस्तीखोर स्वभाव की थी।मोहे रंग दे से टीवी पर डेब्यू करने वाली महिमा ने सीआईडी, आहट, मिले जब हम तुम, सवारे सबके सपने... प्रीतो और दिल की बातें दिल ही जाने में काम किया।

एक्ट्रेस ने 2017 में तेलुगु फिल्म वेंकटपुरम से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। वह तेलुगु टेक्नो-थ्रिलर मोसागल्लू में भी नजर आ चुकी हैं।महिमा ने सलमान खान स्टारर और महेश मांजरेकर द्वारा निर्देशित 2021 की एक्शन फिल्म अंतिम: द फ़ाइनल ट्रुथ से बॉलीवुड डेब्यू किया। इसमें वह एक्टर आयुष शर्मा के अपोजिट नजर आईं।उन्हें अंतिम बार कॉमेडी-ड्रामा तुमसे ना हो पाएगा और वेब सीरीज शोटाइम में देखा गया है।महिमा जल्द ही प्रोजेक्ट लव में दिखाई देंगी।रूपल कसम से और एक नई छोटी सी जिंदगी जैसे शो में नजर आईं। लेकिन लोकप्रियता सपने सुहाने लड़कपन के से मिली। उन्हें पिछली बार रंजू की बेटियां में देखा गया था।

पापा रणबीर कपूर का हाथ थामकर घूमने निकली राहा

आलिया भट्ट की प्यारी लाडली राहा सुबह से ही सुर्खियों में बनी हुई हैं। राहा आज अपने पापा रणबीर कपूर के साथ बाहर निकली थीं। इस दौरान मीडिया ने राहा को चारों तरफ से घेर लिया। राहा अपने पापा की गोद में चढ़कर बाहर जाती नजर आईं। तस्वीरों में राहा काफी क्यूट लग रही हैं। हाल ही में रणबीर ने खुलासा किया है कि शादी के बाद उन्होंने आलिया की ऊंची टोन में बदलाव किया है।राहा मौका मिलते ही अपने पापा के साथ बाहर निकल जाती हैं।

अक्सर राहा को पापा के साथ देखा जाता है। इस दौरान राहा की मम्मी उनके साथ नहीं नजर आईं।राहा और रणबीर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

बुढ़ापे में अनुपमा पर चढ़ा बार्बी डॉल बनने का बुखार

सीरियल अनुपमा स्टार रुपाली गांगुली ने हाल ही में अपनी कुछ तस्वीरें फैंस के साथ साझा की हैं। इन तस्वीरों में रुपाली गांगुली देसी बाला बनकर पोज देती नजर आ रही हैं।रुपाली गांगुली की तस्वीरें देखकर फैंस को सदमा लग गया है। फैंस रुपाली गांगुली को बला की खूबसूरत बता रहे हैं। रुपाली गांगुली बेबी पिंक कलर की साड़ी पहने दिखीं। जिसके साथ रुपाली गांगुली ने मैचिंग मेकअप किया है।फैंस कह रहे हैं कि रुपाली गांगुली पर पिंक कलर काफी जंचता है।रुपाली गांगुली ने कैमरे के आगे जमकर पोज दिए। कहना गलत नहीं होगा कि रुपाली गांगुली में कॉन्फिडेंस की कोई कमी नहीं है।अनुपमा की कहानी में बरखा एक बार फिर से अनुपमा को चैलेंज करने वाली है। हाल ही में रुपाली गांगुली ने गौरव और सुधांशु के साथ मिलकर एक इंटरव्यू दिया था। जहां पर ये सितारे जमकर मस्ती करते नजर आए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। परिवार में नए सदस्य के आने की ख़बर आपको रोमांचित कर देगी। समारोह आयोजित कर इस ख़ुशी को सबके साथ बाटें। आज अपने प्रिय को माफ़ करना न भूलें। कुछ लोगों को व्यापारिक और शैक्षिक लाभ मिलेगा। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट-कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। परिवार के सदस्यों की मदद करने के लिए अपने खाली समय का सदुपयोग करें। ज़रा संभल कर, क्योंकि आपका प्रिय रूमानी तौर पर आपको मक्खन लगा सकता है – मैं तुम्हारे बग़ैर इस दुनिया में नहीं रह सकता/सकती। करिअर के नज़रिए से शुरू किया सफ़र कारगर रहेगा। लेकिन ऐसा करने से पहले अपने माता-पिता से इजाज़ता ज़रूर ले लें, नहीं तो बाद में वे आपत्ति कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल ख़ुशनुमा कर देगा। कुछ ही लोग ऐसे इंसान के आकर्षण से बच सकते हैं, जिसके पास इतनी प्यारी मुस्कान हो। जब आप लोगों के साथ होंगे, तो आपकी महक फूलों की तरह चारों ओर फैलेगी। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। जिन रिश्तों को आप अहमियत देते हैं उन्हें समय देना भी आपको सीखना होगा नहीं तो रिश्ते टूट सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जीवन में पैसे की अहमियत को नहीं समझते लेकिन आज आपको पैसे की अहमियत समझ में आ सकती है क्योंकि आज आपको पैसे की बहुत आवश्यकता होगी लेकिन आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपको ऐसी गतिविधियों में संलग्न होने की ज़रूरत है, जहाँ आपको अपने समान रुचियों के लोगों से मिलने का मौक़ा मिले। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। आप अपने मातहतों से नाख़ुश हो सकते हैं, क्योंकि वे उम्मीद के मुताबिक़ काम नहीं कर रहे हैं। आपके हँसने-हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अच्छी सेहत के चलते आप किसी खेल-कूद की प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकते हैं। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। अगर आप अपने प्रेमी के साथ कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं तो कपड़े सोच-समझकर पहनें। अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपका प्रेमी आपसे नाराज हो सकता है। अगर आप अपना नज़रिया आस-पास के ऐसे लोगों को बताएँ जो महत्वपूर्ण निर्णय लेते हों, तो आपको लाभ होगा। साथ ही आपको काम के प्रति अपने समर्पण और निष्ठा के लिए शाबाशी भी मिलने की संभावना है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। तनख़्वाह में बढ़ोतरी आपको उत्साह से भर सकती है। यह वक़्त अपनी सभी निराशाओं और परेशानियों को मिटाने का है। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी। लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की ग़लती न करें। अपनी ज़िंदगी और सेहत का सम्मान करें। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। ख़याली परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएँ। साझीदारी और व्यापार में हिस्सेदारी वग़ैरह से दूर रहें। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। इस राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में आवश्यकता से अधिक बोलने से बचना चाहिए नहीं तो आपकी छवि पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर वालों के साथ मिलकर कुछ अलग और रोमांचक किया जाना चाहिए। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। छात्रों के लिए बहुत अच्छा दिन है। वे परीक्षा में बढ़िया प्रदर्शन करेंगे। हालाँकि इस सफलता को सिर पर न चढ़ने दें और इससे प्रेरणा लेकर ज़्यादा कड़ी मेहनत के लिए कमर कसें। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आज के दिन आप किसी कुदरती ख़ूबसूरती से ख़ुद को सराबोर महसूस करेंगे। बड़े उद्योगपतियों के साथ साझीदारी का व्यवसाय फ़ायदेमंद रहेगा। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 29 जुलाई 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी सायं 05:58 तक
नक्षत्र : भरणी प्रात: 10:55 तक
योग : गण्ड सायं 05:54 तक
करण : तैतिल प्रात: 06:41 तक
चन्द्रराशि : मेष सायं 04:45 तक
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– चातुर्मास व्रती को श्रावण में हरी सब्जी खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम सैनी ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर मनु भाकर को दी बधाई

चंडीगढ़, 28 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पेरिस ओलंपिक-2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर निशानेबाज मनु भाकर को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

श्री सैनी ने अपने बधाई संदेश में कहा कि मनु भाकर की इस उपलब्धि से प्रदेश और देश बहुत गौरवान्वित हुआ है। उन्होंने मनु भाकर के समर्पण, कड़ी मेहनत और दृढ़ता की प्रशंसा की, जिसके कारण वह वैश्विक मंच पर यह प्रतिष्ठित उपलब्धि हासिल करने में सफल रही। उन्होंने कि मनु ने न केवल हरियाणा को गौरवान्वित किया है, बल्कि देश भर के महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण भी पेश किया है। हमें विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे और राज्य और देश को और अधिक सम्मान दिलाएंगे। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले हरियाणा के सभी एथलीटों को भी बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि सभी खिलाडी अपना बेहतरीन प्रदर्शन करना जारी रखेंगे और भारत के लिए और अधिक पदक जीतेंगे।

पीएमटी परीक्षा में गैरहाजिर उम्मीदवारों को एक और मौका : सिंह

चंडीगढ़, 28 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने कहा कि आयोग ने निर्णय लिया है कि किन्हीं कारणों के कारण जो पीएमटी (शारीरिक-मापदंड) उम्मीदवार परीक्षा नहीं दे पाए हैं, उन्हें एक और मौका दिया जाएगा।

श्री सिंह ने कहा कि हरियाणा पुलिस में पांच हजार पुरुष सिपाही सामान्य ड्यूटी तथा एक हजार महिला सिपाहियों की प्रथम व द्वितीय चरण की पीएमटी (शारीरिक-मापदंड) परीक्षा रविवार को पंचकूला के ताऊ देवी लाल खेल परिसर में समाप्त हो गई। उन्होंने बताया कि 16 जुलाई से पीएमटी परीक्षा का आयोजन किया गया था, प्रारंभिक समय में दो हजार उम्मीदवारों ने परीक्षा दी थी। पिछले तीन दिन तक चली महिला सिपाहियों की पीएमटी का आज अंतिम दिन था। उन्होंने बताया कि पंचकूला के ताऊ देवी लाल खेल परिसर में पीएमटी परीक्षा देने के लिए प्रदेश के भारी संख्या में महिला व पुरुष आए, जिससे पता चलता है कि हरियाणा पुलिस में सेवा देने के लिए वे उत्साहित नजर आए।

श्री सिंह ने बताया कि पीएमटी की परीक्षा में गैरहाजिर उम्मीदवारों को परीक्षा देने का एक और अवसर दिया जाएगा, जिसके आयोजन के सूचना शीघ्र ही वेबसाइट पर डाल दी जाएगी। उन्होंने बताया कि आयोग का उद्देश्य है कि हर उम्मीदवार को परीक्षा के लिए सुविधा उपलब्ध करना कराना है, जिसमें आयोग सफल भी हुआ है।

पीएम मोदी ने मन की बात में रोहतक के हथकरघा उद्योग का किया उल्लेख

चंडीगढ़, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में महिलाओं के विकास और सशक्तिकरण के लिए हरियाणा सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य न केवल महिलाओं को समान अवसर प्रदान करना है, बल्कि उन्हें आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना भी है। महिलाओं के लिए समानता, पंचायती राज संस्थाओं में 50 फीसदी आरक्षण, सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के माध्यम से उत्थान और लिंगानुपात में सुधार के लिए उठाए गए कदमों ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हरियाणा सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज प्रदेश की महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में शानदार काम करके समाज और प्रदेश की उन्नति में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। चाहे वह कृषि हो, उद्योग हो, शिक्षा हो, या खेल, हरियाणा की महिलाएं अपने कठिन परिश्रम और समर्पण से नित नए आयाम स्थापित कर रही हैं।

कई महिलाएं स्वयं-सहायता समूहों में शामिल होकर अपना सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं। हथकरघा उद्योग, सिलाई, कढ़ाई और अन्य हस्तशिल्प कार्यों में भी उनका योगदान उल्लेखनीय है। इस बात की तस्दीक खुद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में की है। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के रोहतक जिले के हथकरघा उद्योग का उल्लेख किया। उन्होंने विशेष रूप से 'उन्नति सेल्फ हेल्प ग्रुप' की महिलाओं

की प्रशंसा की, जिन्होंने अपने कठिन परिश्रम और समर्पण से आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि उन्नति सेल्फ हेल्प ग्रुप से जुड़ी 250 से अधिक महिलाएं अब ब्लॉक प्रिंटिंग और रंगाई के क्षेत्र में प्रशिक्षित हो चुकी हैं। इस प्रशिक्षण ने न केवल उनके कौशल को निखारा है बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से भी सशक्त बनाया है। ये महिलाएं कपड़ों पर रंगों का जादू बिखेरते हुए न केवल अपने परिवारों का भरण-पोषण कर रही हैं, बल्कि समाज में भी एक प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे इन महिलाओं ने अपने आत्मविश्वास और मेहनत से एक नई पहचान बनाई है। उनके इस प्रयास ने यह साबित कर दिया है कि अगर महिलाएं संगठित होकर काम करें तो वे किसी भी चुनौती को पार कर सकती हैं और आत्मनिर्भर बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि उन्नति सेल्फ हेल्प ग्रुप का यह प्रयास न केवल हथकरघा उद्योग को बढ़ावा दे रहा है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने देशभर के अन्य जिलों की महिलाओं को भी प्रेरित करते हुए कहा कि वे भी इस तरह के समूहों में शामिल होकर अपने जीवन में बदलाव ला सकती हैं।

पत्नी की हत्या के बाद आरोपी का आत्मसमर्पण

सिरसा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा जिला के रामपुरा बिश्नोईया गांव शनिवार देर रात एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की गला रेतकर हत्या करने के बाद पुलिस थाना में आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिस को बताया आरोपी रणजीत उर्फ बबलू ने बताया कि कुछ दिन पहले उसने नया वाहन खरीदा था। वाहन की किस्त भरने में उसे परेशानी आ रही थी। इसी बात को लेकर पत्नी के साथ झगड़ा रहता था।

शनिवार रात को भी इसी बात पर दोनों का झगड़ा हुआ और गुस्से में पत्नी की हत्या कर दी। रविवार सुबह पुलिस, फोरेंसिक व क्राइम टीमें घटनास्थल का निरीक्षण करने के लिए पहुंचीं। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी हिरासत में ले लिया है।

अलवर में फुफेरे भाई सहित तीन के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज

अलवर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के गांव में अपनी बुआ के घर आई नाबालिग किशोरी के साथ फुफेरे भाई और उसके दो साथियों के सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है।

यहां मिली जानकारी के अनुसार शनिवार रात आठ बजे एक महिला अपने पति और पीड़िता के साथ रामगढ़ थाना पहुंची और रिपोर्ट दर्ज करायी कि उसकी नाबालिग बेटी मई में अपनी बुआ के घर गई थी। वहां बुआ के लड़के ने छत पर नहाती हुई 17 वर्षीय किशोरी के अश्लील फोटो खींचे और वीडियो बना लिए।

उसके बाद अश्लील फोटो एवं वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल कर उसके साथ दुष्कर्म किया। साथ ही किसी को बताने पर वीडियो सोशल मीडिया वायरल पर करने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़िता अपने गांव आ गई और डर के कारण किसी को कुछ नहीं बताया।

रिपोर्ट के अनुसार इसके बाद आरोपी जुलाई में पीड़ित युवती के गांव आया। उसने किशोरी की फोटो और वीडियो दिखाकर उसे धमकाया और मोटरसाइकिल पर बैठाकर जंगल में ले गया, जहां उसने और उसके दो साथियों ने मिलकर सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भजनलाल ने राज्यपाल नियुक्त होने पर बागड़े एवं माथुर को दी बधाई

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हरिभाऊ किसनराव बागड़े को राजस्थान तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश माथुर को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि श्री बागड़े के सानिध्य और कुशल मार्गदर्शन में राजस्थान प्रदेश विकसित राजस्थान बनने की दिशा में तेजी के साथ अग्रसर होगा। इसी तरह उन्होंने श्री माथुर को बधाई देते हुए कहा मुझे दृढ़ विश्वास है कि आपके कुशल मार्गदर्शन एवं आपके नेतृत्व में सिक्किम प्रदेश सुशासन के पथ पर अविराम बढ़ते हुए विकास के नित नवीन मानक स्थापित करेगा। उन्होंने श्री बागड़े एवं श्री माथुर के उज्ज्वल कार्यकाल के लिए मंगलकामनाएं की।

तालाब में डूबने से भाई-बहन की मौत

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में जयपुर जिले के जमवारागढ़ थाना क्षेत्र में बासना गांव के तालाब में डूबने से भाई-बहन की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टोडामीणा स्थित मानतवालों की ढाणी निवासी विशाल मीणा (10) और उसकी बहन मुस्कान (13) शनिवार को बासना गांव में बांध के पास भैंस चरा रहे थे। इस दौरान शाम को उनकी भैंस बांध में गहरे पानी में चली गई, जिसे निकालने के लिए विशाल पानी में उतर गया और डूब गया। भाई के नहीं दिखने पर बहन मुस्कान भी उसकी तलाश में बांध में उतर गई और वह भी

डूब गई।

मौके पर मौजूद अन्य बच्चों ने ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। सूचना पर पहुंचे परिजन और ग्रामीण बांध में उतर दोनों बच्चों को बाहर निकाल निम्स अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बताया गया है कि विशाल कक्षा छह एवं मुस्कान आठवीं कक्षा में अध्ययन करती थी। मृतकों के माता-पिता मजदूरी कर अपना घर खर्च चलाते हैं।

अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्याओं की पहचान के लिए चलेगा अभियान

अजमेर,28 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को सर्किट हाउस में जिला पुलिस अधीक्षक के साथ शहर की कानून व्यवस्था पर चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि दरगाह संपर्क सड़क, दिल्ली गेट व शहर के अन्य हिस्सों में बढ़ते अपराधों पर लगाम कसी जाए। कई बार इन अपराधों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्याओं की भूमिका सामने आती है। इसलिए इन सभी के खिलाफ सर्च अभियान चलाकर धरपकड़ की जाए और इन्हें देश से बाहर भेजने की कार्रवाई की जाए। साथ ही दरगाह संपर्क सड़क पर स्थाई पुलिस चौकी की स्थापना

शीघ्र की जाए और बजट घोषणा की अनुपालना में हरिभाऊ उपाध्याय नगर में थाने के निर्माण व शुरुआत का काम जल्द करवाया जाए।

देवनानी ने पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र विश्नोई को निर्देश दिए कि आनासागर पुलिस चौकी पर पर्याप्त स्टाफ नियुक्त हो। साथ ही चौकी के नए भवन का निर्माण के प्रस्ताव पर भी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि चेन स्नैचिंग व बच्चों को पकड़ने वाला गिरोह पुनः सक्रिय हो रहा है, इनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हो। शहर में ई-रिक्शा की संख्या बेलगाम बढ़ती जा रही है, इससे यातायात भी प्रभावित हो रहा है। केवल उसका वास्तविक मालिक द्वारा ही ई रिक्शा चलाया जाना तय किया जाए, अन्य कोई और चलाता पाया जाए तो कार्रवाई हो। ट्रैफिक लाइटों का प्रभावी संचालन हो। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से चल रही चाय की थड़ियों व कैफे आदि पर कई आपराधिक छवि वाले व मनचले भी एकत्र हो रहे हैं। इन कैफे पर लगातार गश्त हो व दस बजे बाद इन्हें बंद करवाया जाए। अवैध गतिविधियों पर नजर रखी जाए और प्रभावी रोकथाम की जाए। आठ बजे बाद शराब की बिक्री पर भी कार्रवाई हो। उन्होंने बाल वाहिनी संचालन पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर सख्ती से पाबंदी लगाई जाए और तय समय में ही शहर में प्रवेश दिया जाए। सेवन वंडर्स, भागचन्द कोठी, बजरंगढ़ घाटी वाले बालाजी एवं अन्य स्थानों पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार दंपत्ति की मौत, पुत्र घायल

उदयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में उदयपुर शहर के हिरण मगरी थाना क्षेत्र में कार की टक्कर से स्कूटी पर सवार दंपत्ति की मौत हो गई तथा उनका पुत्र घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात को अम्बा माता निवासी सलमा बानू एवं उसका पति मोईन अहमद तथा पुत्र नावेद पारिवारिक कार्यक्रम में हिरण मगरी गये थे। देर रात करीब एक बजे वह स्कूटी से लौट रहे थे कि इसी दौरान हंसा पैलेस के पास पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। घटना में दंपत्ति की मौके पर ही मौत हो गई तथा बेटा घायल हो गया। रविवार सुबह दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध रूप से गुजरात ले जाए जा रहे शराब के 40 कार्टन जब्त

सिरोही,28 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के वासड़ा में नाकाबंदी तोड़कर भाग रहे आरोपी को पुलिस ने पीछा करके रोका और उसके पास से गुजरात ले जाई जा रही अंग्रेजी शराब के 40 कार्टन बरामद किए। पुलिस ने मामले में हेमेंद्र सिंह पुत्र बन्नेसिंह को गिरफ्तार किया है। आबूरोड रीको थानाधिकारी सीताराम की अगुवाई

नाकाबंदी तोड़कर भाग रहा था बदमाश

में मावल चौकी प्रभारी पूराराम, हेड कांस्टेबल किशनलाल, कांस्टेबल प्रकाश, महेंद्रसिंह एवं गोपाल की टीम ने वासड़ा में नाकाबंदी की थी। उस दौरान आबूरोड से गुजरात जा रही एक कार को रोकने का इशारा किया तो कार चालक नाकाबंदी तोड़कर कार को भगाने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा कर कार को रोका तथा कार की तलाशी ली तो उसमे विभिन्न प्रकार की अंग्रेजी शराब व बीयर के 40 कार्टन भरे मिले। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शराब व कार को जब्त कर हेमेंद्रसिंह पुत्र बन्नेसिंह को गिरफ्तार किया है।

शुभ लाभ DAILY

डायनिंग टेबल पर परीक्षा देते दिखे जेपी विवि के छात्र

प्राचार्य बोले– क्षमता से अधिक परीक्षार्थी आ गए

पटना (एजेंसियां)। लोक नायक जयप्रकाश नारायण के नाम पर बिहार के छपरा में स्थापित जय प्रकाश विश्वविद्यालय के अंगीभूत इकाई प्रभुनाथ कॉलेज परसा से एक चौंकाने वाली तस्वीरें आई हैं। यह तस्वीरें किसी शादी विवाह या अन्य किसी प्रकार के कार्यक्रम में मिलने वाली सामूहिक भोज का नहीं है बल्कि यह जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा में स्नातक प्रथम खंड सत्र 2023-2027 के परीक्षा की हैं। टेबल-कुर्सी पर बैठा कर ग्रेजुएट लेबल की परीक्षा से संबंधित यह तस्वीर बयां कर रही है कि जेपी विश्वविद्यालय के अंगीभूत इकाई प्रभुनाथ कॉलेज (पीएन कॉलेज) परसा के परीक्षा केंद्र पर व्यवस्था स्थापित करने में वर्तमान कुलपति एवं परीक्षा नियंत्रक पूरी तरह से विफल साबित हो रहे हैं।

विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा केंद्र पर तैनात आब्जर्बर डॉ. संजीव कुमार सुधांशु ने बताया कि नई शिक्षा नीति के एमडीसी के तहत परीक्षा संचालित किया जा रहा है। इसमें छात्र की स्वतंत्रता रहती है कि वह किसी भी विषय के साथ कोई विषय पढ़ सकता है। इस परीक्षा केंद्र पर दो महाविद्यालयों के 1507 छात्र और छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए है। इससे छात्रों को बैठने के लिए टेंट लगाकर और महाविद्यालय परिसर में पेड़ के नीचे टेबल कुर्सी की व्यवस्था कर परीक्षा का संचालन किया जा रहा है।

वहीं प्राचार्य डॉ पुष्प राज गौतम ने बताया कि यदुनंदन (वाईएन) कॉलेज दिघवारा तथा होती लाल राम नाथ (एचआर) कॉलेज अमनौर की परीक्षा केंद्र स्थापित किया गया है। कॉलेज संचालन में लगभग छह सौ छात्रों की परीक्षा नियंत्रित करने की क्षमता है। लेकिन, परीक्षा नियंत्रक द्वारा कॉलेज में 1507 छात्रों को परीक्षा के लिए चयनित किया गया था। इस कारण स्थानीय महाविद्यालय प्रशासन की परेशानी बढ़ गई है। क्षमता से अधिक छात्र और छात्राएं होने के कारण मजबूरन छात्रों को टेंट और टेबल कुर्सी की व्यवस्था कर परीक्षा संचालित किया जा रहा है। हालांकि, इस बात की जानकारी जय प्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो परमेंद्र वाजपेई सहित सभी प्रशासनिक अधिकारियों को है। लेकिन, इसके बावजूद इस तरह की परिस्थितियों से जिला सहित कई अन्य राज्यों को बिहार में शिक्षा व्यवस्था को दिखाने का प्रयास किया गया है। ताकि बिहार की बदनामी हो। कुलपति प्रो. परमेंद्र वाजपेई प्रत्येक दिन शिक्षा व्यवस्था और विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न तरह की परिस्थितियों से जूझ रहे समस्याओं का जल्द ही सुधार किया जाएगा। लेकिन, इसके बावजूद स्थिति या परिस्थिति जस की तस बनी हुई है।

पानी भरे गड्ढे में दो युवकों की डूबकर हुई दर्दनाक मौत

मुंगेर (एजेंसियां)। बेगूसराय में पानी भरे गड्ढे में दो युवक की डूबकर दर्दनाक मौत हो गई। मृतक दोनों युवक की पहचान बरौनी थाना क्षेत्र के पिपरा देवस बाबा थान वार्ड 7 निवासी बलराम यादव के 12 वर्षीय पुत्र धर्मवीर कुमार वहीं स्वर्गीय कपिल देव यादव का 20 वर्षीय पुत्र नंदन कुमार के रूप में हुई। दोनों एक ही जगह के रहने वाले हैं।

बताया जा रहा है कि धर्मवीर कुमार पानी भरे गड्ढे में भैंस को स्नान कर रहा था। तभी धर्मवीर कुमार डूबने लगा। डूबता देख नंदन कुमार ने उसे बचाने के लिए गया। बचाने के दौरान ही नंदन और धर्मवीर कुमार दोनों डूब गया। वहीं लोगों ने दोनों युवक को डूबता देख बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन गहरा पानी रहने के कारण दोनों युवक को बचा नहीं सका और डूबने से दोनों युवक की मौत हो गया।

हालांकि काफी खोजबीन के बाद दोनों युवक का शव लोगों ने बरामद किया। फिलहाल इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने बरौनी थाना पुलिस को दी। मौके पर बरौनी थाने के पुलिस पहुंचकर दोनों युवक का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

इस घटना के संबंध में बरौनी थाना अध्यक्ष ने बताया है कि पानी भरे गड्ढे में डूबने से दो युवक की मौत हुई है। फिलहाल पुलिस शव पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक नंदन कुमार का 11 जुलाई को शादी हुआ था। इस मौत के बाद नई नवेली दुल्हन की रो-रो कर बुरा हाल हो चुका है।

भारत से नेपाल ले जाया जा रहा था ब्राउन शुगर

गुप्त सूचना के आधार पर एसएसबी ने की कार्रवाई, दो गिरफ्तार

पूर्णिया (एजेंसियां)। किशनगंज जिले के ठाकुरगंज के 19वीं एसएसबी के द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर भगहारना गांव के समीप दो व्यक्तियों की तलाशी के दौरान 350.5 ग्राम संभावित मोर्फिन ब्राउन शुगर प्राप्त किया गया। पूछताछ करने पर तस्कर ने अपना नाम अबू कलाम (20) पिता नजरुल, निवासी ग्राम मालदा, पश्चिम बंगाल व हबीबुर रहमान (33) पिता- राजुल, निवासी ग्राम,पिरेजपुर मालदा, पश्चिम बंगाल होना बताया।

इन तस्करों द्वारा मोर्फिन (ब्राउन शुगर) को अवैध रूप से भारत से नेपाल ले जाया जा रहा था। मादक पदार्थ तस्करी का यह एक संदिग्ध मामला होने के कारण तस्करों को प्राप्त मोर्फिन (ब्राउन शुगर) के साथ थाना ठाकुरगंज को अग्रिम कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया।

विवाहिता की गला घोंटकर हत्या, घर में शव छोड़कर ससुरालजन हुए फरार

भाई ने लगाया बहनोई पर आरोप

दरभंगा (एजेंसियां)। समस्तीपुर में एक विवाहिता की हत्या कर उसके शव को पंखे से लटकाकर ससुरालजन फरार हो गए। जिसके बाद पड़ोसियों की सूचना पर पहुंचे पिता और भाई ने आरोप लगाया है कि उसका बहनोई सिलीगुड़ी में दूसरी शादी कर रखा है। मेरी बहन को रास्ते से हटाने के लिए वह लंबे समय से प्रयास कर रहा था। उधर, घटना की सूचना पर मुफस्सिल पुलिस ने शव को जब्त किया है और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। मृतक महिला गांव की राजू कुमार की पत्नी अंजली कुमारी बताई गई है।

वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के रहने वाले शिवम कुमार ने बताया कि उनकी बहन की शादी वर्ष 2015 में रहमतपुर गांव के दिलीप कुमार महतो के पुत्र राजू कुमार के साथ दान दहेज देकर हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद से ही उसकी बहन को सस-ुराल वाले तरह-तरह से प्रताड़ित करने लगे, बाद में लोगों को पता चला कि उनके बहनोई राजू जो पूर्व से ही सिलीगुड़ी में रहता था। वहीं दूसरी महिला से शादी कर रखा है। जिस कारण वह अंजली को रास्ते से हटाना चाहता है। इसी बात को लेकर हमेशा उसे तरह-तरह से प्रताड़ित किया जाता है।

मृतका अंजली के पिता दीनानाथ महतो ने बताया कि जब वे लोग रहमतपुर गांव पहुंचे, तो उनकी पुत्री का शव घर में पलंग पर पड़ा हुआ था।

उसके गर्दन पर पीछे से दाग का निशान था। हाथ पांव बंधे जाने के भी निशान मिले है, जिसे पूर्ण संभावना है कि उनकी पुत्री को पहले गला घोंट कर हत्या कर दी गई। आत्महत्या बताने के लिए पंखे से लटकाया गया और साजिश के तहत पुनः शव को पंखे से उतार कर पलंग पर रख दिया गया। अगर उनकी पुत्री आत्महत्या करती तो गर्दन पर सामने से निशान होना चाहिए था ना कि पीछे से। हाथ पांव में भी रस्सी बांधे जाने का निशान है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके दामाद राजू के अलावा उनके परिवार वालों के द्वारा उनकी पुत्री की हत्या की गई है।

मुफस्सिल थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर पिंकी प्रसाद ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस पदाधिकारी को मौके पर भेजा गया था। शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल लाया गया है।

शराब तस्करों में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर दो गुटों में गोलीबारी, एक की मौत

बेतिया (एजेंसियां)। रविवार के सुबह जब ग्रामीण सरेह की तरफ गए तो देखा की एक युवक का शव खून से लथपथ पड़ा हुआ है। हालांकि लोगों ने शव का शिनाख्त कर लिया तथा इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची।

जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल में जुट गई है। घटना जिले के बैरिया थाना क्षेत्र के बथना गांव के सरेह की है।

वहीं मृतक की पहचान पूर्वी नौतन के बुलेट पटेल 36 वर्षीय के रूप में की गई है। बताया जाता है कि बुलेट गंडक नदी के रास्ते यूपी से शराब मंगवा कर बेतिया जिला के विभिन्न जगहों पर बेचने का काम करता था।

घटना के बाद इलाके में सनी फैली हुई है। घटना शनिवार की देर रात्रि की है। हालांकि पुलिस का मानना है कि शराब तस्करों के गैंगवार में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया है। शराब के दो तस्करों के बीच गोलीबारी हुई है, जिसमें युवक की मौत हुई है।

इधर मृतक के भाई सुरेश पटेल ने बताया कि हम रात में दूसरे जगह गए हुए थे। रात में मेरे भाई को बुलाया गया उसके बाद घर से सात किलोमीटर दूर खेत में ले जाकर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। शव के पास से भारी मात्रा में शराब की बोतलों को भी पुलिस ने जब्त किया है। वहीं मृतक का भतीजा विजय कुमार पटेल ने बताया कि मेरे चाचा बुलेट पटेल जमीन का कारोबार करते थे तथा वे उस जगह कैसे पहुंच गए इसकी कुछ जानकारी नहीं है। वहीं एसपी अमरकेश डी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एफएसएल टीम के साथ पुलिस को जांच पड़ताल के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

कोर्ट ने दिया था निर्देश

वेश्यावृत्ति मामले में बांग्लादेशी महिला को भेजा गया स्वदेश

दरभंगा (एजेंसियां)। दरभंगा में हुए बड़े सेक्स रैकेट के खुलासे में पुलिस अभिरक्षा में ली गयी बांग्लादेशी महिला सहित एक अन्य महिला को कोर्ट दरभंगा के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था, जहां न्यायालय में 183 के तहत बयान दर्ज कराया। उसके बाद न्यायालय ने दोनों महिलाओं को उसके परिजनों तक पहुचाने का आदेश दिया था।

गिरफ्तार तीन आरोपियों को जेल भेजने का आदेश दिया गया। वहीं बांग्लादेशी महिला सहित एक पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी की रहने वाली महिला को उनके परिजनों तक पहुंचाने का आदेश

दिया है। लहेरियासराय थानाध्यक्ष दीपक कुमार द्वारा थाना के दो एसआई के साथ उनके परिजनों तक पहुंचाने के लिए भेज दिया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए लहेरियासराय थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि बांग्लादेशी महिला के साथ पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी की रहने वाली एक अन्य महिला को जबरन देह व्यापार के धंधे में धकेला गया था। छापेमारी के दौरान इन दोनों महिलाओं को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया था। अब कोर्ट के आदेश पर इन्हें अपने घर भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि लहेरियासराय थाना की एसआई अर्चना सिंह एवं एसआई अमित कुमार को इन्हें सुरक्षित इनके गंतव्य तक पहुंचाने केलिए इनके साथ भेजा गया है। बांग्लादेशी महिला को बॉर्डर पर उनके परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा।

सर्पदंश से युवक की हुई मौत, परिजनों ने शव नदी में बहाया

बेतिया (एजेंसियां)। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार के रात आठ बजे युवक सूरज को सांप ने काट लिया। घटना की मिलते ही, सूरज के पिता उसे नेपाल स्थित सर्पदंश उपचार केंद्र ले गए। स्थिति में सुधार न होने पर उसे बगहा अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत के बाद परिजन अंधविश्वास को लेकर झाड़-फूक के चक्कर में शनिवार दिनभर भटकते रहे।

घंटों प्रयास के बाद भी जब सूरज जीवित नहीं हुआ, तो फिर किसी ने उल्टा-सीधा समझाकर अंधविश्वास में डाल दिया और उन्होंने अंतिम संस्कार की बजाय परिजनों ने मृतक को चिता पर लेटाकर गंडक नदी में बहा दिया और केले के थम में बांधकर केले के थम को भी गंडक नदी में डाल दिया, यह सोचते हुए कि शायद वह जीवित हो जाए।

इधर कई लोग इसे पाखंड बता रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसा करना ठीक नहीं है। कई लोग अभी भी अपना गंतव्य देते हुए यह कह रहे हैं कि शव को अभी से भी निकाल कर अंतिम संस्कार कर दिया जाए, ऐसा करना सही नहीं है। ऐसे करने से मृतक जिंदा कभी भी नहीं होगा।

मुजफ्फरपुर के किराना दुकान में लगी आग

मिर्च पाउडर जलने से सो रहे लोग की टूटी नींद, कूदकर बचाई जान

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में उस समय हड़कंप मच गया जब अचानक शार्ट सर्किट के कारण एक बड़े किराना दुकान में भीषण आग लग गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक आग ने देखते ही देखते पूरे बिल्डिंग को अपने आगोश में ले लिया। गनीमत यह रही की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर अग्निशमन विभाग की टीम पहुंची और दुकान के ऊपर घर में फंसे लोगों को रेस्क्यू कर घर से बाहर निकाल दिया, नहीं तो फिर बड़ा हादसा हो सकता था।

यह घटना अहले सुबह ढाई बजे की बताई गई है जब सभी लोग गहरी नींद में सो रहे थे। इसी दौरान में नीचे के किराना और हार्डवेयर की दुकान में आग लग गई। आग धीरे धीरे तेजी से फैलने लगी और और फिर ऊपरी तल्ले पर जा पहुंची। जिसके बाद दुकान में लाल मिर्च जली, जिसके बाद ऊपरी तल्ले पर घर में सो रहे लोग की नींद टूटी। नीचे उतरने का रास्ता नहीं होने के कारण लोग ने बगल के घर पर कूदकर अपनी जान बचाई।

इस दौरान में आग तेजी से ऊपर की ओर बढ़ने लगी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची अग्नि शमन की तीन वाहन ने चार घंटे से अधिक की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है और एक बड़ा हादसा होने से टल गया। इस दौरान मौके पर अफरातफरी की स्थिति बन गई और मौके पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com